THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 121 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.3 2083 शनिवार, 1 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भोजशाला के पास हुई जुमे की नमाज

धार, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार स्थित विवादित भोजशाला-कमाल मौला परिसर के समीप शुक्रवार को मुस्लिम समुदाय ने पहली बार जुमे की नमाज अदा की। यह नमाजक सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक दिन पहले दी गई अनुमति के बाद आयोजित की गई। जिला प्रशासन और मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों की बैठक में सर्वे नंबर 612 स्थित स्थान को नमाज के लिए चयनित किया गया। प्रशासन ने नमाज के लिए आवश्यक सभी व्यवस्थाएं और सुरक्षा इंतजाम किए। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा मई में भोजशाला-कमाल मौला परिसर को देवी सरस्वती का मंदिर घोषित किए जाने और परिसर में शुक्रवार की नमाज की अनुमति देने वाले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के पुराने आदेश को रद्द किए जाने के बाद यह पहली जुमे की नमाज थी।

बहुविवाह के खिलाफ याचिका

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुस्लिम समुदाय में बहुविवाह (एक से अधिक विवाह) की प्रथा पर रोक लगाने की मांग अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। इस मामले में शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

याचिका में बहुविवाह को असांविधानिक घोषित करने, सभी धर्मों के लिए द्विविवाह से जुड़े कानून को समान रूप से लागू करने और मुस्लिम पर्सनल लॉ में सुधार की मांग की गई है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता जकिया सोमन और अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार से जवाब तलब किया। अदालत ने फिलहाल मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन केंद्र से उसका पक्ष मांगा है।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक पारित

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन विपक्ष ने दोनों सदनों में जोरदार हंगामा किया। विपक्ष 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान छात्रों पर हुई कथित पुलिस कार्रवाई को लेकर चर्चा की मांग और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाबदेही की मांग करता रहा। हालांकि, इस बीच लोकसभा ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया।

यह विधेयक बिना किसी चर्चा के मंजूर हुआ। दोपहर 12 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने के बाद भाजपा सांसद दिलीप सैकिया की अध्यक्षता में विधेयक को चर्चा और मंजूरी के लिए पेश किया गया। विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बीच इसे ध्वनि मत से पारित कर दिया गया। इस दौरान कई विपक्षी सांसद सदन के बीचों-बीच पहुंच गए और गृह मंत्री अमित शाह की सदन में मौजूदगी की मांग करने लगे।

बिना चर्चा के लोकसभा में पारित हुआ
विधेयक में और क्या बदलाव हैं?

रिजिजू ने विपक्ष पर क्या कहा?

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने चर्चा में हिस्सा नहीं लेने को लेकर विपक्ष पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सरकार इस अहम विधेयक पर चर्चा चाहती थी। रिजिजू ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। भविष्य में ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। जिन लोगों ने आपको संसद भेजा है, वे आपसे जवाब मांगेंगे। उन्होंने विपक्षी सांसदों से अपील की कि वे भविष्य में विधेयकों पर चर्चा में हिस्सा लें, न कि सदन की कार्यवाही बाधित करें।

दिलीप सैकिया ने भी कहा कि विपक्ष के सहयोग के बिना विधेयक पारित होना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधेयक पारित होने के तुरंत बाद सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। मौजूदा कानून में एक साल से ज्यादा देरी होने पर जिला मजिस्ट्रेट, उप-विभागीय मजिस्ट्रेट या अधिकृत कार्यकारी मजिस्ट्रेट के आदेश की जरूरत होती है। नए कानून में दो साल तक की देरी के लिए यही व्यवस्था जारी रहेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 20 जुलाई को इस विधेयक को पेश करने की मंजूरी दी थी। इसमें 2023 में मूल कानून में किए गए बदलावों के बाद देरी से पंजीकरण की प्रक्रिया में और सुधार का प्रस्ताव रखा गया है। विधेयक में कानूनी परिभाषाओं में भी बदलाव किया गया है।

इसमें 'कार्यकारी मजिस्ट्रेट' शब्द को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के अनुसार बदला गया है। पहले इसमें 1973 की आपराधिक प्रक्रिया संहिता का संदर्भ दिया जाता था।

रूस-यूक्रेन जंग : सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

मारे गए और लापता भारतीयों के परिवारों की मदद करे केंद्र

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान नौकरी का झांसा देकर रूस भेजे गए और बाद में युद्ध के मोर्चे पर पहुंचा दिए गए भारतीय नागरिकों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अहम निर्देश दिए हैं। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि विदेश मंत्रालय तुरंत एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे, जो युद्ध में मारे गए, घायल हुए या अब भी लापता भारतीयों के परिवारों के साथ लगातार संपर्क बनाए रखे और उन्हें हर जरूरी जानकारी व सहायता उपलब्ध कराए।

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने कहा कि पीड़ित परिवार पहले ही भारी मानसिक और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि उन्हें समय पर सही जानकारी और हर संभव मदद मिले। विदेश मंत्रालय में एक समर्पित नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो पीड़ित परिवारों से सीधे संपर्क में रहेगा। युद्ध में मारे गए भारतीयों की पहचान के लिए डीएनए सैंपल का मिलान कराया जाएगा। नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के समक्ष मुआवजा क्लेम दाखिल कराने में विदेश मंत्रालय परिवारों की मदद करेगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध में फंसे भारतीयों को राहत

- विदेश मंत्रालय में बनेगा नोडल अधिकारी।
- डीएनए मिलान और मुआवजा क्लेम में मिलेगी मदद।
- NALSA देगा मुफ्त कानूनी सहयोग।

पीड़ित परिवारों को सभी जरूरी जानकारी और प्रक्रियाएं उनकी मातृभाषा या स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराई जाएंगी। राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण और राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण परिवारों को मुफ्त कानूनी सहायता देंगे।

यह मामला उन भारतीय युवाओं से जुड़ा है, जिन्हें ट्रैवल एजेंटों ने रूस में अच्छी नौकरी का लालच देकर भेजा था। परिवारों का आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद कई युवाओं को उनकी इच्छा के खिलाफ रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर भेज दिया गया। इस दौरान कई भारतीयों की मौत हो गई, कुछ घायल हुए और कई अब भी लापता बताए जा रहे हैं।

'गोली चलानी ही पड़ती' सीजेपी प्रोटेस्ट में हिंसा पर दिल्ली पुलिस महासंघ का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली में सीजेपी के 'संसद चलो' मार्च में हुई हिंसा को रोकने के लिए पुलिस कार्रवाई के बचाव में दिल्ली पुलिस महासंघ भी सामने आया है।

महासंघ की ओर से पूर्व एसीपी केपी कुकरेती ने कहा है कि अगर पुलिस नहीं रोकती तो प्रदर्शनकारी संसद में घुस जाते, जो कि और भी खराब स्थिति हो सकती थी। जंतर-मंतर से संसद तक मार्च के दौरान 20 जुलाई को उपद्रवियों को रोकने के लिए दिल्ली पुलिस और आरएएफ की कार्रवाई को लेकर दिल्ली पुलिस महासंघ की ओर से पूर्व एसीपी केपी कुकरेती ने कहा, 'बहुत ही विकट परिस्थिति में अगर पुलिस अफसर की जान को खतरा है, अगर वास्तविक जोखिम है तो कोई भी एक्शन वाजिब होगा, वह मौके पर लेगा।' पुलिस के पास क्या साधन है...या तो उन्हें पार्लियामेंट में घुसने देते...तो इससे बड़ी घटना घटती। गोली चलानी ही पड़ती और यह कानून में लिखा हुआ है। दिल्ली पुलिस महासंघ की ओर से कहा गया कि 'वहां पर न गवर्नर साहब, न सीएम, न होम मिनिस्टर। मौके पर सीनियर अफसर या मौके का अफसर उसको डिसाइड करेगा कि मुझे अपनी जान या पब्लिक की जान या जो पब्लिक प्रॉपर्टी है, चाहे वह पार्लियामेंट है या पार्लियामेंटिरयन हैं, उनको कैसे बचाना है?'

आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में सजा

पूर्व आप पार्षद ताहिर हुसैन समेत पांच को उम्रकैद

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली दंगों के दौरान हुए आईबी अधिकारी अंकित शर्मा हत्याकांड में कड़कड़डूमा कोर्ट में पूर्व आम आदमी पार्टी पार्षद ताहिर हुसैन समेत अन्य चार दोषियों की सजा का एलान कर दिया है। कोर्ट ने पांचों दोषियों ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को उम्र कैद की सजा सुनाई है।

अंकित की हत्या 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के दंगे के दौरान कर दी गई थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने हुसैन को आईपीसी की धारा 188, 153ए, 147, 148, 149, 365 और 302 के तहत दोषी ठहराया है। हालांकि आईपीसी की धारा 120बी और 129 के तहत बरी कर दिया गया था।

ताहिर हुसैन, नजीर, आसिम, जावेद और अनास को छोड़कर इस मामले में अन्य तीन अभियुक्तों को जमानत मिल गई। हुसैन की जमानत याचिका पिछले साल सितंबर में हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी। यह मामला दयालपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित है। अंकित के पिता की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई थी। दंगों के दौरान जब उनका बेटा लापता हो गया था, तब उन्होंने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अंकित का शव बाद में एक नाले से बरामद हुआ। इसके बाद उन्हें जीटीबी अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

हत्या कर नाले में फेंक दी थी अफसर की लाश

क्या था मामला

वर्ष 2020 में नागरिकता संशोधन कानून के समर्थकों और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसमें कम से कम 53 लोग मारे गए और कई घायल हो गए थे।

इसी दौरान जब अंकित शर्मा आरोपियों को शांत करने और उनसे कानून हाथ में नहीं लेने का आग्रह कर रहे थे। तभी उन्हें पकड़ लिया गया और उनकी जान लेने के बाद शव नाले में फेंक दिया गया था।

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से की बात

साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने पर बनी सहमति

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम से फोन पर बातचीत की। उन्होंने एंडी बर्नहैम को प्रधानमंत्री पद संभालने पर बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर बताया कि दोनों नेताओं के बीच प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, शिक्षा और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का संकल्प भी जताया।

पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में लागू हुए भारत-यूके व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते से मिलने वाले व्यापार और निवेश के अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए भी दोनों देश मिलकर काम करेंगे। इसका उद्देश्य दोनों देशों के लोगों की समृद्धि और कल्याण को बढ़ावा देना है।

31 साल की शादी का हुआ अंत

उमर अब्दुल्ला और पायल अब्दुल्ला का रिश्ता खत्म

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी अलग रह रहीं पत्नी पायल अब्दुल्ला की शादी को खत्म करने की मंजूरी दे दी। अदालत ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि दोनों ने आपसी सहमति से अपने सभी विवाद सुलझा लिए हैं और अब अलग-अलग जीवन जीने का फैसला कर लिया है।

शीर्ष अदालत ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर किया। सिब्बल ने अदालत को बताया कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत विवाह समाप्त करने की अर्जी दाखिल की गई है, क्योंकि दोनों पक्षों के बीच सभी विवादों का समाधान हो चुका है। जस्टिस पी.एस. नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि हम

सुप्रीम कोर्ट ने तलाक पर लगाई मुहर

इसे अपने आदेश का हिस्सा बनाएंगे और उसी के अनुसार मामले का निपटारा करेंगे। पीठ इस मामले में जल्द ही औपचारिक आदेश जारी करेगी।

कपिल सिब्बल ने पीठ से कहा कि दोनों ने आजादी अपना ली है। सभी विवाद सुलझ चुके हैं। अनुच्छेद 142 के तहत अर्जी दाखिल की गई है और अदालत तलाक की मंजूरी दे सकती है। इस पर पीठ ने पूछा कि यह अर्जी रिकॉर्ड पर कब आई? अदालत को बताया गया कि यह अर्जी 22 जुलाई को दाखिल की गई थी। इसके जवाब में सिब्बल ने कहा कि बाकी सभी मामले वापस ले लिए जाएंगे। अर्जी में पूरी जानकारी दी गई है।

किन याचिकाओं पर सुनवाई हो रही थी?

पीठ दो याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें उमर अब्दुल्ला की वह याचिका भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने पत्नी पर क्रूरता का आरोप लगाते हुए तलाक की मांग की थी।

जुलाई 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली उमर अब्दुल्ला की याचिका पर पायल अब्दुल्ला से जवाब मांगा था। इससे पहले 12 दिसंबर 2023 को दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर अब्दुल्ला की तलाक की अपील खारिज करते हुए कहा था कि उनकी अपील में कोई ठोस आधार नहीं है।

हाई कोर्ट ने 2016 में फैमिली कोर्ट द्वारा दिए गए उस आदेश को भी बरकरार रखा था, जिसमें तलाक की डिक्री देने से इनकार किया गया था।

मोदी सरकार ने पीएम किसान योजना को 5 साल और बढ़ाया

> 3.15 लाख करोड़ रुपये होंगे खर्च

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान योजना) योजना को अगले पांच साल यानी 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना के लिए 3.15 लाख करोड़ रुपये के कुल व्यय को मंजूरी दे दी है। इस फैसले से करोड़ों पात्र किसानों को आने वाले वर्षों में भी हर साल 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता मिलती रहेगी।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार द्वारा चलाई जाने वाली एक योजना है। इसका उद्देश्य देश के आर्थिक रुप से कमजोर किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है। इस योजना के तहत हर साल किसानों को 6000 रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की जाती है। यह राशि 3 समान किस्तों यानी हर 4 महीने के अंतराल में किसानों के खाते में जमा की जाती है। पीएम-किसान योजना की आधिकारिक वेबसाइट pmkisan.gov.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। या फिर संबंधित राज्य कृषि विभाग के कार्यालय में जाकर भी पंजीकरण कराया जा सकता है। पीएम किसान योजना के लिए आवेदन करने के लिए इन तीन दस्तावेजों (आधार, बैंक अकाउंट और भूमि रिकॉर्ड) की जरूरत पड़ती है।

जुलाई से 3 फीसद बढ़ सकता है केंद्रीय कर्मचारियों का डीए

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार साल में दो बार अपने कर्मचारियों के महंगाई भत्ते यानी डीए में बदलाव करती है। अक्सर होली और दीवाली के आसपास इनकी घोषणा होती है और ये जनवरी और जुलाई से लागू होते हैं। इस बार जनवरी से केंद्रीय कर्मचारियों के डीए में दो फीसदी बढ़ोतरी हुई और यह बेसिक सैलरी का 60 फीसदी पहुंच गया। अब जुलाई से इसमें 3 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। पेंशनर्स को महंगाई राहत यानी डीआर दिया जाता है। इससे एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स को फायदा मिलने की उम्मीद है।

वित्त मंत्रालय के लेबर ब्यूरो ने जून 2026 के लिए 'ऑल इंडिया कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स-इंडस्ट्रियल वर्कर्स' (एआईसीपीआई-आईडब्ल्यू) का आंकड़ा जारी कर दिया है। इसके बाद केंद्रीय कर्मचारियों को जुलाई से डीए में 3 फीसदी बढ़ोतरी मिलने की उम्मीद है। लेबर ब्यूरो के एक ट्वीट के अनुसार, जून महीने के लिए एआईसीपीआई-आईडब्ल्यू का आंकड़ा 151.9 दर्ज किया गया। केंद्रीय कर्मचारियों के डीए की गणना एआईसीपीआई-आईडब्ल्यू के 12 महीने के औसत आंकड़े के आधार पर की जाती है। इस तरह 151.9 के आंकड़े के साथ 12 महीने का औसत 148.65 हो गया और डीए की गणना 63.76% रही। चूंकि सरकार डीए की गणना राउंड फिगर में करती है, इसलिए 63.76% डीए का मतलब 63% होगा। इस तरह 3% की बढ़ोतरी के बाद 7वें वेतन आयोग के तहत सभी कर्मचारियों का कुल डीए 63% होने की उम्मीद है।

'मोदी सरकार युवाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध'

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा के बाद राज्यसभा से भी 'पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल' पास हो गया। इसके साथ ही सरकारी परीक्षाओं में पेपर लीक रोकने के उपायों को मजबूत करने वाले इस कानून को संसद की मंजूरी मिल गई है। इस बिल के दोनों सदनों से पारित होने पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने स्वागत क्या है। उन्होंने कहा, यह कानून भारत की सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता, पारदर्शिता और निष्पक्षता को और मजबूत करेगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'यह विधेयक तय समय-सीमा में जांच, विशेष लोक अभियोजक, विशेष फास्ट-ट्रैक कोर्ट और अपील की त्वरित व्यवस्था का प्रावधान करता है।

साउथ इंडस्ट्री की दिग्गज गायिका जमुना रानी का निधन

बेंगलुरु, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दक्षिण भारतीय दिग्गज गायिका जमुना रानी का निधन हो गया है। उम्र संबंधी समस्याओं के चलते बीते दिन गुरुवार को उन्होंने दुनिया को अलविदा कहा।

अपनी सुरीली आवाज से संगीत जगत में खास पहचान बनाने वाली जमुना रानी उम्र संबंधी परेशानियों से जूझ रही थीं। उन्होंने कल गुरुवार शाम बेंगलुरु में अपने निवास पर आखिरी सांस ली। गायिका के निधन की खबर से साउथ इंडियन फिल्म जगत में शोक की लहर है। जमुना रानी का जन्म 1938 में आंध्र प्रदेश में हुआ था। उन्होंने सात साल की उम्र में फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।

अलग और अनोखी आवाज से मिली पहचान

फिल्म 'त्यागय्या' के जरिए जमुना रानी को बतौर प्लेबैक सिंगर पहचान मिली। उन्होंने तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम समेत कई भाषाओं में 6000 से अधिक गानों को अपने सुरीले कंठ से सजाया। उनकी आवाज दूसरे गायकों से अलग और अनोखी ती। उन दिनों क्लब डांस सॉन्स, जिप्सी सॉन्स और लोकगीतों के लिए भी उनकी सुरीली आवाज बहुत शानदार थी। यही वजह रही कि उन्होंने ऐसे गाने खूब गाए। साल 1952 में रिलीज हुई फिल्म 'कल्याणी' से उन्होंने तमिल फिल्म इंडस्ट्री में एंट्री की।

जमुना रानी ने तेलुगु सिनेमा में अपनी अनोखी आवाज से 'सरदा सरदा सिगरेट्टू', 'एंथा तक्करी वडू नाराजु', 'मुक्कुमिधु नृखी... नी मुखानिके आडा', 'कोटू बूटू वीडा बावा वचदय्या', 'पदपदवे वैयारी गलीपतमा' जैसे शानदार गाने गाकर दर्शकों के बीच लोकप्रियता हासिल की।

भ्रष्टाचार के नए मामले में डीएमके नेता सेंथिल बालाजी को राहत

> सुप्रीम कोर्ट से दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने डीएमके नेता और तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को बड़ी राहत देते हुए भ्रष्टाचार मामले में अगली सुनवाई तक अग्रिम जमानत दे दी है। यह मामला जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार द्वारा दर्ज कराया गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कुछ शर्तों के साथ राहत प्रदान की। अदालत ने बालाजी को जांच में पूरा सहयोग करने, अपना पासपोर्ट जमा कराने और किसी भी गवाह को प्रभावित नहीं करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बागची ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता गुरु कृष्णकुमार से कहा, 'अगर जमानत की शर्तों का मामूली भी उल्लंघन होता है तो तुरंत अदालत आएं। हम अपने आदेश में संशोधन या उसे रद्द कर देंगे।' इससे पहले शुक्रवार को न्यायमूर्ति वी. मोहना ने बालाजी की अग्रिम जमानत याचिका की सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था।

विपक्षी दल करते हैं सेना का अपमान : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को विपक्षी दलों पर सेना का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने शुक्रवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जब कभी देश की सेना का अपमान करने की बात आती है, तो कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दल पीछे नहीं रहते हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी लोगों ने देखा है कि कैसे इन लोगों ने एयरस्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे सैन्य अभियानों पर सवाल खड़े किए। कैसे ये लोग विदेशी भाषा का इस्तेमाल करते हैं। आज हम देख सकते हैं कि कैसे इनके नेता सदन में झूठ बोलते हैं। झूठे आरोप लगाते हैं। यह सब नियमों के विरुद्ध है। इसलिए हमने नोटिस जारी किया है।

सैन्य ठिकानों के पास मंडरा रहा था पाकिस्तानी ड्रोन

सेना ने तुरंत लिया एक्शन दुश्मन की चाल को किया नाकाम

जम्मू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू के खौड सेक्टर में भारतीय सेना ने सतर्कता दिखाते हुए एक संदिग्ध पाकिस्तानी निगरानी ड्रोन को मार गिराया। बताया जा रहा है कि यह ड्रोन इलाके में स्थित महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास गतिविधि करता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे निष्क्रिय कर दिया। जानकारी के मुताबिक ड्रोन भारतीय सीमा क्षेत्र में निगरानी की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाबलों ने खतरे को भांपते हुए ड्रोन को निशाना बनाया, जिसके बाद वह जमीन पर गिर गया। घटना के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और ड्रोन को अपने कब्जे में ले लिया। अब बरामद यूएवी की तकनीकी और फोरेंसिक जांच की जा रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जाएगी कि ड्रोन में किस तरह के उपकरण लगे थे, उसका संचालन कहां से किया जा रहा था और क्या इसके जरिए कोई संवेदनशील जानकारी जुटाने का प्रयास किया गया था।

बुरुआ के शिलिंग नाले में बादल फटा, 100 से अधिक सेब के पेड़ बहे

कुल्लू, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कुल्लू जिले के मनाली क्षेत्र की बुरुआ पंचायत के शिलिंग नाले में वीरवार शाम बादल फटने से सेब उत्पादकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अचानक आए पानी और मलबे के तेज बहाव से नाले ने अपना रास्ता बदल लिया, जिससे पानी सीधे लाछन क्षेत्र के सेब के बगीचों में घुस गया। इस दौरान 100 से अधिक सेब के पेड़ बह गए, जबकि कई बगीचे मलबे में दब गए। बुरुआ पंचायत के उपप्रधान चमन महंत ने बताया कि भारी बारिश के दौरान शिलिंग नाले के ऊपरी हिस्से में बादल फटने से जलस्तर अचानक बढ़ गया। तेज बहाव के कारण नाले का रुख बदल गया और पानी के साथ भारी मात्रा में मलबा बागानों तक पहुंच गया। इससे कई किसानों की वर्षों की मेहनत कुछ ही समय में बर्बाद हो गई। इस प्राकृतिक आपदा में लक्ष्मण महंत, भोला राम, प्रभु दास, रघुबीर, चमन लाल, प्रीतम चंद, कमला देवी, खूब राम और राम चंद सहित कई बागवान प्रभावित हुए हैं। प्रभावितों ने प्रशासन से मौके का निरीक्षण कर नुकसान का आकलन करने और शीघ्र राहत एवं मुआवजा देने की मांग की है।

'आप भारत का अतीत हैं, भविष्य से संभालकर निपटें'

राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर कसा तंज, और क्या-क्या कहा?

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पेपर लीक कानून में संशोधन और छात्र प्रदर्शनकारियों पर हो रही पुलिसिया कार्रवाई को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि वे भारत का अतीत हैं और उन्हें देश के भविष्य (जेन-जी) के साथ संभलकर व्यवहार करना चाहिए। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार छात्र प्रदर्शनकारियों को धमकाने, उन पर एफआईआर दर्ज करने और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक कराने का काम कर रही है।

राहुल गांधी बोले-पहले हड्डियां तोड़ीं, अब एफआईआर दर्ज कर रहे

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार की कार्रवाई पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने लिखा, 'पीएम मोदी और अमित शाह - आप जेन-जी को डराकर चुप नहीं करा सकते। पहले आपने उनकी हड्डियां तोड़ीं। अब आप उन पर एफआईआर दर्ज

> पीएम मोदी और अमित शाह आप जेन-जी को डराकर चुप नहीं करा सकते। पहले आपने उनकी हड्डियां तोड़ीं, अब एफआईआर दर्ज कर अकाउंट हटा रहे हैं। आप भारत का अतीत हैं, भविष्य से संभलकर निपटें।
>
> *राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा*

कर रहे हैं और उनके सोशल मीडिया अकाउंट्स हटा रहे हैं।'

संसद से एंटी-पेपर लीक बिल मंजूर

राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस वीडियो संदेश के ठीक बाद आया है, जिसे पीएम ने इंस्टाग्राम पर जारी किया था।

दरअसल, संसद ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026' को पास कर दिया है।

यह नया कानून 2024 के एंटी-पेपर लीक कानून को और ज्यादा सख्त बनाता है, जिसमें दोषी पाए जाने वालों के लिए कड़े दंड का प्रावधान शामिल किया गया है।

राज्यसभा में विपक्षी इंडिया गठबंधन के वॉकआउट के बीच इस बिल को ध्वनि मत से मंजूरी दी गई।

शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाना बेहद जरूरी: पीएम मोदी

संशोधन विधेयक पारित होने के बाद पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र और कई राज्यों में पिछले कुछ वर्षों से पेपर लीक की समस्या एक बड़ी चुनौती बनी हुई थी, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि अब शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाना बेहद जरूरी हो गया था।

पीएम मोदी ने यह भी कहा, 'हम पेपर लीक करने वाले गिरोहों, पेपर लीक माफिया और बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शेंगे।' उन्होंने यह भी जानकारी दी कि परीक्षा प्रणाली को पारदर्शी और मजबूत बनाने के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, फास्ट-ट्रैक अदालतें बनाई जा रही हैं और राज्यों से भी सुझाव लिए जा रहे हैं।

पठानकोट में टैंकर में ब्लास्ट: एक व्यक्ति की मौत, दूसरा घायल; गर्मी और गैस जमा होने से हुआ हादसा

पठानकोट , 31 जुलाई (एजेंसियां)। पठानकोट के सरना क्षेत्र में छोटी नहर के पास एक टैंकर रिपेयर करते समय अचानक ब्लास्ट हो गया। इससे एक व्यक्ति की मौत हो गई है। साथ में काम कर रहा दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप में घायल है। उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है। मृतक की पहचान 60 वर्षीय दौलत राम निवासी गांव बलसुआ के रूप में हुई है। धमाका इतना जबरदस्त था कि करीब एक किलोमीटर तक इसकी आवाज सुनाई दी।

धमाके से वर्कशॉप की टीन व टैंकर के परखच्चे उड़ गए। घटना का पता चलते ही आसपास के लोग और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। प्रत्यक्षदर्शी मुकेश कुमार व पुलिस जांच में सामने आया है कि सूर्य टैंकर के वर्कशॉप में एक टैंकर की रिपेयर के लिए वेल्डिंग का काम अंदर घुसकर किया जा रहा था। अत्यधिक गर्मी और टैंकर के भीतर ज्वलनशील गैस जमा होने के कारण जोरदार धमाका हुआ और दौलत राम की मौके पर ही मौत हो गई।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 80 हुई

आठ जिलों में 2 .12 लाख से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। अब तक आठ जिलों में 2.12 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इस साल मरने वालों की कुल संख्या भी बढ़कर 80 हो गई है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, गोलाघाट, शिवसागर, विश्वनाथ, चराइदेव, कामरूप (मेट्रो), जोरहाट, धेमाजी और नागांव जिलों में कुल 2,12,441 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

इस आपदा ने 21 राजस्व मंडलों (रेवेन्यू सर्कल) में 437 गांवों को प्रभावित किया है, जबकि बाढ़ के कारण 17,198.09 हेक्टेयर फसल खराब हुई है। एएसडीएमए ने बताया कि पिछले 24 घंटों में शिवसागर जिले में दो और लोगों की मौत हो गई, जिससे इस सीजन में राज्य में बाढ़ से मरने वालों की कुल संख्या 80 हो गई है। अधिकारी प्रभावित जिलों में राहत और बचाव कार्य जारी रखे हुए हैं। विस्थापित परिवारों को आश्रय देने के लिए 21 जगहों पर राहत शिविर खोले गए हैं, जबकि जिला प्रशासन प्रभावित लोगों को भोजन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि शहरी इलाकों में बाढ़ का असर कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिले के कुछ हिस्सों में बना हुआ है।

अधिकारियों ने कहा कि कई नदियों में जलस्तर अभी भी ऊंचा बना हुआ है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन बाढ़ की स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं। इसी बीच, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुवार रात एक सार्वजनिक एडवाइजरी जारी कर निवासियों से धनसिरी (दक्षिण) नदी से दूर रहने को कहा, क्योंकि गोलाघाट जिले के नुमालीगढ़ में इसका जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। प्राधिकरण ने जनहित एडवाइजरी में कहा, असम के गोलाघाट जिले में नुमालीगढ़ के पास धनसिरी (दक्षिण) नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे नदी से दूर रहें।

ईडी द्वारा बैंक खाते फ्रीज करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची टीएमसी

3 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपने तीन एचडीएफसी बैंक खातों को ईडी द्वारा फ्रीज किए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। पार्टी ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 20 जुलाई 2026 के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें खातों को फ्रीज करने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया गया था। मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम। सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच 3 अगस्त को कर सकती है।

ईडी का आरोप है कि टीएमसी के एक बैंक खाते से करीब 133.84 करोड़ रुपये केयरवेल एविएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भेजे गए। एजेंसी का कहना है कि यह रकम धन के गलत इस्तेमाल और कथित मनी लॉनड्रिंग से जुड़ी है। यह मामला 18 जून 2026 को पश्चिम बंगाल के विधायक बिस्वनाथ दास की शिकायत के बाद शुरू हुआ। शिकायत के आधार पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और 23 जून को ईडी ने पीएमएलए के तहत जांच शुरू की। इसके बाद 7 जुलाई को ईडी ने कुल छह बैंक खाते फ्रीज किए, जिनमें टीएमसी के तीन एचडीएफसी बैंक खाते भी शामिल थे।

टीएमसी का कहना है कि ईडी ने बिना ठोस सबूत के मनमाने तरीके से खाते फ्रीज किए हैं। पार्टी ने यह भी कहा कि 9 जुलाई को हाईकोर्ट की एक अन्य बेंच ने रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए विशेष अधिकारी की निगरानी में इन खातों के संचालन की अनुमति दी थी। हालांकि, कलकत्ता हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि इस चरण पर फंड ट्रांसफर की वैधता पर फैसला नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि पार्टी अपनी आपत्तियां पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकरण और आगे की सुनवाई के दौरान उठा सकती है।

भाजपा विधायक सुधीर शर्मा पर आय से अधिक संपत्ति का केस

विजिलेंस ने दर्ज की एफआईआर

शिमला, 31 जुलाई (एजेंसियां)। धर्मशाला से भाजपा विधायक एवं पूर्व मंत्री सुधीर शर्मा के रक्कड़ में बने आलीशान घर समेत दस साल में जुटाई गई उनकी संपत्ति की विजिलेंस ब्यूरो जांच कर रहा है। वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे सुधीर शर्मा पर आय से अधिक संपत्ति जुटाने का आरोप है।

विजिलेंस ने उनके खिलाफ 2013 से 2023 तक आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति जुटाने के आरोप में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की तीन अलग-अलग धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की है। विजिलेंस की प्रारंभिक जांच के दौरान सरकारी विभागों (इनकम टैक्स, लोक निर्माण विभाग) और अन्य एजेंसियों से प्राप्त वित्तीय एवं संपत्ति संबंधी दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। इनमें आयकर रिटर्न, चुनावी हलफनामा, संपत्ति रिकॉर्ड, हाउस बिल्डिंग एडवांस से जुड़े दस्तावेज और सक्षम अधिकारियों से प्राप्त संपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट शामिल हैं। जांच में प्रथम दृष्टया यह सामने आया कि संबंधित लोक सेवक की संपत्ति और खर्च घोषित वैध आय की तुलना में अधिक प्रतीत हो रहे हैं।

ब्यूरो के अनुसार रिकॉर्ड का मिलान के बाद आपराधिक केस दर्ज करने व जांच के लिए पर्याप्त आधार मिला है। विजिलेंस की जांच के दायरे में बैंकिंग रिकॉर्ड, चल एवं अचल संपत्तियां, निवेश, डिजिटल साक्ष्य और अन्य वित्तीय लेनदेन शामिल है। इसके अतिरिक्त घर के निर्माण, इंटीरियर, फिक्स्चर और फर्निशिंग पर हुए व्यय का तकनीकी मूल्यांकन भी कराया जाएगा। यदि जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसके संबंध में भी कानून के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। एएसपी ब्रह्मदास भाटिया की ओर से दर्ज करवाए मामले की जांच निरीक्षक नरेश कुमार को सौंपी गई है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने उमर खालिद की तीसरी जमानत याचिका पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को उमर खालिद की तीसरी बेल याचिका पर सुनवाई करते हुए शुक्रवार को नोटिस जारी किया।

उमर पर साल 2020 की फरवरी में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों की साजिश रचने का आरोप है। पुलिस ने उनके खिलाफ यूएपीए समेत अन्य कई धाराओं में केस दर्ज किया है। इसी के चलते उमर खालिद साल 2020 से जेल में हैं और वह सुप्रीम कोर्ट समेत हाईकोर्ट और निचली अदालतों में कई बार बेल के लिए अप्लाई कर चुके हैं।

खालिद ने ताजा बेल याचिका के साथ ही अंतरिम जमानत के लिए भी याचिका दायर की है। इसकी सुनवाई के लिए अदालत ने 27 अगस्त की तारीख तय की है। इसके साथ ही शरजील इमाम की भी बेल याचिका पर 27 अगस्त को सुनवाई होगी। शरजील इमाम भी साल 2020 से दंगा की साजिश रचने के आरोप में जेल में बंद हैं। उनपर भी यूएपीए समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

हावड़ा-बर्धमान मेन लाइन पर इंजन बेपटरी, रेल परिचालन प्रभावित

हावड़ा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बर्दवान मेन लाइन पर शुक्रवार सुबह एक रेल इंजन के बेपटरी होने से रेल यातायात प्रभावित हो गया। जानकारी के अनुसार,आज सुबह करीब 8:15 बजे बैंडेल की ओर जाते समय इंजन पटरी से उतर गया। घटना के बाद अप लाइन और रिवर्स लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया। फिलहाल केवल एक डाउन लाइन से ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

रेलवे की तकनीकी टीम मौके पर पहुंच गई है और इंजन को दोबारा पटरी पर लाने (रि-रेलमेंट) का काम शुरू कर दिया गया है।अधिकारियों के अनुसार, मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद सामान्य रेल सेवा बहाल की जाएगी। इस घटना के कारण कई ट्रेनों के परिचालन पर असर पड़ा है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सीएम शुभेंदु अधिकारी पर आतंकी हमले की प्लानिंग? बंगाल एसटीएफ ने जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी को दबोचा

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर आतंकी हमले की प्लानिंग का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने पश्चिम बंगाल के बर्धमान से संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के मेंबर हामिद मंडल को गिरफ्तार किया है।

पुलिस को शक है कि जैश के इस संदिग्ध आतंकवादी का मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पर हमला करने का प्लान था। आतंकी के पास से रिकवरी किए गए मोबाइल और डॉक्यूमेंट्स देखने के बाद ये बात सामने आई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार किया गया जैश-ए-मोहम्मद का आतंकवादी हामिद मंडल, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हमले के मास्टरमाइंड सज्जाद भट का करीबी है। आतंकी को देर रात बर्धमान के रेनेसां टाउनशिप इलाके में स्थित एक फ्लैट से गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार, पकड़ा गया आतंकी हामिद मंडल पिछले लगभग 2 से 3 महीने से इलाके में एक किराए के एक फ्लैट में रह रहा था। इससे पहले पश्चिम बंगाल के बीरभूम में भी पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली थी। पुलिस ने बीरभूम जिले के नलहाटी इलाके में एक खाली पड़े घर में से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को एक गुप्त सूचना मिली थी। इसी पर एक्शन लेते हुए पुलिस ने मौके पर छापेमारी की और भारी मात्रा में अवैध विस्फोटक को जब्त किया है। जानकारी के अनुसार, जब्त किए गए विस्फोटकों में 800 केजी से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट, 1,200 से ज्यादा जिलेटिन स्टिक, 105 डेटोनेटर और 36 डेटोनेटिंग फ्यूज कॉइल बरामद किए गए हैं।

महिला की गर्दन में कैंची घोंपकर निर्मम हत्या वारदात के बाद से पति फरार

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जगतपुरी इलाके में शुक्रवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक महिला के गर्दन में कैंची घोंपकर उसकी हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान कोमल के रूप में हुई है। महिला की हत्या के बाद से ही उसका पति कमल फरार है। शुरुआती जांच में पुलिस को महिला के पति पर शक है। पुलिस मौके से सबूत जुटा रही है और जांच जारी है।

'इस देश में गाली देना अपराध कबसे बना?' छात्रों पर हो रही एफआईआर पर भड़के सौरव दास

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन के बीच एक बड़ा मुद्दा यह उठा कि आंदोलन तो सही चीज के लिए किया गया, लेकिन जेन-जी ने गालियां बहुत दीं और प्रधानमंत्री मोदी का अपमान किया गया जो कि ठीक नहीं है।

अब दिन छात्रों के अपशब्द कहते वीडियो सामने आ रहे हैं, उनपर पुलिस कार्रवाई कर रही है। सोशल मीडिया पर अपलोड हजारों-लाखों वीडियो की जांच कर पुलिस अब ऐसे छात्रों को खोज रही है, जो गाली-गलौज करते कैमरा में रिकॉर्ड हुए हैं। इसी क्रम में नोएडा की एक लड़की पर एफआईआर की गई है। इसके बीच अब कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास का बड़ा बयान आया है। उन्होंने सवाल किया है कि इस देश में गाली देना अपराध कबसे बन गया है? सौरव ने कहा, आप एक लड़की को टारगेट कर के एग्जांपल हना रहे हैं। युवाओं को टारगेट करना बंद कर दीजिए। पुलिस उन्हें टारगेट कर रही है, यह सही नहीं है। सौरव दास ने यह भी कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका बुरा लगा है तो वह मानहानि का केस कर सकते हैं। पुलिस का प्रयोग केवल युवाओं को टारगेट करने के लिए किया जा रहा है। कोर्ट को चाहिए कि इस लड़की को प्रोटेक्ट करें। सौरव दास का कहना है कि अगर प्रोटेस्ट में किसी ने गाली दी है तो आप उसकी निंदा कर सकते हैं लेकिन क्रिमिनल मशीनरी का इस्तेमाल करना, बच्चों को टारगेट करना सही बात नहीं है।

दौलत, शोहरत और इज्जत मिली है, ट्रोलिंग पर कंगना रनौत का बयान

मंडी, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद कंगना रनौत ने ट्रोल किए जाने के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि "हम जिस तरह से अपनी जिंदगी जीते हैं और अपने परिवार के बच्चों को जो सीख देते हैं। ये वही सिद्धांत हैं जिनकी वजह से मुझे आज सफलता, समाज में सम्मान, रुतबा, दौलत और शोहरत मिली है। उन्होंने कहा कि मैं दूसरे लोगों के बच्चों के लिए भी उन्हीं सिद्धांतों की वकालत करती हूं। ऐसा नहीं है कि मेरे अपने परिवार के लिए नियम अलग हैं और बाकी लोगों के बच्चों के लिए अलग।

मैं अपने घर के बेटे-बेटियों से भी वही बातें कहती हूं जो कैमरे पर कहती हूं। अगर आपको इस पर कोई आपत्ति है, तो आप जो चाहें करें

और देखें कि जिंदगी में आप कहां पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि मैंने बस वही बातें बताई हैं जो मेरे लिए काम आईं।

हो सकता है कि किसी और के लिए कुछ और चीजें काम आई हों, लेकिन मैं उनके अनुभवों के बारे में बात नहीं कर सकती। इसलिए, अगर ये बातें आपको सही लगती हैं, तो इन्हें अपनाएं, अगर नहीं, तो आपको जो सही लगे, वही करें।" खुद को "कॉकरोच" कहने वाले प्रदर्शनकारियों का जिक्र करते हुए कंगना ने कहा, "भारत अलग-अलग तरह के खूबसूरत लोगों का देश है, जो शालीनता और सांस्कृतिक समझ से जुड़े हैं।

आप खुद को कॉकरोच कहते हैं और उन्हीं की तरह दिखते और बर्ताव भी करते हैं। इसमें कोई विरोधाभास या उलटफेर नहीं है, बस आप दुनिया के सामने अपनी गंदगी, कचरा और बदसूरती ही पेश कर रहे हैं। इन रील्स को देखकर मैं परेशान हो गई हूं। मुझे अब ठीक होने और डिजिटल डिटॉक्स की जरूरत है।" एक और विवादित टिप्पणी में, कंगना ने अपना गुस्सा उन "हिंदू महिलाओं" पर निकाला जो विरोध प्रदर्शन में शामिल थीं।

ऊंची लहरों के बीच पलटी नाव, एक मछुआरे की मौत; पिता-पुत्र समेत दो लोग लापता

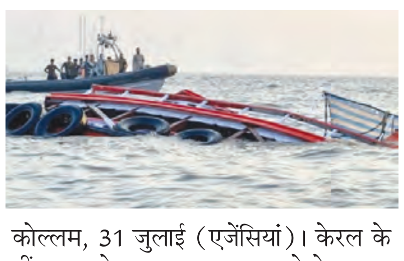

कोल्लम, 31 जुलाई (एजेंसियां)। केरल के नींदाकारा के पास नाव पलट जाने के कारण एक मछुआरे की मौत हो गई है। वहीं, एक अन्य व्यक्ति और उसका बेटा लापता हो गए हैं। बता दें कि इस नाव में बैठे 14 लोगों मछली पकड़ने के लिए जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ। यह जानकारी अधिकारियों ने दी है। मृतक की पहचान राजीव के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि हालांकि उन्हें समुद्र से बचाकर किनारे पर लाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। राधाकृष्णन और उनके बेटे गौतम सहित दो अन्य लोग लापता थे, और उनकी तलाश के लिए खोज अभियान जारी था।

अधिकारियों ने बताया कि श्रीकृष्णा नामक नाव ऊंची लहरों के बीच समुद्र में प्रवेश करते समय नींदाकारा ब्रेकवाटर के पास पलट गई। अधिकारियों ने बताया कि शेष 11 लोगों को बचा लिया गया, जिनमें से कुछ तैरकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचने में कामयाब रहे। अधिकारियों ने बताया कि खराब समुद्री परिस्थितियों और तेज लहरों के कारण बचाव अभियान बाधित हो रहा है। पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। केरल में मानसून के मौसम के दौरान लागू 52 दिनों का वार्षिक ट्रॉलिंग प्रतिबंध शुक्रवार रात को समाप्त हो जाएगा।

सूरत में रेड अलर्ट : अगले 48 घंटे भारी बारिश के आसार

सूरत, 31 जुलाई (एजेंसियां)। गुजरात के सूरत जिले में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। अगले 48 घंटे बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि बिना जरूरी काम के घरों से बाहर न निकलें और प्रशासन की ओर से जारी सभी निर्देशों का पालन करें। सूरत के कलेक्टर तेजस परमार ने आईएएनएस को बताया कि डीप डिप्रेशन धीरे-धीरे गुजरात की ओर बढ़ रहा है और इसका सीधा असर सूरत जिले में दिखाई देने लगा है। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे से ही जिले की लगभग सभी तहसीलों में बारिश शुरू हो गई थी।

सुबह छह बजे से आठ बजे के बीच अधिकांश इलाकों में पांच से दस इंच तक बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा बारिश उमरपाड़ा तहसील में रिकॉर्ड की गई, जहां महज दो घंटे के भीतर करीब 30 सेंटीमीटर वर्षा हुई।

कलेक्टर ने बताया कि मौसम विभाग ने दो दिन पहले ही रेड अलर्ट की चेतावनी जारी कर दी थी। इसके बाद जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। प्रशासन ने संभावित जलभराव वाले इलाकों की पहचान पहले ही कर ली थी और वहां रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए लगातार सूचना दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की सुरक्षा है। जिन क्षेत्रों में हर साल बारिश के दौरान पानी भर जाता है, वहां लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सभी तहसीलदार, एसडीएम और तालुका विकास अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। स्थानीय प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और जरूरत पड़ते ही लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा।

किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए राहत और बचाव दलों की तैनाती भी पहले से कर दी गई है। सूरत शहर में एनडीआरएफ की एक टीम और एसडीआरएफ और एसटीएफ की दो टीमें तैनात हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी एक विशेष बचाव दल को तैनात किया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत राहत कार्य शुरू किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों के कई सरकारी स्कूलों और अन्य भवनों को अस्थायी राहत शिविर के रूप में तैयार किया गया है, ताकि यदि लोगों को उनके घरों से निकालना पड़े तो उन्हें सुरक्षित ठहराया जा सके।

प्रशासन ने खाने-पीने, दवाइयों और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था की है। कलेक्टर तेजस परमार ने कहा कि बारिश की तीव्रता दोपहर के बाद और बढ़ने की संभावना है। रात के समय भारी से अत्यंत भारी बारिश हो सकती है और शनिवार सुबह तक यही स्थिति बनी रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 से 48 घंटे सूरत और आसपास के इलाकों के लिए बेहद संवेदनशील रहेंगे।

सुविचार: मनुष्य की हार युद्ध में नहीं, बल्कि उसके मन में होती है।

नागरिकता संबंधी दस्तावेज़ों को सरल बनाने के लिए पारिवारिक प्रमाण पत्र शुरू : भट्टी

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री मल्लु भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने परिवार प्रमाण पत्र शुरू किया है ताकि तेलंगाना के लोग सरकारी विभागों, संस्थानों या अन्य संगठनों द्वारा आवश्यकता पड़ने पर आसानी से अपने और अपने परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी दे सकें। वे शुक्रवार को हैदराबाद के महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में आयोजित विशेष गहन पुनरावलोकन (एसआईआर) जागरूकता कार्यक्रम में बोल रहे थे।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, तेलंगाना अल्पसंख्यक आवासीय शैक्षणिक संस्थान सोसायटी के उपाध्यक्ष फहीम कुरैशी और अन्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित थे। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली (राशन), आरोग्यश्री, उत्तम गुणवत्ता वाले चावल वितरण और अन्य योजनाओं सहित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संबंधित जानकारी संकलित की है और तहसीलदार कार्यालयों में उपलब्ध कराई है। उन्होंने कहा कि कोई भी परिवार जिसे अपनी जानकारी या अपने सदस्यों के विवरण की आवश्यकता हो, वह निकटतम तहसीलदार कार्यालय या मीसेवा केंद्र जाकर पारिवारिक प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रमाण पत्र किसी भी सरकारी विभाग, संस्था या अन्य प्रणाली द्वारा परिवार की संरचना के विवरण मांगे जाने पर एक त्वरित संदर्भ के रूप में काम करेगा, जिससे ऐसी जानकारी प्रस्तुत करने की प्रक्रिया सरल हो जाएगी।

पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के निधन पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने पूर्व नरसंपेट विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने सुदर्शन रेड्डी के निधन को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि तेलंगाना आंदोलन के दौरान उनकी सक्रिय भूमिका और योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने दिवंगत नेता के परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की और ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति दें।

कर्मचारियों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हों : संजय जाजू

सीएस ने कर्मचारियों के स्वास्थ्य सेवा पर मजबूत विश्वास का आह्वान किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव संजय जाजू ने अधिकारियों को तेलंगाना कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल ट्रस्ट के कामकाज को मजबूत करने का निर्देश दिया ताकि सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें। उन्होंने समिति को स्वास्थ्य देखभाल ट्रस्ट फंड के प्रभावी उपयोग के लिए उचित उपाय करने की सलाह दी। तेलंगाना कर्मचारी स्वास्थ्य देखभाल ट्रस्ट की एक बैठक शुक्रवार को सचिवालय में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन, अस्पतालों में दी जा रही सेवाओं, उपचार पैकेज की दरों और लाभार्थियों द्वारा सामना की जा रही समस्याओं सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संजय जाजू ने अधिकारियों को मौजूदा उपचार पैकेज दरों की व्यापक समीक्षा करने और योजना की निरंतर समीक्षा करके आवश्यक बदलाव करने का निर्देश दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर्मचारियों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा सेवाएं प्राप्त हों। बैठक में ट्रस्ट की गतिविधियों के अधिक कुशल प्रशासन के लिए एक कार्यकारी समिति और आवश्यक उप-समितियों के गठन का भी निर्णय लिया गया। ये समितियाँ नियमित रूप से पैकेज दरों, अस्पतालों के चयन, सेवाओं की गुणवत्ता और वित्तीय प्रबंधन जैसे मुद्दों की समीक्षा करेंगी और ट्रस्ट को सिफारिशें प्रदान करेंगी। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आपातकालीन स्थितियों में उपचार की आवश्यकता वाले कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बिना किसी देरी के तत्काल चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष तंत्र स्थापित किया जाए। उन्होंने इसके लिए 24 घंटे की सहायता प्रणाली को मजबूत करने, त्वरित अनुमोदन प्रक्रिया अपनाने और सूचीबद्ध अस्पतालों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने का सुझाव दिया। संजय जाजू ने इस बात पर जोर दिया कि ट्रस्ट को पारदर्शी और कुशल तरीके से कार्य करना चाहिए ताकि कर्मचारी स्वास्थ्य योजना के माध्यम से कर्मचारियों को बिना किसी कठिनाई के गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

सनतनगर टीआईएमएस का नाम बदलकर पूर्व सीएम चन्ना रेड्डी के नाम पर रखा

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शहर के सनतनगर स्थित तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (टीआईएमएस) अस्पताल का नाम बदलने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और अलग तेलंगाना आंदोलन के नेता डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी की सेवाओं को सम्मानित करते हुए, राज्य सरकार ने आदेश जारी कर इस अस्पताल का नाम आधिकारिक तौर पर 'डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, सनतनगर' कर दिया है। 53 एकड़ में फैले इस सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण, जिसकी अनुमानित लागत 882 करोड़ रुपए है, ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं के विकेंद्रीकरण के उद्देश्य से पिछली बीआरएस पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के कार्यकाल में शुरू किया गया था। यह परियोजना गांधी, उस्मानिया और एनआईएमएस अस्पतालों पर मरीजों का बोझ कम करने और गरीबों को कॉर्पोरेट स्तर की चिकित्सा सुविधा मुफ्त में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। राज्य सरकार ने बताया कि डॉ. मर्री चन्ना रेड्डी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सार्वजनिक जीवन में उनके विशिष्ट योगदान को मान्यता देने के लिए अस्पताल का नाम बदला गया है। वर्तमान में, अस्पताल को 'उत्कृष्टता केंद्र' के रूप में विकसित किया जा रहा है, जो हृदय रोग उपचार और अंग प्रत्यारोपण जैसी अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है।

भाजपा ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से माफी मांगने की मांग की

इंजीनियरिंग छात्रों के खिलाफ टिप्पणी का मामला

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उस टिप्पणी की कड़ी निंदा की, जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग छात्रों को राज्य में 'आपराधिक अपव्यय' बताया था।

राव, जो इस समय अमेरिका में हैं, ने मांग की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को अपने आपत्तिजनक बयानों के लिए छात्र समुदाय, विशेष रूप से इंजीनियरिंग छात्रों से तुरंत माफी मांगनी चाहिए, जिसमें उन्होंने यह भी कहा था कि इंजीनियरिंग छात्र आवेदन पत्र भरने में भी असमर्थ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग का प्रभार भी संभाल रहे मुख्यमंत्री की टिप्पणी पूरे छात्र समुदाय का अपमान है और शिक्षा व्यवस्था को बदनाम करती है। उन्होंने कहा कि इस तरह की अपमानजनक और निंदनीय टिप्पणियां बेहद आपत्तिजनक हैं। राव ने आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार लगभग 1200 करोड़ रुपये के लंबित शुल्क-प्रतिपूर्ति बकाया को जारी करने में विफल रही है और यहां तक कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी एक तरफ कॉलेज प्रबंधन को धमका रहे हैं और दूसरी तरफ छात्रों का अपमान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने फीस वापसी की बकाया राशि रोक रखी है, शिक्षण संस्थानों को गंभीर वित्तीय दबाव में डाल दिया है और लाखों छात्रों के भविष्य को खतरे में डाल दिया है। इन मुद्दों को सुलझाने के बजाय, मुख्यमंत्री ने छात्रों को नीचा दिखाने का विकल्प चुना है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को चेतावनी दी है कि यदि वे छात्र समुदाय से माफी नहीं मांगते हैं, तो भाजपा छात्रों को एकजुट करेगी और उनके अपमान के लिए आंदोलन शुरू करेगी।

सबिता इंद्रा रेड्डी ने मुख्यमंत्री से माफी की मांग की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी की विधानसभा उपनेता पी. सबिता इंदिरा रेड्डी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के उस बयान की कड़ी निंदा की है जिसमें उन्होंने इंजीनियरिंग छात्रों को नए तेलंगाना का निर्माता बताते हुए इसे "आपराधिक बर्बादी" करार दिया था।

उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री तेलंगाना के छात्र समुदाय से बिना शर्त सार्वजनिक माफी मांगें। उन्होंने मुख्यमंत्री पर जमकर हमला बोलते हुए कहा कि इंजीनियरिंग छात्रों के बारे में उनकी अपमानजनक टिप्पणियां उनके अहंकार को दर्शाती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर राष्ट्र के भावी निर्माताओं की सराहना करने के बजाय उन पर निराधार और बेबुनियाद आरोप लगाकर आदतन अज्ञानता का प्रदर्शन करने का आरोप लगाया।

उन्होंने रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि वे पवित्र शिक्षा प्रणाली पर कलंक लगा रहे हैं और छात्रों को 'अपराधी' करार दे रहे हैं, केवल अपनी प्रशासनिक विफलताओं और फीस वापसी के बकाया भुगतान में अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए। सबिता इंदिरा रेड्डी ने जोर देकर कहा कि किसी भी शासक को तेलंगाना की धरती पर पढ़ने वाले छात्रों का मनोबल गिराने का अधिकार नहीं है, यह वही धरती है जिसने विश्व स्तरीय बुद्धिजीवी और वैज्ञानिक पैदा किए हैं।

अदलूरी ने येल्लमपल्ली जलाशय को भरने का श्रेय कांग्रेस की दूरदर्शिता को दिया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सामाजिक कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण कुमार ने जोर देकर कहा कि श्रीरिपाड़ा येल्लमपल्ली जलाशय में प्रचुर मात्रा में बाढ़ का पानी आना और अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच जाना, कांग्रेस की लगातार सरकारों की वैज्ञानिक योजना और दूरदर्शी सोच का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा वर्षों से प्रचारित किए जा रहे झूठे वृत्तांत को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। शुक्रवार को यहां सीएलपी मीडिया सेंटर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि भारी जल प्रवाह को देखते हुए, श्रीरिपाड़ा येल्लमपल्ली जलाशय अपने पूर्ण जलस्तर पर पहुंच गया है और सरकार मिड मनैर और लोअर मनैर सहित निचले जलाशयों में पानी छोड़ने को विनियमित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दिवंगत डॉ. वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने भविष्य की सिंचाई आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, वैज्ञानिक रूप से नियोजित गुरुत्वाकर्षण-आधारित बाढ़ नहर प्रणाली के साथ श्रीरिपाड़ा येल्लमपल्ली परियोजना की योजना बनाई थी। इस दूरदर्शिता के कारण, बाढ़ का पानी बिना किसी उत्थापन या पंपिंग तंत्र की आवश्यकता के स्वाभाविक रूप से जलाशय में प्रवाहित होता था। उन्होंने मांग की कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव अपने पूर्व दावों का जनता के सामने स्पष्टीकरण दें। कन्नेपल्ली पंप हाउस में मोटरें चालू करने की मांग को लेकर बीआरएस नेताओं द्वारा किए गए आंदोलन का जिक्र करते हुए मंत्री ने कहा कि जलाशय बिना पंपिंग के ही भर गया था, जिससे उनके तर्क निराधार साबित होते हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि "पानी केवल हमारी वजह से पहुंचा" का दावा प्रकृति के नियम से ही गलत साबित हो चुका है। मंत्री ने आगे याद दिलाया कि पूर्व मंत्री हरीश राव ने सार्वजनिक रूप से दावा किया था कि यदि उन्हें मौका दिया जाए तो वे एक महीने के भीतर जल संग्रहण और आपूर्ति कर सकते हैं। हालांकि, वर्तमान स्थिति से यह सिद्ध हो चुका है कि जल संग्रहण और सिंचाई के हस्तक्षेप के बिना ही जलाशय में प्राकृतिक रूप से जल पहुंच गया है।

वर्क वीज़ा और नौकरी के नाम पर 5.05 करोड़ की धोखाधड़ी

इस मामले में छह लोगों पर केस दर्ज किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। इन पर आरोप है कि इन्होंने यूके टियर-2 वर्क वीज़ा और लंदन में नौकरी दिलाने का वादा करके कम से कम 27 नौकरी चाहने वालों से 5.05 करोड़ ठगे।

मुख्य आरोपी मोहम्मद शाहिद, जो लंदन में रहता है, कथित तौर पर हैदराबाद में अपने साथियों के ज़रिए यह रैकेट चलाता था। यह धोखाधड़ी तब सामने आई जब पीड़ितों ने आरोप लगाया कि उन्हें हेल्थकेयर, आईटी और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में नौकरी, साथ ही पक्का वर्क परमिट और वीज़ा प्रोसेसिंग का वादा किया गया था।

शिकायतकर्ता, सैदाबाद के अकाउंटेंट मोहम्मद अयूब की मुलाकात शाहिद से उसके परिचित सैयद गौस के ज़रिए हुई थी। बताया जाता है कि अयूब, उसके भाई मुजतबा और 27 अन्य लोगों ने 2022 से 2025 के बीच शाहिद द्वारा बताए गए बैंक खातों में कुल 5.05 करोड़ ट्रांसफर किए।

नौकरी चाहने वालों का भरोसा जीतने के लिए, शाहिद ने कथित तौर पर अपने हैदराबाद स्थित एजेंटों के ज़रिए तीन लोगों - इलियास पाशा, मोहम्मद रशीद और रज़ियुद्दीन - को लंदन भेजने का इंतज़ाम किया। हालाँकि, उन्हें वादा की गई नौकरी नहीं मिली और कई महीने इंतज़ार करने के बाद वे भारत लौट आए। जब उन्होंने शाहिद से इस बारे में बात की, तो उसने और उसके साथियों - जिनमें अफसा ज़बीन, मोहम्मद नसीरुद्दीन, सादिक मोहम्मद, रिफ़ा तंज़ीन और नसरीन बेगम शामिल थे - ने उन्हें धमकाया। शिकायत के आधार पर, सीसीएस पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

पुराने मेदक ज़िले में बारिश से किसानों की उम्मीदें जगीं

मेदक, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले चार दिनों से हो रही लगातार बारिश ने किसानों, खासकर पुराने मेदक ज़िले के धान किसानों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। पिछले एक हफ़्ते में पुराने मेदक ज़िले में अच्छी-खासी बारिश हुई है। 20 जुलाई तक, तीनों ज़िलों में बारिश की कमी दर्ज की गई थी। हाल की बारिश से तीनों ज़िलों में औसत बारिश में काफी सुधार हुआ है।

छोटे सिंचाई टैंक, धाराएँ और मध्यम सिंचाई परियोजनाएँ जैसे घनपुर एनीकट, पोचारम बांध, मंजीरा बांध, नल्लावागु, कई चेक बांध और अन्य परियोजनाएँ फिर से सक्रिय हो गई हैं। गोदावरी जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के कारण, सिंचाई विभाग ने येल्लमपल्ली से मिड मनेर तक पानी उठाना भी शुरू कर दिया है, जिसे बाद में सिद्दीपेट ज़िले में स्थित कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना के तहत बने चार जलाशयों तक पहुँचाया जाएगा।

आईएमडी द्वारा अगस्त में अच्छी बारिश की भविष्यवाणी के साथ, किसानों ने पुराने मेदक में धान की रोपाई शुरू कर दी है। सिद्दीपेट में किसानों ने आज तक केवल 60,000 एकड़ में धान की रोपाई पूरी की है, जबकि पिछले साल 'वनकलम' (खरीफ) सीज़न में यह रकबा 3.85 लाख एकड़ था।

मेदक ज़िले में, किसानों ने 1.20 लाख एकड़ में धान की रोपाई पूरी की, जबकि पिछले साल यह 30,000 एकड़ थी। संगारेड्डी में, किसानों ने 30,000 एकड़ में धान की खेती पूरी की, जबकि पिछले साल यह 1.57 लाख एकड़ थी। हालाँकि, किसान अगस्त के पहले पखवाड़े में रोपाई की गति बढ़ाने की तैयारी कर रहे थे। भले ही सिंचाई विभाग ने घोषणा की थी कि वे इस साल सिंगुर से सिंचाई के लिए पानी नहीं छोड़ेंगे, लेकिन जिन किसानों के पास बोरवेल थे, वे रोपाई करने की तैयारी कर रहे थे। पुराने मेदक ज़िले में सभी फ़सलों की खेती के लिए कुल 14.80 लाख एकड़ ज़मीन है, जिसमें से किसान अब तक सिर्फ़ 9 लाख एकड़ में ही बुआई कर पाए हैं। संगारेड्डी ज़िले में, जहाँ धान के अलावा दूसरी फ़सलें ज़्यादा उगाई जाती हैं, वहाँ अब तक 6 लाख एकड़ में बुआई पूरी हो चुकी है, जबकि बाकी दो ज़िले, जहाँ धान मुख्य फ़सल है, बुआई में पीछे चल रहे हैं।

काचीगुड़ा स्टेशन पर ड्रोन निगरानी से 9.40 लाख रुपये का गांजा बरामद

ऑपरेशन नारकोस के तहत आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई * डीआरएम ने पिंक पेट्रोल-ड्रोन टीम की सराहना की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) हैदराबाद मंडल की पिंक पेट्रोल-ड्रोन टीम ने ऑपरेशन नारकोस के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन पर 9.40 लाख रुपये से अधिक मूल्य का प्रतिबंधित सामान बरामद कराया। इस उत्कृष्ट कार्रवाई के लिए मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा ने टीम की सराहना की। आरपीएफ हैदराबाद मंडल की पिंक पेट्रोल-ड्रोन टीम ने रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट काचीगुड़ा, आरपीएफ डॉग स्क्वाड, सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) काचीगुड़ा तथा आबकारी विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाया।

अभियान के दौरान ड्रोन के माध्यम से स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों और लावारिस सामान पर लगातार निगरानी रखी गई। इसी दौरान प्लेटफार्म संख्या-2 पर दो संदिग्ध लावारिस बैग दिखाई दिए, जिसकी सूचना तत्काल ग्राउंड टीम को दी गई। ड्रोन से मिली वास्तविक समय की सूचना के आधार पर आरपीएफ, डॉग स्क्वाड और जीआरपी ने मौके पर पहुंचकर क्षेत्र को सुरक्षित किया तथा बैगों की तलाशी ली।

जांच में दोनों बैगों से 16 पैकेटों में 18.189 किलोग्राम सूखा गांजा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत 9,09,450 रुपये बताई गई। काफी देर तक पूछताछ के बावजूद कोई दावेदार सामने नहीं आया। इसके बाद गांजा जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी काचीगुड़ा को सौंप दिया गया। इस संबंध में एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत अपराध संख्या 135/2026 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसी दिन ड्रोन-सहायता प्राप्त डिकॉय निगरानी के दौरान प्लेटफार्म संख्या-2 पर एक लावारिस कार्टन भी मिला। जांच में उसमें पॉल जॉन, अमृत, बैलेन्टाइन्स तथा ब्लैक डॉग ब्रांड की 750 मिलीलीटर क्षमता वाली आठ प्रीमियम शराब की बोतलें बरामद हुईं, जिनकी अनुमानित कीमत 31,160 रुपये है। बरामद शराब की बोतलों को आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग को सौंप दिया गया। इस मामले में तेलंगाना आबकारी अधिनियम, 1968 की धारा 46(बी) के तहत अपराध संख्या 73/2026 दिनांक 30 जुलाई 2026 को दर्ज की गई। वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, हैदराबाद मंडल देबाश्मिता सी. बनर्जी ने कहा कि रेलवे नेटवर्क के माध्यम से मादक पदार्थों, अवैध शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी के प्रति आरपीएफ की शून्य सहिष्णुता की नीति है।

उन्होंने कहा कि पिंक पेट्रोल-ड्रोन टीम, आरपीएफ, डॉग स्क्वाड, जीआरपी और आबकारी विभाग के बीच उत्कृष्ट समन्वय तकनीक आधारित और खुफिया सूचना आधारित पुलिसिंग की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ड्रोन आधारित निगरानी से संदिग्ध गतिविधियों की समय रहते पहचान और त्वरित कार्रवाई संभव हुई है। उन्होंने कहा कि रेलवे परिसरों और ट्रेनों को सुरक्षित एवं अपराधमुक्त बनाने के लिए ऐसे अभियान आगे भी और अधिक प्रभावी ढंग से जारी रहेंगे तथा दोषियों के विरुद्ध संबंधित एजेंसियों के समन्वय से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

42 वर्षों की सेवा के बाद 25 पुलिस अधिकारियों को भावभीनी विदाई

पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्ति लाभ वितरित किए

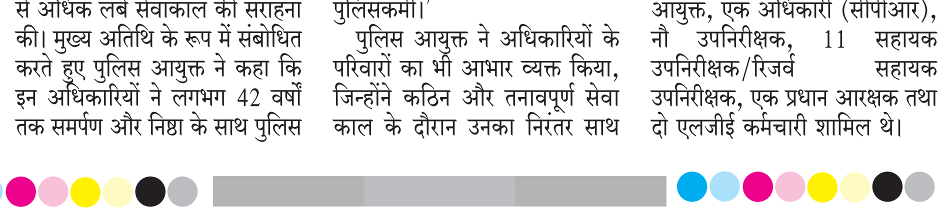

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सिटी पुलिस सहकारी ऋण समिति लिमिटेड की ओर से शुक्रवार को सेवानिवृत्त हुए 25 पुलिस अधिकारियों को भव्य समारोह में सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इस अवसर पर हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार, आईपीएस ने अधिकारियों को सेवानिवृत्ति लाभ वितरित किए और उनके चार दशक से अधिक लंबे सेवाकाल की सराहना की। मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त ने कहा कि इन अधिकारियों ने लगभग 42 वर्षों तक समर्पण और निष्ठा के साथ पुलिस विभाग की सेवा की।

उन्होंने कहा कि साइकिल गश्त के दौर से लेकर आधुनिक इनोवा वाहनों से होने वाली गश्त तक पुलिस व्यवस्था में आए बदलावों के बीच इन अधिकारियों की मेहनत और प्रतिबद्धता ने तेलंगाना पुलिस को देशभर में सम्मानजनक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा, 'एक बार पुलिसकर्मी, हमेशा पुलिसकर्मी।'

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों के परिवारों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने कठिन और तनावपूर्ण सेवा काल के दौरान उनका निरंतर साथ दिया।

उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों को सलाह दी कि वे अपनी जीवनभर की कमाई और सेवानिवृत्ति निधि का निवेश केवल सुरक्षित सरकारी संस्थानों में करें तथा अधिक ब्याज का लालच देकर ठगी करने वाली वित्तीय योजनाओं से सतर्क रहें। समारोह में सेवानिवृत्त होने वाले 25 अधिकारियों में एक सहायक पुलिस आयुक्त, एक अधिकारी (सीपीआर), नौ उपनिरीक्षक, 11 सहायक उपनिरीक्षक/रिजर्व सहायक उपनिरीक्षक, एक प्रधान आरक्षक तथा दो एलजीई कर्मचारी शामिल थे।

हर महिला थाने में बनेगी एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट, डीजीपी विनय कुमार ने दिए निर्देश

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व एंटी ट्रैफिकिंग दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय स्थित सरदार पटेल भवन में आयोजित कार्यक्रम में डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि राज्य के प्रत्येक जिले के महिला थाने में एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने सीआईडी की कमजोर वर्ग इकाई को इस संबंध में विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर भेजने का निर्देश दिया। डीजीपी ने कहा कि प्रत्येक महिला थाने में कम से कम दो विशेष इकाइयां बनाई जानी चाहिए। पहली इकाई मानव तस्करी से जुड़े मामलों पर काम करेगी, जबकि दूसरी इकाई महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की जांच और कार्रवाई की जिम्मेदारी संभालेगी। दोनों इकाइयों का नेतृत्व इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी करेंगे। वहीं महिला थाने की कमान डीएसपी रैंक के अधिकारी के पास होनी चाहिए। डीजीपी ने निर्देश दिया कि यदि कोई गुमशुदा बच्चा तीन महीने तक बरामद नहीं होता है, तो उस मामले को एंटी ट्रैफिकिंग यूनिट को स्थानांतरित कर दिया जाए।

न्यायपालिका के इतिहास का काला दिन

जज ने कोडीन कफ सिरप केस की सुनवाई से खुद को किया अलग

प्रयागराज, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में कोडीन कफ सिरप केस से जुड़ी 74 जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रही सिंगल बेंच के जस्टिस कृष्ण पहल ने खुद को इससे अलग कर लिया है। सुनवाई के दौरान जस्टिस कृष्ण ने बेहद कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश तक पहुंच बनाने का कोई भी प्रयास न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर बड़ा हमला है। उन्होंने इसे न्यायालय के इतिहास का काला दिन करार दिया।

जस्टिस कृष्ण पहल ने सभी मामलों को हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) के सामने नई पीठ के गठन के लिए भेजने का आदेश दिया। यह आदेश उन्होंने भोला प्रसाद की जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान दिया।

दरअसल इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस कृष्ण पहल ने कोडीन कफ सिरप केस में जमानत अर्जी पर आदेश जारी करने से पहले खुद को सुनवाई से अलग कर लिया। कोर्ट ने अन्य पीठ नामित करने के लिए लगभग 80 अर्जियां चीफ जस्टिस को भेज दीं। जानकारी के मुताबिक कोडीन कफ सिरप तस्करी के आरोपी पक्षकार ने जज से संपर्क करने की कोशिश की थी। जिसे कोर्ट ने गंभीरता से लेते हुए कहा कि 'इतिहास का यह काला दिन है'। कोर्ट ने कहा कि न्याय होना ही नहीं, होते हुए दिखना भी चाहिए। बता दें कि जस्टिस कृष्ण पहल की कोर्ट में भोला प्रसाद की जमानत अर्जी की सुनवाई चल रही थी। कोर्ट ने सभी मामलों की सुनवाई पूरी कर ली थी और आदेश बाद में सुनाया जाना था। सुनवाई के बाद पक्षकारों की ओर से कथित तौर पर पीठासीन जज तक सीधे पहुंच बनाने और संपर्क साधने की कोशिश की गई।

न्यायपालिका में जनता का भरोसा होगा कमजोर

कोर्ट ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए कहा कि यह न्यायिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है और अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो न्यायपालिका में जनता का भरोसा कमजोर होगा। अपने आदेश में जस्टिस पहल ने कहा कि यह घटना कोर्ट के इतिहास में एक 'काला दिन' है। उन्होंने कहा कि न्याय होना ही काफी नहीं, बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी जरूरी है।

अब 7 अगस्त को होगी सुनवाई

उन्होंने कहा कि अगर फैसला उसी पक्ष के हक में आता, जिसका पक्ष सुनवाई में मजबूत लग रहा था, तो इससे यह गलत धारणा बन सकती थी कि फैसला बाहरी दबाव में दिया गया। इन हालात को देखते हुए कोर्ट ने खुद को मामले से अलग करने का फैसला लिया और सभी संबंधित लगभग 80 जमानत मामलों को मुख्य न्यायाधीश के पास भेज दिया। ताकि उन्हें किसी उपयुक्त पीठ को सौंपा जा सके। सभी मामलों को अब 7 अगस्त 2026 को सुनवाई होगी।

बिहार जा रही ट्रेन में 32-लीटर शराब मिली, 2 गिरफ्तार

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की क्राइम ब्रांच ने ऑपरेशन 'सतर्क' के तहत लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर शराब की खेप बरामद की है। टीम ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 180 टेट्रा पैक ऑफिसर चॉइस शराब (करीब 32.4 लीटर) बरामद की, जिसकी अनुमानित कीमत 23,400 रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में एक ट्रेन का कोच अटेंडेंट भी शामिल है। जिस ट्रेन में शराब मिली, वह बिहार जा रही थी। आरपीएफ क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर रणजीत यादव और उपनिरीक्षक प्रशांत सिंह यादव के नेतृत्व में टीम ने 30 जुलाई को लखनऊ जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर खड़ी ट्रेन बरौनी-लखनऊ एक्सप्रेस (15203) के एच-1 कोच में जांच अभियान चलाया। संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर दो यात्रियों के बैग की तलाशी ली गई, जिसमें बड़ी मात्रा में शराब बरामद हुई। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी बिहार में लागू शराबबंदी का फायदा उठाकर अवैध रूप से शराब पहुंचाने और उससे मुनाफा कमाने की योजना बना रहे थे। आरपीएफ ने दोनों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया।

पप्पू यादव का राजनीतिक नाटकः संसद में दान मांगते दिखे

पूर्णिया, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने संसद परिसर में आज एक प्रतीकात्मक राजनीतिक नाटक प्रस्तुत किया। यह नाटक अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावा चोरी को लेकर था।

इसका एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पप्पू यादव साधु के भेष में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में श्री राम की एक तस्वीर है और एक दानपेटी भी है। राहुल गांधी समेत कई नेता दानपेटी में पैसा डालते नजर आ रहे हैं और फिर पप्पू यादव दानपेटी को लेकर भागते नजर आये। इसके बाद अन्य नेताओं ने उन्हें चोर-चोर कहकर चिल्लाना शुरू कर दिया है। दरअसल, राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले को लेकर विपक्ष संसद में चर्चा की मांग कर रहा है। इसी को लेकर शुक्रवार को पप्पू यादव ने संसद के बाहर राजनीतिक नाटक पेश किया। इसका एक वीडियो भी वायरल हो रहा है। वीडियों में आप देख सकते हैं कि साधु के भेष में पप्पू यादव एक दानपेटी लेकर बैठे हैं। इसी दौरान वहीं मौजूद अन्य सांसद कुछ न कुछ चंदा दानपेटी में डालते नजर आ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी श्री राम की तस्वीर को पहले प्रणाम करते हैं और फिर दानपेटी में चढ़ावा चढ़ाते हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान अन्य सांसद 'नहीं चलेगी, नहीं चलेगी, चोरी नहीं चलेगी', 'चंदा चोर' और 'दान की चोरी नहीं चलेगी', जैसे नारे लगा रहे हैं। दानपेटी में समाजवादी पार्टी के सांसदों का साथ-साथ अन्य दलों के नेता भी चंदा डालते नजर आ रहे हैं। बाद में दानपेटी को उठाकर पप्पू यादव भागते नजर आ रहे हैं, जबकि कुछ नेता उनसे सांकेतिक तौर पर छीना-झपटी करते नजर आ रहे हैं। मीडिया से बातचीत में पप्पू यादव ने कहा, राम-राम जपियो रे पूरा माल हड़पियो रे। मेरे जीनव में राम हैं।

राम हमारे विचारों, चरित्र और मन में हैं। यूपी के, देश के जीवन में राम हैं। फिर राम और पूरे देश के साथ गद्दारी किया है। राहुल गांधी का चंदा भी चुरा लिया है, लेकिन कांग्रेस और अन्य दलों ने मुझे पकड़ लिया है। गौर हो कि आज मानसून सत्र का दसवां दिन है, लेकिन कार्यवाही शुरू होते ही जमकर हंगामा देखने को मिला। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

33 करोड़ की ठगी का खुलासा, फर्जी बैंक खाते खोलकर साइबर ठगों को बेचने वाले 7 गिरफ्तार

नोएडा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। फैक्ट्री वर्कर समेत बेरोजगारों के कागजातों पर फर्जी फर्म के नाम पर म्यूल बैंक खाते खोलकर कमीशन पर साइबर ठगों को देने वाले और एपीके फाइल भेजकर ठगी करने वाले गिरोह का फेज तीन थाना पुलिस ने पर्दाफाश किया। गढ़ी चौखंडी के एक होटल से महिला समेत सात शातिरों को गिरफ्तार किया। इनसे सात मोबाइल, एक चेकबुक, चार लेटरहेड और एक मोहर बरामद हुई। गिरोह के पांच बैंक खातों के खिलाफ देशभर से 74 शिकायतें दर्ज हैं।

इनमें 33 करोड़ रुपये की रकम खपाई। साइबर व्रज के तहत इन्हीं के इनपुट पर आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़े। इन खातों में डिजिटल अरेस्ट, इन्वेस्टमेंट फ्राड और एपीके फाइल भेजकर होने वाली ठगी की रकम को खपाते। पुलिस म्यूल खाता लेने वाले और एपीके फाइल उपलब्ध कराने वाले सरगना राधे नाम के ठग की तलाश में जुटी है। गिरफ्तार आरोपित बीसीए, डीफार्मा, बीए-बीएससी और इंटरमीडिएट तक पढ़े हैं।

कागजों में मृत महिला पहुंची हाईकोर्ट

बोली मैं जिंदा हूं साहब, मेरा राशन कार्ड बनवा दीजिए

प्रयागराज, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कागजों में मृत घोषित हो चुकी चंदा देवी इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच कर बोली। मैं जिंदा हूं साहब, मेरा राशन कार्ड बनवा दीजिए। महिला की गुहार पर हैरान न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने शुक्रवार को प्रयागराज के डीएम, जिला पूर्ति अधिकारी और प्रतापपुर, हंडिया के वारी के ग्राम प्रधान को स्पष्टीकरण के साथ तलब किया है। कोर्ट ने सुनवाई के वक्त महिला को भी अधिसूचना रहने का निर्देश दिया है। कोर्ट पहुंची महिला ने बताया कि वह प्रतापपुर, हंडिया के वारी गांव की रहने वाली है। पति साधुराम का निधन हो गया है। लेकिन मैं जिंदा हूं। इसके बावजूद सरकारी दस्तावेजों में उसे भी मृत घोषित दर्ज कर दिया गया है। इसके कारण न तो राशन कार्ड बन पा रहा है और न ही उसे सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। महिला ने दावा किया कि कई बार अधिकारियों के चक्कर लगाने के बावजूद उसकी सुनवाई नहीं हुई। मजबूर होकर उसे हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। कोर्ट ने इसे नागरिक के मूल अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला माना। कहा कि यदि कोई जीवित व्यक्ति सरकारी अभिलेखों में मृत दर्ज है तो यह केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक और वैधानिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। कोर्ट ने जिले के आला अधिकारियों को अदालत में पेश होकर यह स्पष्ट करने को कहा कि आखिर जीवित महिला को किन परिस्थितियों में नागरिक आपूर्ति विभाग ने उन्हें मृत दर्ज कर दिया। अगर भूल है तो अब तक इसे सुधारा क्यों नहीं गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि डीएम और डीएसओ यह भी सत्यापित करना होगा कि चंदा देवी वास्तव में साधुराम की विधवा है या नहीं।

चार साल के छात्र की फोड़ी आंख, शिक्षिका पर पेंसिल घोंपने का आरोप

फिरोजाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कोटला रोड स्थित मदर प्राइड इंटरनेशनल स्कूल में सनसनीखेज मामला सामने आया है। विद्यालय में पढ़ने वाले चार वर्षीय छात्रा की आंख फूट गई। पिता ने शिक्षिका पर पेंसिल घोंपकर आंख फोड़ने का आरोप लगाया है। उत्तर थाने में विद्यालय के निदेशक और शिक्षकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पिता की शिकायत पर उत्तर थाना पुलिस ने स्कूल के निदेशक मैनेजर विश्वनाथ शर्मा और दो शिक्षिका काजल व योगेंद्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोटला रोड श्रीराम कालोनी निवासी मनोज कुमार ने दर्ज मुकदमे में कहा है चार वर्षीय छोटा बेटा अनमोल मदर प्राइड इंटरनेशनल स्कूल में एलकेजी का छात्र है। 6 जुलाई को कक्षा में पढ़ाई के दौरान शिक्षिका काजल ने उसकी आंख में पेंसिल घोंप दी, जिससे बच्चे की आंख फूट गई। आरोप है कि मैनेजर विश्वनाथ शर्मा ने भी बच्चे के साथ मारपीट की। स्कूल प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज मांगने पर जान से मारने की धमकी दी।

आईआरसीटीसी घोटाला मामले में लालू परिवार के खिलाफ आरोप तय किए जाने पर 14 अगस्त तक फैसला टला

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नई दिल्ली आईआरसीटीसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने को लेकर फैसला शुक्रवार को फिर टल गया। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट आईआरसीटीसी घोटाला मामले में सुनवाई कर रही है। शुक्रवार को अदालत को लालू परिवार पर आरोप तय करने के संबंध में फैसला देना था। हालांकि, इसे 14 अगस्त तक के लिए टाल दिया गया है। इससे पहले, 16 जून को अदालत ने मामले में 31 जुलाई तक के लिए आरोप तय करने पर टाल दिया था।

इस मामले में लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और तेज प्रताप यादव, बेटी मीसा भारती और हेमा यादव सहित कई अन्य लोग आरोपी हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार, 2004 से 2009 के बीच जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे, तब आईआरसीटीसी के होटलों के संचालन के लिए दिए गए ठेकों में अनियमितताएं की गईं। जांच एजेंसी ने दावा किया कि होटलों के रखरखाव का ठेका तय नियमों और प्रक्रिया का पालन किए बिना राजद प्रमुख के करीबी सहयोगियों से जुड़ी एक निजी कंपनी को दिया गया था। अभियोजन पक्ष का यह भी आरोप है कि इन ठेकों के बदले में लालू प्रसाद यादव के परिवार और उनके सहयोगियों से जुड़ी एक बेनामी कंपनी के माध्यम से करीब तीन एकड़ कीमती जमीन हासिल की गई। हालांकि, लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार ने लगातार इन आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि आईआरसीटीसी होटलों के लिए टेंडर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से दिए गए थे। बता दें कि दिल्ली हाईकोर्ट में भी लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें उसी कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है।

बिहार में फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट के खिलाफ होगी फास्ट कार्रवाई

आईजी-डीआईजी को मिले नए अधिकार

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक, भ्रामक और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली सामग्री के खिलाफ महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर विवादित पोस्ट या वीडियो को हटाने की प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक तेज होगी। इसके लिए गृह विभाग की विशेष शाखा ने नई अधिसूचना जारी कर दी है। नई व्यवस्था के तहत राज्य के विभिन्न पुलिस रेंज के आईजी-डीआईजी को सीधे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को टेकडाउन नोटिस जारी करने का अधिकार दिया गया है।

यानी अब किसी आपत्तिजनक पोस्ट को हटाने के लिए लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इससे कार्रवाई में तेजी आएगी। अब तक किसी आपत्तिजनक पोस्ट या वीडियो की जानकारी मिलने पर संबंधित जिला या रेंज की ओर से प्रस्ताव साइबर अपराध और सुरक्षा इकाई (सीसीएसयू) को भेजा जाता था। इसके बाद सीसीएसयू संबंधित सोशल मीडिया कंपनी को टेकडाउन नोटिस जारी करती थी। इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लग जाता था। कई बार तब तक वह पोस्ट या वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी होती थी। सरकार का मानना है कि अब क्षेत्रीय स्तर पर ही आईजी-डीआईजी कार्रवाई कर सकेंगे।

इससे अफवाह फैलाने वाले पोस्ट, भड़काऊ कंटेंट और कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वाली सामग्री को कम समय में हटाया जा सकेगा। संवेदनशील मामलों में प्रशासन की प्रतिक्रिया भी पहले से अधिक तेज होगी। गृह विभाग ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और आईटी नियम, 2021 के तहत राज्य के कई पुलिस रेंज के आईजी-डीआईजी को यह अधिकार दिया है। इनमें मगध, तिरहुत, मिथिला, पूर्णिया, सारण, शाहाबाद, चंपारण, कोसी, बेगूसराय, मुंगेर, भागलपुर, रेल और कार्मिक रेंज शामिल हैं।

क्या है बेगूसराय बालिका गृह मामला और पटना से मंत्री को क्यों पहुंचना पड़ा?

बेगूसराय, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय जिले के बालिका गृह मामले में अब सरकार भी सीधे एक्शन में आ गई है। रतनपुर थाना क्षेत्र स्थित बालिका गृह से एक साथ पांच बालिकाओं के फरार होने के बाद समाज कल्याण मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता अचानक बेगूसराय पहुंचीं।

उन्होंने बालिका गृह का निरीक्षण किया, अधिकारियों से पूरी जानकारी ली और बच्चियों से अलग-अलग बातचीत की। बताया जा रहा है कि गायब हुई पांच में से तीन बालिकाएं बरामद हो चुकी हैं, जबकि दो की तलाश जारी है। इस बीच बालिका गृह में प्रताड़ना की शिकायतों ने मामले को और गंभीर बना दिया है। बता दें कि बेगूसराय के रतनपुर थाना क्षेत्र में स्थित बालिका गृह से हाल ही में पांच बालिकाओं के एक साथ फरार होने की घटना सामने आई थी। एक साथ इतनी संख्या में बच्चियों के गायब होने की खबर मिलते ही प्रशासन और पुलिस हरकत में आ गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए बच्चियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस की कार्रवाई में अब तक तीन बालिकाओं को सुरक्षित बरामद किया जा चुका है, जबकि दो अन्य की तलाश अभी जारी है। मंत्री डॉ. श्वेता गुप्ता ने निरीक्षण के दौरान बरामद बालिकाओं से भी बातचीत की। मंत्री के अनुसार, पूछताछ में बालिकाओं ने बताया कि वे खिड़की की ग्रिल तोड़कर बालिका गृह से बाहर निकली थीं। इस जानकारी के बाद बालिका गृह की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। विभाग अब यह पता लगाने में जुटा है कि आखिर इतनी आसानी से पांच बच्चियां बाहर कैसे निकल गईं और उस समय सुरक्षा में कौन-कौन लोग तैनात थे। दरअसल, बालिकाओं के फरार होने के बाद यह आरोप भी सामने आया था कि बालिका गृह में उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। इस बारे में पूछे जाने पर समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि उन्हें भी ऐसी शिकायतों की जानकारी मिली है। मंत्री ने बताया कि उन्होंने बालिकाओं से अलग-अलग बातचीत की है और निरीक्षण के दौरान सामने आए तथ्यों को विभागीय रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है।

खोदाई हुई तो मिल सकता है 2,000 साल पुराना नगर, प्राचीन नगरीय संरचना के अवशेष मिले

रायबरेली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रायबरेली जिले के हरचंदपुर क्षेत्र में स्थित ओई भीट गांव में कथित सुरंग मिलने की चर्चा के बीच पुरातत्व विभाग की प्रारंभिक जांच ने इस मामले को नया मोड़ दे दिया है। विभाग की टीम का कहना है कि यहां सुरंग होने के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं, बल्कि जो प्राचीन अवशेष सामने आए हैं, वे करीब 2000 वर्ष पुराने कुषाणकाल की एक नगरीय संरचना की ओर संकेत करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और राज्य सरकार वैज्ञानिक तरीके से विस्तृत सर्वेक्षण और खोदाई कराएं, तो यहां एक प्राचीन ऐतिहासिक नगर के प्रमाण मिल सकते हैं। करीब एक सप्ताह पहले हुई तेज बारिश के बाद गांव के किसान सुशील मौर्या के खेत में गड्ढा हो गया था। सुशील जब मौके पर पहुंचे तो उन्हें गड्ढे में पक्की ईंटों से बनी दीवार दिखाई दी।

इसकी सूचना लगते ही स्थानीय लोगों ने इसे सुरंग मान लिया। बुधवार को लखनऊ से पहुंची पुरातत्व विभाग की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज कुमार यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यहां से मिट्टी के बर्तन तथा अन्य प्राचीन अवशेष मिले हैं, जो लगभग दो हजार वर्ष पुराने यानी कुषाणकाल के प्रतीत होते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये अवशेष किसी सुरंग के नहीं हैं।

जिनके पतियों के नाम का कभी यूपी में चलता था सिक्का

आज उनकी पत्नियों को क्यों ढूंढती फिर रही पुलिस

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस चार महिलाओं को कई सालों से ढूंढ रही है, लेकिन ये हाथ ही नहीं लग रहीं। पता नहीं धरती निगल गई या आसमान खा गया। ये चारों महिलाएं प्रदेश के चर्चित माफिया रहे मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और अशरफ से जुड़ी हैं और अलग-अलग मामलों में वांछित हैं। सबसे पहले बात करते हैं मुख्तार अंसारी की पत्नी अफशां अंसारी। उसके खिलाफ हथियार के लाइसेंस को लेकर एक नया मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं, अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, उसके भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा की तलाश भी जारी है। मुख्तार अंसारी की मार्च 2024 में बांदा जेल में मौत हो गई थी।

इसके बाद से अफशां अंसारी लगातार फरार है। पुलिस का कहना है कि वह उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है और उन्हें आत्मसमर्पण कराने की भी कोशिश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक नया मामला अफशां अंसारी के नाम पर जारी शस्त्र लाइसेंस से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि उनके नाम से एक रिवॉल्वर खरीदी गई थी, जिसे बाद में बेच दिया गया और फिर दूसरा हथियार लिया गया, लेकिन खरीद-बिक्री से जुड़े जरूरी दस्तावेज गाजीपुर जिलाधिकारी कार्यालय के रिकॉर्ड से गायब मिले। पुलिस को शक है कि इन रिकॉर्ड को जानबूझकर हटाया गया ताकि हथियार का इस्तेमाल अंसारी गैंग के सदस्य करते रहें और जांच एजेंसियों को इसकी जानकारी न मिल सके। अब तक वह रिवॉल्वर भी बरामद नहीं हो सकी है। इस मामले में अफशां अंसारी के अलावा गाजीपुर डीएम कार्यालय में रिकॉर्ड सहायक रहे नारायण राम और भीष्म सिंह यादव को भी आरोपी बनाया गया है। नारायण राम की मृत्यु हो चुकी है।

आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराएं भी लगाई गई हैं। मुख्तार अंसारी की पत्नी के अलावा अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन, उसके भाई अशरफ की पत्नी जैनब फातिमा और दोनों भाईयों की बड़ी बहन आयशा नूरी भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इन तीनों पर फरवरी 2023 में प्रयागराज में हुए चर्चित उमेश पाल हत्याकांड की साजिश में शामिल होने का आरोप है। इस हमले में वकील उमेश पाल और उनके दो सरकारी गनर संदीप निषाद तथा राघवेंद्र सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हमलावरों ने फायरिंग के साथ देसी बमों का भी इस्तेमाल किया था।

पुलिस का कहना है कि अदालत से भगोड़ा घोषित किए जाने के बाद भी ये तीनों महिलाएं पेश नहीं हुईं। इस कारण इनके खिलाफ अलग से मुकदमे भी दर्ज किए गए हैं।

रिश्तों का कत्ल जमीन विवाद में कलयुगी बेटे ने मां की डंडे से पीटकर की हत्या

पन्ना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पन्ना जिले के पवई थाना क्षेत्र में जमीन के विवाद ने एक बेटे को इस हद तक अंधा बना दिया कि उसने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी ने वारदात में इस्तेमाल किया गया डंडा एक सूखे कुएं में फेंक दिया। हालांकि, पवई पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया। थाना पवई क्षेत्र के ग्राम कमता निवासी शंकरदयाल पांडे ने 29 जुलाई की दोपहर करीब 12 बजे पुलिस को सूचना दी कि उनके बेटे रामदयाल पांडे (26) ने जमीनी विवाद के चलते अपनी मां शीला पांडे (42) पर डंडे से हमला कर दिया। लगातार किए गए हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई और परिजनों सहित ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार अहिरवार के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। आरोपी रामदयाल पांडे को ग्राम कमता से ही हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

कावेरी के पानी पर तमिलनाडु-कर्नाटक के बीच विवाद
सीएम की चुप्पी पर स्टालिन ने कसा तंज

चेन्नई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी पार्टी डीएमके ने कावेरी नदी पर बन रहे विवादास्पद मेकेदातु बांध को लेकर थलापति विजय की चुप्पी की आलोचना की है। स्टालिन की पार्टी ने मांग की है कि राज्य सरकार कर्नाटक के साथ कावेरी नदी के जल के बंटवारे पर राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाए। डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने बताया कि डीएमके इस मुद्दे पर 3 अगस्त को तंजावुर में विरोध प्रदर्शन करेगी। उन्होंने आगे बताया कि इस प्रदर्शन का नेतृत्व राज्य के विपक्ष के नेता और उनके बेटे उदयनिधि स्टालिन करेंगे।

विरोध प्रदर्शन में किसानों की कई मांगें उठाई जाएंगी, जिनमें नदी के पानी में उचित हिस्सेदारी भी शामिल है। मेकेदातु बांध पर तमिलनाडु के लोगों के अधिकारों के लिए दबाव बनाने में सत्तारूढ़ टीवीके की 'सुस्ती' की निंदा करते हुए स्टालिन ने कहा कि डीएमके '3 अगस्त को सुबह 10 बजे तंजावुर में एक विशाल विरोध प्रदर्शन करेगी।' इसी दिन सीएम थलापति विजय और कर्नाटक के सीएम डीके शिवकुमार के बीच मीटिंग प्रस्तावित है। स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु में सरकार परिवर्तन के बाद से ही कर्नाटक सरकार मेकेदातु बांध के निर्माण को सक्रिय रूप से आगे बढ़ा रही है। 11 जून को कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और मेकेदातु बांध के लिए वित्तीय सहायता हेतु एक ज्ञापन सौंपा। ठीक अगले दिन उन्होंने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री (राज भूषण चौधरी) से परियोजना की मंजूरी मांगी।'

पूर्व सीएम ने बताया कि 27 जुलाई को चौधरी ने राज्यसभा में कहा था कि मेकेदातु में कावेरी नदी पर बांध बनाने के लिए तमिलनाडु जैसे निचले तटीय राज्यों की मंजूरी की आवश्यकता नहीं है। स्टालिन ने यह भी बताया कि उसी दिन कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा कि वे बांध का निर्माण कार्य आगे बढ़ाएंगे और इसके लिए तमिलनाडु सरकार की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने मेकेदातु मुद्दे पर विजय की चुप्पी पर सवाल उठाया। स्टालिन ने कहा, 'कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा कावेरी के पानी में हमारे उचित हिस्से को छोड़ने का आदेश दिए जाने के बावजूद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे लागू नहीं किया जा सकता है और विजय ने अभी तक इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।'

भिवंडी में चार मंजिला इमारत गिरने से 8 लोगों की मौत, बचाव अभियान जारी

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। एनडीआरएफ के अनुसार, महाराष्ट्र के भिवंडी में एक चार मंजिला इमारत गिर गई, जिसमें 8 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों को आशंका है कि मलबे के नीचे अभी भी दो से तीन लोग फंसे हो सकते हैं। घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। इमारत रात अचानक से गिर गई। खतरा भांपकर वहां काम कर रहे कई मजदूरों ने इमारत खाली कर दी थी। बताया जा रहा है कि उस समय इमारत में मरम्मत का काम चल रहा था, जिससे माना जा रहा है कि गिरने के समय अंदर लोगों की संख्या कम थी। घटना में बचे दीपक कुमार यादव ने आईएएनएस को बताया, पास की एक इमारत के खंभों पर मरम्मत का काम चल रहा था।

रात के खाने के बाद हम सो गए थे, तभी अचानक हमें इमारत गिरने की जोरदार आवाज सुनाई दी। जब हम बाहर भागे, तो हर तरफ अफरा-तफरी मची हुई थी। अपनी जान बचाने के लिए मैं पहली मंजिल से कूद गया। हादसे के बाद अपने पति की तलाश कर रही स्थानीय निवासी नेहा सिंह ने कहा, वे यह कहकर नीचे गए थे कि उन्हें कुछ चेक करना है। उनके नीचे जाने के ठीक 10 मिनट बाद ही इमारत गिर गई। यह घटना रात करीब 11:30 बजे हुई। वहां कुछ काम चल रहा था। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए, मैं ऊपर ही रुकी हुई थी। मेरे पति रंजीत सिंह हादसे के बाद से लापता हैं। उनका फोन बज रहा है, लेकिन वह जवाब नहीं दे रहे हैं। एक अन्य पीड़िता संगीता प्रजापति ने कहा, मैं पार्किंग एरिया में खड़ी थी, तभी मुझे इमारत के चटकने की आवाज सुनाई दी।

मैंने भागने की कोशिश की, लेकिन भागते समय ही इमारत गिर गई। इस घटना में मुझे चोटें आईं। अभय कुमार यादव ने बताया, हम रात के खाने के बाद अपने कमरे में थे, तभी हमें जोर की आवाज सुनाई दी। हमने तुरंत बाहर भागने की कोशिश की, लेकिन बाहर निकलने का कोई साफ रास्ता नहीं था, इसलिए मैं पहली मंजिल से कूद गया। इससे मेरे पैर में फ्रैक्चर हो गया। बाद में कुछ स्थानीय लोग सीढ़ी लेकर आए और बाकी लोग सुरक्षित नीचे उतर पाए। उस समय इमारत के अंदर लगभग 25 से 30 लोग थे। इमारत में करीब 45 कमरे हैं।

बाबा रामदेव पर टिप्पणी से जुड़े 14 साल पुराने मानहानि मामले में दिग्विजय सिंह बरी

वैशाली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली जिले की एक अदालत ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को बाबा रामदेव के खिलाफ कथित टिप्पणी से जुड़े 14 साल पुराने मानहानि मामले में बरी कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि एडिशनल चीफ़ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट अभिमन्यु कुमार ने अंतिम सुनवाई के बाद यह फ़ैसला सुनाया। सिंह के वकील युवराज सुनील सिंह के अनुसार, कांग्रेस नेता वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के ज़रिए कार्यवाही में शामिल हुए। भारतीय दंड संहिता की धारा 504 के तहत दर्ज यह मामला 2012 में हाजीपुर के तत्कालीन बीजेपी नेता अजीत कुमार सिंह ने दायर किया था।

शिकायतकर्ता का आरोप था कि दिग्विजय सिंह ने बाबा रामदेव के ख़िलाफ़ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। यह टिप्पणी कथित तौर पर दिल्ली के रामलीला मैदान में भ्रष्टाचार विरोधी भूख हड़ताल कर रहे बाबा रामदेव को दिल्ली पुलिस द्वारा आधी रात को हटाए जाने के बाद की गई थी। वकील ने बताया कि दिग्विजय सिंह ने सांसद रहते हुए, लगभग 12 साल पहले इस मामले में अपना बयान दर्ज कराने के लिए हाजीपुर सिविल कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेशी दी थी।

सौतेली मां ने बेटे से कराया नाबालिग के साथ दुष्कर्म
महिला आयोग अध्यक्ष बोलीं-बख्शे नहीं जाएंगे आरोपी

पानीपत, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पानीपत के तहसील कैंप क्षेत्र में 12 वर्ष की बच्ची के साथ उसकी सौतेली मां और भाई द्वारा की गई गंभीर मारपीट व प्रताड़ना का मामला सामने आया है। आरोप है कि सौतेले भाई से मां ने दुष्कर्म कराया है। हरियाणा राज्य महिला आयोग ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया है। महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने वीडियो संदेश जारी कर इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, पानीपत में एक 12 वर्षीय बच्ची के साथ उसकी सौतेली मां और सौतेले भाई द्वारा अमानवीय व्यवहार और गंभीर मारपीट का मामला सामने आया है। सामाजिक संगठनों व बाल कल्याण समितियों ने इस पर त्वरित कार्रवाई की मांग की। हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष उषा प्रियदर्शी ने कहा कि पानीपत में 12 साल की छोटी बच्ची के साथ उसकी सौतेली मां और उसके बेटे द्वारा जो बर्बरता और मारपीट की गई है, वह अत्यंत दुखद और निंदनीय है। इस मामले में पुलिस प्रशासन को तुरंत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग पीड़ित बच्ची के साथ खड़ा है और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

वीआईपी कोटे का काला कारोबार छह आरोपियों ने कैसे की धांधली?

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मुंबई का एक कपड़ा व्यापारी पिछले तीन-चार साल से पूरे देश में वीवीआईपी कोटे से रेल टिकट कन्फर्म कराने का बड़ा रैकेट चला रहा था। उसके अंडर करीब 200 एजेंट काम कर रहे थे, जो अलग-अलग राज्यों से यात्रियों के आवेदन जुटाकर भेजते थे। जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क के जरिए राज्यपाल के एडीसी (एड-डी-कैंप), मंत्रियों, वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों और अन्य बड़े पदाधिकारियों के फर्जी लेटरहेड तैयार कर अब तक 400 से ज्यादा रेल टिकट वीवीआईपी कोटे से कन्फर्म कराए गए। मुंबई के मालाबार हिल पुलिस ने इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश करते हुए कपड़ा व्यापारी समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, इस गिरोह का मास्टरमाइंड अमरीश ईश्वरलाल ठक्कर (41) है। वह दादर में थोक कपड़े का कारोबार करता था, लेकिन जल्दी और ज्यादा कमाई के लालच में उसने वीवीआईपी कोटे से टिकट कन्फर्म कराने का अवैध कारोबार शुरू कर दिया। जांच में पता चला कि उसका नेटवर्क केवल मुंबई तक सीमित नहीं था, बल्कि गुजरात और उत्तर प्रदेश तक फैला हुआ था।

उसके अधीन करीब 200 एजेंट और सब-एजेंट काम करते थे, जो जरूरतमंद यात्रियों से मोटी रकम लेकर टिकट कन्फर्म कराने का दावा करते थे। इस पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ, जब मुंबई में लोक भवन के अधिकारियों से भारतीय रेलवे ने संपर्क किया। रेलवे ने बताया कि वीवीआईपी कोटे से टिकट कन्फर्म कराने के लिए कुछ आवेदन आए हैं, जिन पर राज्यपाल के एडीसी (एड-डी-कैंप) के हस्ताक्षर और मुहर लगी हुई है।

5000 करोड़ का घोटाला
दो कंपनियों पर लगे आरोप, ऐसे चल रहा था पूरा खेल, 10 लोगों पर केस

गाजियाबाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कवि नगर थाने में वैदिक आयुरक्योर कंपनी और एक्सिस ई-कॉर्पोरेशन के खिलाफ पांच हजार करोड़ रुपये के बड़े घोटाले का मामला दर्ज किया गया है। अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा की शिकायत पर दस लोगों को नामजद किया गया है। इन पर लोगों को निवेश के नाम पर ठगने का आरोप है। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि अधिवक्ता महेश कुमार वर्मा के मुताबिक कंपनियों ने नौ हजार रुपये की आईडी पर प्रतिमाह 1100 रुपये और घरेलू सामान पर 33 फीसदी छूट का वादा किया था। शुरुआत में निवेशकों को लाभ मिला, जिससे उनका विश्वास बढ़ा।

पंकज सोनी सेठ ने गाजियाबाद में कई बैठकें आयोजित की थी

कंपनियों ने विश्वास जमाने के लिए ग्रोसरी की दुकानें भी खोलीं। निवेशकों से ग्रोसरी स्टोर के नाम पर लाखों रुपये के समझौते किए गए। बाद में कंपनियां धीरे-धीरे गायब हो गईं और निवेशकों का पैसा हड़प लिया। महेश वर्मा का आरोप है कि कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फैजान खान दुबई भाग गए हैं। वह व्हाट्सएप के माध्यम से वीडियो भेजकर निवेशकों को पैसे वापस मिलने का आश्वासन दे रहा है। हालांकि कंपनी ने अपना ऑनलाइन सिस्टम भी बंद कर दिया है। फैजान खान सहित कुल दस लोगों को इस धोखाधड़ी का मुख्य षड्यंत्रकर्ता बताया गया है। इनके खिलाफ भारत के कई जिलों में भी एफआईआर दर्ज हैं। शिकायतकर्ता महेश कुमार वर्मा ने स्वयं 6.50 लाख रुपये का निवेश किया था।

उनके अलावा, हरिश हितैषी ने दो लाख रुपये और मांगेराम ने तीन लाख रुपये का निवेश किया। संजय एलआईसी पिलखुवा और उनके स्टाफ ने करीब 36 लाख रुपये लगाए। आनंद राणा की टीम ने लगभग एक करोड़ रुपये का निवेश किया। गाजियाबाद जिले के सैकड़ों लोगों ने इन कंपनियों में करोड़ों रुपये का निवेश किया था। उपनिरीक्षक हरिओम को मामले की जांच सौंपी गई है।

बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन पहुंचीं कोलकाता
'सिटी ऑफ जॉय' में आज सुनाएंगी कविताएं

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के बाद बांग्लादेशी लेखिका तस्लीमा नसरीन 'सिटी ऑफ जॉय' यानी कोलकाता पहुंची हैं। तस्लीमा नसरीन कोलकाता के रवींद्र सदन में 1 अगस्त को होने वाले कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंची हैं। बांग्लादेश से सालों के निर्वासन के बाद नसरीन 2004 और 2007 के बीच कोलकाता में रहीं। बांग्लादेश में धर्म, महिलाओं के अधिकारों और धर्मनिरपेक्षता पर उनकी लेखनी के कारण उन्हें धमकियां मिल रही थीं, जिससे वहां उनका रहना नामुमकिन हो गया था। इसके बाद उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था। तस्लीमा नसरीन ने कोलकाता पहुंचने पर कहा कि यह उनके लिए घरवापसी जैसा है। वह 1 अगस्त को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के साथ मंच साझा करेंगी। तस्लीमा नसरीन ने कहा कि खुशी और दर्द दोनों के साथ मैं कोलकाता लौटी हूं। तस्लीमा 1 अगस्त को सीएम शुभेंदु अधिकारी के अलावा लेखक शीर्षेंदु मुखोपाध्याय के साथ मंच साझा करेंगी। वह 2007 के बाद पहली बार कोलकाता में सार्वजनिक तौर पर दिखाई देंगी। 2003 में उनकी किताब द्विखंडित पर बंगाल सरकार ने पाबंदी लगा दी थी।

उन पर तब मुस्लिम समुदाय की भावनाएं आहत करने का आरोप लगा था। नसरीन ने कहा कि कोलकाता सिर्फ एक जगह नहीं थी जहां वह रहती थीं, बल्कि एक ऐसा शहर था जिसने उन्हें अपनेपन का एहसास दिलाया, और इतने सालों तक दूर रहने के बाद भी पश्चिम बंगाल के साथ उनका रिश्ता कमजोर नहीं हुआ। तस्लीमा ने कहा कि मैं खुशी के साथ लौट रही हूं, लेकिन दर्द के साथ भी। कोलकाता सिर्फ एक शहर नहीं था जहां मैं रहती थी। यह वह जगह थी जहां मेरा एक घर, दोस्त, पढ़ने वाले और अपनेपन का एहसास था। मुझसे लगभग उन्नीस साल छीन लिए गए, और कोई भी घर वापसी उन सालों को वापस नहीं ला सकती। मैं एक अजनबी या मेहमान के तौर पर नहीं लौट रही हूं।

न ताला, न शटर टूटा बंद दुकान से गायब हो गए 10 लाख के गहने, सीसीटीवी देखा तो चूहा निकला चोर

तुमकुरु, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुरु शहर से एक बेहद अनोखी और हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यहां के कॉल टैक्स रोड पर स्थित विश्वास ज्वेलरी शॉप से रातों-रात 10 लाख रुपये मूल्य के सोने और हीरे के आभूषण गायब हो गए। चोरी का तरीका इतना अजीब था कि शुरुआत में सारा शक दुकान के स्टाफ पर जा रहा था, लेकिन जब सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की गई तो असली 'चोर' को देखकर मालिक और कर्मचारियों के होश उड़ गए। रोज की तरह जब सुबह दुकान में गहनों का मिलान किया जा रहा था, तो शोकेस से हीरे जड़ी 10 सोने की अंगूठियां और दो-तीन सोने की चेन गायब थीं। गायब हुए गहनों का वजन 50 ग्राम से ज्यादा था, जिनकी बाजार में कीमत करीब 10 लाख रुपये थी। चोरी की खबर मिलते ही दुकान के मालिक विश्वास को सूचित किया गया।

स्टाफ इतना डरा हुआ था कि उन्होंने तीन-तीन बार गिनती की, लेकिन गहने अपनी जगह पर नहीं थे। चोरी के तरीके ने मालिक को सोचने पर मजबूर कर दिया। गहनों के साथ-साथ उन पर लगे कागज के प्राइस टैग भी नदारद थे। दुकान की कुछ ट्रे में सिर्फ कटे हुए धागे पड़े मिले। दुकान के मालिक ने दिमाग लगाया कि कोई भी शातिर चोर सोना-हीरा तो ले जाएगा, लेकिन कागज के टैग और धागे क्यों चुराएगा। इसी बारीक सुराग से साफ हो गया कि यह किसी इंसान का काम नहीं है। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पूरा मामला शीशे की तरह साफ हो गया। रात को सीसीटीवी फुटेज में सुबह ठीक साढ़े चार बजे एक चूहा मजे से सोने की अंगूठी मुंह में दबाकर ले जाता हुआ साफ दिखाई दिया।

दरअसल, गहनों पर खुशबूदार धागों वाले टैग लगे हुए थे। इन्हीं धागों को चबाने के लालच में 3-4 चूहों की टोली ने पूरे प्लानिंग के साथ काम किया और आभूषणों को घसीटकर अपने साथ ले गए। चूहों का सुराग मिलते ही राहत कार्य शुरू किया गया। चूहों के रास्ते को ट्रैक करते हुए स्टाफ लकड़ी के उस बड़े शोकेस तक पहुंचा, जहां चूहों ने अपना बिल बना रखा था। पुलिस को बुलाने के बजाय फौरन एक कारपेंटर (बढ़ई) को बुलाया गया। शोकेस की लकड़ी को कटवाकर खुदाई कराई गई, जहाँ से पूरा का पूरा 10 लाख रुपये का माल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। चूहों ने सिर्फ अपने काम के टैग चबाए थे, जबकि गहने सही-सलामत मिल गए।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत: अब सहा नहीं जाता। मनहूस हूं, सॉरी मम्मा, टूटती उम्मीदों की आखिरी गवाही देते शब्द

ऋषिकेश, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पौड़ी गढ़वाल के श्रीकोट निवासी सीमा कंडारी ने कोतवाली डोईवाला में दी तहरीर में बताया कि उनकी बेटी सृष्टि कंडारी की शादी नवंबर 2025 में हर्रावाला निवासी सौरभ खत्री से हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उनकी बेटी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। आरोप लगाया कि सृष्टि को कभी दहेज की मांग को लेकर तो कभी अपशकुन और मनहूस कहकर परेशान किया जाता था। ससुराल में होने वाली किसी भी अनहोनी के लिए उसे जिम्मेदार ठहराया जाता था। मृतका की मां ने आरोप लगाया कि 29 जुलाई को उनकी बेटी की हत्या कर दी गई। उन्होंने पति सौरभ खत्री, सास परवीना देवी, ननद चारू और अन्य परिजनों की संलिप्तता का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी निरीक्षक राकेश गुसाईं ने बताया कि मृतका की मां की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले में जांच की जा रही है। घटनास्थल पर पहुंच गई थी। फिलहाल पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। ऋषिकेश। मन बहुत अजीब सा हो गया है। 6 महीने से सह रही हूं। अब और सहा नहीं जाता। मनहूस हूं। सॉरी मम्मा। ये महज कुछ शब्द नहीं हैं, बल्कि एक बेटी की टूटती हुई उम्मीदों की आखिरी गवाही है।

'जानबूझकर अपराध करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा
नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन पर बोले दिलीप घोष

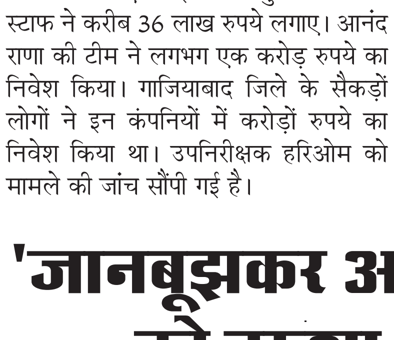

कोलकाता, 31 जुलाई (एजेंसियां)। नीट समेत विभिन्न पेपर लीक के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करने की मांग लगातार जारी है। कई जगहों पर छात्रों पर दर्ज एफआईआर को वापस ले लिया गया है। इस बीच पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री दिलीप घोष ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने शुक्रवार को मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि अगर कोई जानबूझकर अपराध करता है तो कानून अपना काम करेगा। दिलीप घोष ने कहा, सरकार पहले ही घोषणा कर चुकी है और कोर्ट ने भी कहा है कि 18 साल से कम उम्र के लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन अगर कोई जानबूझकर अपराध करता है तो कानून अपना काम करेगा। सरकार ने बार-बार कहा है कि छात्रों का हित सबसे ऊपर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद शांति की अपील की और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा सहित वरिष्ठ नेताओं ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कई दौर की बातचीत की। हालांकि, जिन लोगों ने सार्वजनिक संपत्ति में तोड़फोड़ की और पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर मंत्री दिलीप घोष ने कहा, जो लोग यह मुद्दा उठा रहे हैं, वे वही लोग हैं जिनकी सरकारों के दौरान पेपर लीक हुए थे। कांग्रेस सरकार के दौरान, राज्यों और केंद्र दोनों में, कई बार पेपर लीक हुए। फिर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा क्यों मांगा गया? पश्चिम बंगाल में कितनी बार पेपर लीक हुए हैं? क्या कोई जांच या विरोध प्रदर्शन हुआ? अब प्रदेश में भाजपा की सरकार है।

अगर जरूरत पड़ी तो हम जांच करेंगे और सब कुछ सामने लाएंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा, पंजाब में, जहां अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री भगवंत मान के जरिए सरकार चलाते हैं, वहां तीन बार प्रश्न पत्र लीक हुए, लेकिन कोई इस बारे में बात नहीं करता। जिन लोगों ने सबसे ज्यादा हंगामा किया, वे अब भावुक बयान दे रहे हैं। सभी को जवाबदेह ठहराया जा रहा है।

पत्नी ने पति संग जाने से किया इंकार, देसी कट्टा लेकर ससुराल पहुंचा शख्स, चाचा ससुर पर किया फायर

ग्वालियर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में पत्नी ने शराबी पति के साथ रहने से इंकार कर दिया तो गुस्साया पति देसी कट्टा लेकर ससुराल पहुंचा और छत पर चढ़कर ससुराल पक्ष के लोगों से जमकर गाली गलौंच की। ये पारिवारिक विवाद अचानक से हिंसा में बदल गया और मौके पर पुलिस को आना पड़ा। इतना ही नहीं दहशत फैलाने के लिए शख्स ने अपने चचिया ससुर पर फायर कर दिया। घटना में चचिया ससुर की जान बाल-बाल बची। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की। करीबन ढाई से तीन घंटे की मशक्कत के बाद पुलिस ने पहले आरोपी का भरोसा जीता। बाद में कट्टा छीनकर हिरासत में ले लिया। यह मामला ग्वालियर के तिघरा थाना अंतर्गत ग्राम सौजना का है।

यहां रहने वाले अरविंद गुर्जर ने पुलिस को बताया है कि वह पेशे से किसान है और उसके भाई सुरेन्द्र सिंह गुर्जर का देहांत हो चुका है। उन्होंने भतीजी रोमा की शादी पुरानी छावनी निवासी जोगेंद्र सिंह राणा गुर्जर के साथ की थी। रोमा के दो बच्चे हैं। जोगेंद्र शराबी प्रवृति का है और पत्नी से आए दिन शराब के नशे में मारपीट किया करता है। पति की प्रताड़ना से तंग आकर पत्नी बच्चों के साथ मायके में रह रही है।

कांग्रेस की जनहित योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें लूट का माध्यम बनाया गया : सैलजा

चंडीगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने अंबाला में डॉ. भीमराव अंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना में सामने आए कथित 17.03 करोड़ रुपये के घोटाले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि भाजपा सरकार के शासन में गरीब, दलित और वंचित वर्ग के लिए बनाई गई योजनाएं भी भ्रष्टाचार से अछूती नहीं रहीं।

यह सरकार विकास और सुशासन के केवल जुमले देती है, जबकि धरातल पर भ्रष्टाचार को संरक्षण मिलता दिखाई देता है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिन योजनाओं का उद्देश्य गरीबों को सम्मानजनक जीवन देना था, उन्हें भाजपा सरकार ने नाम बदलकर अपने खाते में डालने का प्रयास किया, लेकिन उन योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में पूरी तरह विफल रही।

उन्होंने कहा कि अंबाला में सामने आया मामला यह दर्शाता है कि गरीबों के लिए निर्धारित सहायता राशि तक में कथित रूप से बिचौलियों और भ्रष्ट तंत्र ने सेंध लगा दी। सांसद ने कहा कि कांग्रेस सरकारों ने देश के समग्र विकास के लिए अनेक दूरदर्शी योजनाएं शुरू की थीं। भाजपा ने उन योजनाओं के नाम बदलकर उन्हें अपनी उपलब्धि बताने का प्रयास किया, लेकिन उनका परिणाम जनता के सामने है। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीकरण मिशन (जे एन एन यू आर एम) जैसी शहरी विकास की अवधारणा को बदलकर स्मार्ट सिटी मिशन का प्रचार किया गया, करोड़ों रुपये खर्च किए गए, देश के 100 शहरों को स्मार्ट बनाने के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन आज भी अधिकांश शहर ट्रैफिक, जलभराव, टूटी सड़कों, गंदगी और अव्यवस्थित बुनियादी सुविधाओं से जूझ रहे हैं।

जनता पूछ रही है कि आखिर स्मार्ट सिटी का वादा कहां पूरा हुआ? कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में शायद ही कोई ऐसा विभाग बचा हो जहां भ्रष्टाचार के आरोप न लगे हों। गरीबों के आवास, किसानों, युवाओं, कर्मचारियों और आम नागरिकों से जुड़ी योजनाओं में लगातार अनियमितताओं की खबरें सामने आती रही हैं। यदि गरीबों और दलितों के लिए बनाई गई योजनाओं में भी कथित घोटाले सामने आ रहे हैं तो यह सरकार की जवाबदेही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है।

ट्रम्प का दावा- हमास-इजराइल में शांति समझौता

हमास हथियार छोड़ेगा, इजराइली सेना पीछे हटेगी नई फिलिस्तीनी सरकार गाजा को कंट्रोल करेगी

वाशिंगटन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को दावा किया कि गाजा में हमास और इजराइल के बीच एक बड़ा समझौता हुआ है। हमास और दूसरे सभी हथियारबंद संगठनों ने हथियार छोड़ने पर सहमति जताई है। इसके बाद इजराइली सेना भी गाजा से पीछे हटेगी।

ट्रम्प के मुताबिक समझौता कई चरणों में लागू होगा। जैसे-जैसे हमास अपने हथियार छोड़ेगा, वैसे-वैसे इजराइली सेना गाजा से हटेगी। इसके बाद एक इंटरनेशनल स्टेबलाइजेशन फोर्स और नई फिलिस्तीनी पुलिस गाजा की सुरक्षा संभालेंगे।

हमास के हथियार छोड़ने की मंजूरी के बाद अब 14 दिन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके तहत समझौते के हर चरण को लागू करने की टाइमलाइन तय की जाएगी। ट्रम्प ने कहा, यह डील ट्रम्प 20-पॉइंट गाजा प्लान का सबसे अहम हिस्सा है और गाजा में स्थायी शांति और सुरक्षा

की दिशा में बड़ा कदम है।

एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया है कि ईरान चाहता था कि हमास यह समझौता न करे। हालांकि, अब ईरान पहले की तरह हमास की मदद करने की स्थिति में नहीं है। इसलिए हमास ने अपने और गाजा के लोगों के हित को देखते हुए फैसला लिया।

अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) के अधिकारियों ने पूर्व सुप्रीम लीडर अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में पहुंचे हमास डेलिगेशन से जल्दबाजी में प्रस्ताव स्वीकार नहीं करने को कहा था। हालांकि, आखिरकार हमास ने यह प्रस्ताव मान लिया। हमास का हथियार छोड़ना सबसे बड़ी चुनौती- हमास और दूसरे सभी हथियारबंद गुटों को चरणबद्ध तरीके से हथियार सौंपने होंगे। अगर कोई गुट नहीं माना, तो पूरा समझौता प्रभावित हो सकता है।

इजराइली सेना की वापसी चरणों में होगी- हमास के हथियार छोड़ने की पुष्टि के बाद ही इजराइली सेना धीरे-धीरे गाजा से पीछे हटेगी। दोनों पक्षों को साथ-साथ कदम उठाने होंगे।

नई सुरक्षा व्यवस्था बनाना आसान नहीं- इजराइली सेना के हटने के बाद गाजा की सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल और नई फिलिस्तीनी पुलिस संभालेगी। इसके लिए बड़ी तैयारी और तालमेल की जरूरत होगी।

नई फिलिस्तीनी सरकार को समर्थन चाहिए- गाजा का प्रशासन नई तकनीकी फिलिस्तीनी सरकार संभालेगी। लेकिन उसे स्थानीय लोगों, फिलिस्तीनी गुटों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का भरोसा जीतना होगा।

बिल ज्यादा आया तो मीटर उखाड़कर बिजली दफ्तर पहुंचे लोग

बंद फ्लैट का 36 हजार बिल, बजट बिगड़ा कांग्रेस बोली- महतारी वंदन की रिकवरी

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में स्मार्ट बिजली मीटर को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। रायपुर, कबीरधाम, दुर्ग, बिलासपुर समेत कई जिलों में उपभोक्ता बढ़े हुए बिजली बिल, ज्यादा रीडिंग और स्मार्ट मीटर के काम करने के तरीके पर सवाल उठा रहे हैं। कई लोगों का दावा है कि पहले हर महीने 1800 से 2000 रुपए तक बिजली बिल आता था, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल दोगुना-तीन गुना तक पहुंच गया। इससे मध्यमवर्गीय और नौकरीपेशा परिवारों का मासिक बजट बिगड़ गया है। रायपुर में कुछ बंद घरों के भी हजारों रुपए के बिजली बिल भेज दिए गए। शिकायत मिलने के बाद बिजली कंपनी ने इनमें सुधार किया। बढ़े हुए बिलों से उपभोक्ता परेशान हैं, जबकि बिजली कंपनी का कहना है कि मीटर और बिलिंग में कोई गड़बड़ी नहीं है।

जापान में तबाही का मंजर : भूकंप के बाद मौत का आंकड़ा 34 पहुंचा

हजारों लोग राहत शिविरों में, बचाव अभियान जारी

कुमामोटो, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कुमामोटो प्रांत सरकार ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिमी जापान में आए शक्तिशाली भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। इस भूकंप के कारण एक मॉल में विस्फोट हुआ, एक कारखाने की चिमनी गिर गई और कई घर ध्वस्त हो गए।

बता दें कि मंगलवार को जापान के दक्षिणी मुख्य द्वीप क्यूशू में 7.1 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने बताया कि आपदा से संबंधित 34 मौतों की पुष्टि हो चुकी है। वहीं, एक अन्य मौत की जांच अभी जारी है। गुरुवार को अधिकारियों ने बताया कि 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें से पांच गंभीर रूप से घायल हैं। वहीं, 3,500 से अधिक घरों में अभी भी बिजली नहीं थी। 9,000 से अधिक लोग आश्रय स्थलों में

रह रहे थे, जहां वायु कंडीशनिंग प्रदान करने के लिए बिजली के स्रोत जोड़े जा रहे थे। भूकंप के बाद से, भीषण गर्मी सहित कई बीमारियों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। शुक्रवार को कुमामोटो क्षेत्र में बचाव कार्य जारी रहा, जिसमें काशिमा कस्बे में ढह चुके एयॉन मॉल शॉपिंग सेंटर का स्थल भी शामिल था, जहां सबसे अधिक नुकसान दर्ज किया गया था। भूकंप के समय यह परिसर हजारों लोगों से भरा हुआ था। कंपनी ने बताया कि मॉल के दूसरे हिस्से में विस्फोट होने से पहले लगभग 3,000 खरीदारों को पार्किंग स्थल पर सुरक्षित निकाल लिया गया था। विस्फोट के दौरान मॉल के कुछ कर्मचारी काम करते रहे। विस्फोट के बाद मॉल की दूसरी मंजिल ढह गई, जिससे लोग अंदर फंस गए।

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने शुक्रवार को टोक्यो में पत्रकारों को बताया कि घटनास्थल पर सात लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और 11 लोगों को बचा लिया गया है।

एनएच-22 पर बस-कार में टक्कर

एक दर्जन से अधिक यात्री घायल, दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त, चतरा-डोभी मुख्य मार्ग पर हुआ हादसा

चतरा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-22 (एनएच-22) पर एक यात्री बस और कार की जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घटना चतरा-डोभी मुख्य मार्ग पर सेरेगड़ा-संघरी घाटी इलाके में हुई।

जानकारी के अनुसार, बिहार के गया से चतरा की ओर आ रही 'सिंहवाहिनी' नामक यात्री बस की गया की दिशा में जा रही एक तेज रफ्तार टाटा नेक्सॉन कार से आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों की सूचना पर सदर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए चतरा के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। सदर अस्पताल में भर्ती गंभीर रूप से घायल लोगों में नैन्सी कुमारी (पिता- उमेश रजक, निवासी- हंटरगंज), श्रुति कुमारी (पिता- दीपक सिंह, निवासी- हफुआ) और अमित सिंह (पिता- रामानंदन सिंह) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, आधा दर्जन से अधिक यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए निजी क्लीनिकों में भेजा गया है।

सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव ने बताया कि पुलिस की पहली प्राथमिकता घायलों को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाना था। यातायात सुचारू करने के लिए दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से थाने लाया गया है। पुलिस अब इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है ताकि दुर्घटना के कारणों का पता चल सके, जिसमें कार चालक की लापरवाही या किसी तकनीकी खराबी की संभावना शामिल है।

कनाडा में आंधी-बारिश में सड़कों पर 500 पंजाबी छात्र

बोले- लाखों का कोर्स किया, अब वर्क परमिट से इनकार, अल्बर्टा प्रीमियर बोलीं- देश छोड़ना होगा

ओटावा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कनाडा में पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (पीजीडब्ल्यूपी) के आवेदन खारिज होने के बाद करीब 1000 भारतीय छात्र संकट में हैं। ये पिछले 3 हफ्ते से अल्बर्टा के कैलगरी में प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि कुछ ने 29 जुलाई से भूख हड़ताल शुरू कर दी है। इनमें 500 छात्र पंजाबी हैं। जो बारिश, तेज धूप और खराब मौसम के बावजूद छात्र अल्बर्टा के कैलगरी में सड़कों पर डटे हुए हैं।

छात्रों का आरोप है कि जिन नियमों के तहत उन्होंने लाखों रुपए खर्च कर पढ़ाई पूरी की, अब उसी कोर्स को नॉन-क्रेडिबल बताकर वर्क परमिट से इनकार किया जा रहा है। इससे सैकड़ों छात्रों पर डिपोर्टेशन का खतरा मंडरा रहा है। इससे कई लड़कियां डिप्रेशन में हैं, सिर पर परिवार का कर्ज है। उन्होंने कनाडा में पढ़ाई की है, इसलिए उन्हें वहां काम करने का मौका मिलना चाहिए।

कनाडा सरकार और अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने कहा कि वह पोर्टेज कॉलेज को सीधे तौर पर फर्जी डिग्री देने वाला संस्थान नहीं कहेंगी, लेकिन उनका मानना है कि संस्थान ने स्थायी निवास (पीआर) को लेकर बढ़ा-चढ़ाकर जानकारी दी हो सकती है।

उन्होंने कहा कि जिनके पास इंटरनेशनल वीजा, स्टूडेंट वैध स्टेटस या पीआर नहीं होगा, उन्हें देश छोड़ना होगा।

छात्र प्रदर्शन क्यों कर रहे? पढ़ाई पूरी की, फिर भी पीजीडब्ल्यूपी से इनकार

एक छात्रा ने बताया कि वह 10 जुलाई 2024 को पहली बार कनाडा पहुंची थी। उसने पढ़ाई पूरी की और किसी भी सब्जेक्ट में फेल नहीं हुई। कॉलेज ने कहा था कि 15 मई 2024 से पहले रजिस्ट्रेशन कराने वाले छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट (पीजीडब्ल्यूपी) के पात्र होंगे। इसके बावजूद 16 जुलाई 2026 को उसका आवेदन खारिज कर दिया गया। रिजेक्शन में कारण बताया गया कि उसकी कनाडा में एंट्री 23 नवंबर 2025 की दर्ज है। छात्रा का कहना है कि उसके साथ पढ़ने वाली अन्य छात्राओं को वर्क परमिट मिल गया, लेकिन उसका आवेदन अस्वीकार कर दिया गया।

छात्रों का कहना है कि उन्होंने इसी भरोसे के साथ इन कार्यक्रमों में दाखिला लिया था कि पढ़ाई पूरी होने के बाद वे पोस्ट-ग्रेजुएशन वर्क परमिट के पात्र होंगे। हालांकि बाद में कई छात्रों को इमिग्रेशन, रिफ्यूजी एंड सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) की ओर से रिजेक्शन लेटर मिले। इसके बाद वे पढ़ाई पूरी करने के बावजूद कनाडा में काम करने के अधिकार से वंचित हो गए।

कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मांगा इस्तीफा

मलेरिया से मौतों पर घेरा, कहा- बिना टेस्ट किट कैसे हो रही जांच

रायपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मलेरिया से हुई मौतों को लेकर कांग्रेस ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उन्हें पद से हटाने की अपील की है। उनका आरोप है कि प्रदेश में मलेरिया जांच के लिए पर्याप्त रैपिड टेस्ट किट नहीं हैं, जिससे जांच व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (सीएमएससीएल) की 30 जुलाई 2026 की स्टॉक रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश के गोदामों में मलेरिया की रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट (आरडीटी) किट का कुल स्टॉक केवल 3,588 किट है।

उनका कहना है कि कई जिलों में एक भी रैपिड टेस्ट किट उपलब्ध नहीं है। बता दें कि कांकेर में मलेरिया से 4 लोगों की मौत हुई है। इनमें 3 स्टूडेंट और 1 महिला शामिल हैं। सरडी, डोमारगढ़, मदेपोटे और चिचगांव गांव में मलेरिया फैला हुआ है, यहां 32 लोग पॉजिटिव मिले हैं, सभी का अलग-अलग हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

प्रभावित इलाकों में हेल्थ कैंप लगाकर भी लोगों की स्क्रीनिंग और जांच की जा रही है।

कांग्रेस ने स्टॉक रिपोर्ट का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि जब कई जिलों में रैपिड टेस्ट किट उपलब्ध नहीं हैं, तो मितानिन और मैदानी स्वास्थ्यकर्मी मलेरिया की जांच किस आधार पर कर रहे हैं। डॉ. गुप्ता ने पूछा कि क्या केवल ब्लड स्लाइड के जरिए जांच हो रही है या फिर स्क्रीनिंग प्रभावित हो चुकी है। इस पर स्वास्थ्य मंत्री को जवाब देना चाहिए।

पेट चीरते हुए आरपार निकला 7 फीट लोहे का पाइप

सड़क किनारे लगे बैरिकेड से टकराई बाइक, 3 दोस्त घायल, एक गंभीर

बिलासपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में गुरुवार देर रात तेज रफ्तार बाइक सड़क किनारे लगे लोहे के बैरिकेड से टकरा गई। हादसे में बैरिकेड का लोहे का पाइप युवक के पेट में घुस गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और तड़पता रहा। इस घटना में बाइक पर सवार उसके 2 दोस्त भी घायल हुए हैं। तीनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना सकरी थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, जारहागांव निवासी प्रियांशु ज्ञानिक अपने दो दोस्तों के साथ देर रात बाइक से बिलासपुर से घर लौट रहा था। सकरी और पेंडारी के बीच मेन रोड पर उनकी बाइक अचानक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे लगे लोहे के बैरिकेड से टकरा गई। बताया जा रहा है कि टक्कर

इतनी भीषण थी कि बैरिकेड का लोहे का पाइप बाइक के सामने से होते हुए प्रियांशु के पेट में जा घुसा और आरपार निकल गया। हादसे में बाइक के पीछे बैठे दोनों युवक भी गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तुरंत घायलों की मदद की। मौके से गुजर रहे गजेंद्र ठाकुर ने पुलिस और डायल-112 को सूचना दी। स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला और राहत कार्य में सहयोग किया।

सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची। दो घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल प्रियांशु को एंबुलेंस के जरिए इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। तीनों का इलाज जारी है, जिसमें प्रियांशु की हालत सबसे गंभीर बताई जा रही है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार बाइक तेज रफ्तार में थी, जिसके कारण हादसा हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही तखतपुर एसडीएम नितिन तिवारी ने तत्काल तहसीलदार को अस्पताल भेजा। प्रशासन पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

तीन साइबर अपराधी गिरफ्तार

जामताड़ा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जामताड़ा पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। एसपी शंभू कुमार सिंह ने शुक्रवार को बताया कि साइबर डीएसपी अमित कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर इन आरोपियों को पकड़ा।

यह छापेमारी जामताड़ा थाना क्षेत्र के सोनाबाद गांव स्थित विक्रम दास के घर और मिहिजाम थाना क्षेत्र के बेवा गांव के समीप जंगल में की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विक्रम दास (26), जय कुमार दास (23) और हेमंत दास (34) के रूप में हुई है।

पुलिस ने इनके पास से 6 मोबाइल फोन, 8 सिम कार्ड, 2 एटीएम कार्ड और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। साइबर थाना कांड संख्या 48/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता, आईटी एक्ट और टेलीकम्युनिकेशंस एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। एसपी शंभू कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम कार्ड बंद होने और केवाईसी अपडेट कराने के बहाने लोगों को झांसे में लेते थे। वे एटीएम कार्ड और बैंक खातों की गोपनीय जानकारी हासिल कर लाखों रुपये की साइबर ठगी करते थे। कुछ आरोपी अमजान पे एप के माध्यम से मोबाइल नंबरों की जानकारी जुटाकर केवाईसी अपडेट के बहाने ई-वॉलेट के जरिए भी लोगों से ठगी करते थे। प्रारंभिक जांच में गिरोह द्वारा लाखों रुपये की साइबर ठगी किए जाने का खुलासा हुआ है। अपराधियों से गहन पूछताछ कर रही है और जल्द ही पूरे साइबर सिंडिकेट का खुलासा करने की उम्मीद है। एसपी ने आशंका जताई कि इस गिरोह का नेटवर्क देश के विभिन्न राज्यों तक फैला हो सकता है, जिसकी जांच जारी है।

मिसिर बेसरा समेत 3 नक्सली पुलिस रिमांड पर

एनआईए, आईबी के साथ 4 राज्यों की पुलिस भी करेगी पूछताछ, तीन एके-47 राइफलें हुईं बरामद

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) के एक करोड़ रुपए के इनामी नक्सली मिसिर बेसरा और उसके दो साथियों मोछू मुर्मू तथा गौरव उर्फ बिरेंद्र हांसदा को अदालत ने 14 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेजने का आदेश दिया है। गुरुवार को धनबाद पुलिस की ओर से दायर रिमांड आवेदन पर सुनवाई के बाद अदालत ने मंजूरी दी। अब पुलिस शुक्रवार से तीनों को औपचारिक रूप से रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ शुरू करेगी।

तीनों माओवादियों को 28 जुलाई की देर शाम सुरक्षा बलों ने बरवाअड्डा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, तीनों एक टाटा मैजिक वाहन से मोछू मुर्मू के घर जा रहे थे। गिरफ्तारी के समय तीन एके-47 राइफलें और अन्य हथियार-गोला-बारूद बरामद किए गए थे। सुरक्षा बल इसे झारखंड-बिहार में माओवादी नेटवर्क के खिलाफ हाल के वर्षों की सबसे बड़ी सफलता मान रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट के मुताबिक रिमांड के दौरान सिर्फ झारखंड पुलिस ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) और अन्य केंद्रीय एजेंसियां भी पूछताछ करेंगी। जिला पुलिस ने संबंधित एजेंसियों और राज्यों को इसकी सूचना दे दी है। मिसिर बेसरा के नेटवर्क को देखते हुए बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ की पुलिस टीमें भी पूछताछ में शामिल होंगी। 14 दिन की रिमांड के दौरान जांच एजेंसियां माओवादी संगठन के लेवी सिंडिकेट, शहरी नेटवर्क और फंडिंग के स्रोतों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश करेंगी। गिरफ्तार नक्सलियों की निशानदेही पर सारंडा, पारसनाथ और बूढ़ा पहाड़ जैसे इलाकों में छिपाए गए हथियारों के जखीरे और बंकरों की तलाश में छापेमारी भी की जा सकती है। पुलिस के अनुसार, पोलित ब्यूरो के शीर्ष सदस्य रहे मिसिर बेसरा से पूछताछ के आधार पर संगठन के अन्य फरार शीर्ष माओवादी नेताओं के ठिकानों और उनकी रणनीति से जुड़े अहम सुराग मिलने की उम्मीद है। साथ ही एनआईए और पड़ोसी राज्यों की पुलिस अपने-अपने राज्यों में दर्ज मामलों में तीनों की रिमांड या औपचारिक गिरफ्तारी की कानूनी प्रक्रिया भी आगे बढ़ाएगी।

अंटार्कटिका की बर्फ से सऊदी की प्यास बुझाने का था प्लान

1977 में अमेरिका पहुंचाया गया विशाल आइसबर्ग

रियाद, 31 जुलाई (एजेंसियां)। सऊदी अरब के राजकुमार मोहम्मद अल-फैसल ने अंटार्कटिका से विशाल हिमखंड खींचकर अरब प्रायद्वीप में मीठे पानी की कमी को दूर करने की एक अनोखी योजना बनाई थी। ये प्रोजेक्ट कामयाब हो सकता है या नहीं इसे टेस्ट करने के लिए और वैज्ञानिकों को दिखाने के लिए अलास्का से हजारों किलोमीटर दूर लगभग दो टन वजनी बर्फ का एक टुकड़ा हेलीकॉप्टर, विमान और ट्रक से खींचकर आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी लाया गया था। इस हिमखंड को आयोवा स्टेट यूनिवर्सिटी के एक रेफ्रिजरेटेड कमरे में रखा गया था।

जब ये विशाल हिमखंड लाया जा रहा था तो हजारों लोग कौतूहल में इसे देख रहे थे।

ब्रिक्स समिट में शामिल होने भारत आ सकते हैं चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग

गलवान हिंसा के बाद होगा पहला दौरा

बीजिंग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12-13 सितंबर को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दिल्ली आ सकते हैं। अगर यह दौरा होता है तो यह लगभग सात सालों में उनकी भारत की पहली यात्रा होगी। यह यात्रा 2019 में महाबलीपुरम में हुई अनौपचारिक समिट के बाद शी जिनपिंग की पहली यात्रा होगी। वह समिट जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद भारत-चीन संबंधों में आई भारी गिरावट से कुछ महीने पहले हुई थी।

शी जिनपिंग की यह प्रस्तावित यात्रा अगस्त 2025 में तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से दिए गए राजनयिक निमंत्रण के बाद हो रही है। अधिकारियों के मुकाबिक शी

जिनपिंग ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया और ब्रिक्स की अध्यक्षता के लिए भारत को अपना समर्थन जताया। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के विस्तारित समूह के नेताओं के एक साथ आने की उम्मीद है जिनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन शामिल हैं। इस साल की शुरुआत में भारत के 'AI इम्पैक्ट समिट' में चीन शामिल हुआ था। हालांकि इन कदमों के बावजूद दोनों देश विवादित सीमा पर अपनी बड़ी सैन्य मौजूदगी बनाए हुए हैं।

जानकारों का कहना है कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता बढ़ रही है। इसमें ट्रेड टेंशन, वेस्ट एशिया में टकराव और उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं की ओर से ब्रिक्स के जरिए सहयोग मजबूत करने की कोशिशें शामिल हैं। उम्मीद है कि इस समिट से भारत और चीन को अनसुलझे बॉर्डर मामलों को मैनेज करते हुए डिप्लोमैटिक बातचीत जारी रखने का मौका मिलेगा। अगर पुष्टि हो जाती है तो शी जिनपिंग का दौरा गलवान के बाद बिगड़े रिश्तों के बाद दोनों पड़ोसियों के बीच सबसे अहम डिप्लोमैटिक बातचीत में से एक होगा और आपसी रिश्तों में और सुधार के संकेतों पर करीब से नजर रखी जाएगी।

स्पेन में घुसने पहुंचे 49 हजार प्रवासी, 18 की मौत

मोरक्को से समुद्र में तैरकर आए थे बॉर्डर पर सेना ने रोका तो भगदड़ मची

सिउटा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। स्पेन में जबरन घुसने की कोशिश के दौरान 18 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गई। घटना तब हुई, जब गुरुवार सुबह 3 हजार प्रवासी एकसाथ स्पेन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। सीमा पर पुलिस की घेराबंदी और सुरक्षा बाड़ के बीच संकरे रास्तों के कारण लोग एक-दूसरे पर गिर पड़े। भीड़ में दबने, दम घुटने और समुद्र में डूबने के कारण यह हादसा हुआ। इस दौरान स्पेन और मोरक्को के 100 से ज्यादा सैनिक भी घायल हो गए।

स्पेनिश सरकार की तरफ से जानकारी मिली है कि मोरक्को की तरफ से करीब 49 हजार लोगों के तैरकर या पैदल चलकर स्पेनिश शहर स्यूटा में प्रवेश कर चुके है। अफ्रीकी और एशियाई देशों के प्रवासी बेहतर जीवन की तलाश में यूरोपीय देशों में घुसना

चाहते हैं। सिउटा मोरक्को के उत्तरी तट पर स्थित एक स्पेनिश शहर है। यहां घुसने के बाद प्रवासियों को यूरोपीय संघ के क्षेत्र में एंट्री मिल जाती है। स्यूटा भले ही भौगोलिक तौर पर अफ्रीका में है, लेकिन यह स्पेन और यूरोपीय संघ (ईयू) का हिस्सा है। यानी अगर कोई प्रवासी स्यूटा में घुस जाता है, तो वह यूरोप की सीमा तक पहुंच जाता है। यही वजह है कि हजारों लोग हर साल यहां से यूरोप में दाखिल होने की कोशिश करते हैं।

स्यूटा और इसके करीब मेलिला ऐसे दो शहर हैं, जहां अफ्रीका और यूरोप की सीधी जमीनी सीमा मिलती है। इसलिए बेहतर नौकरी और अच्छी जिंदगी की तलाश में मोरक्को समेत कई अफ्रीकी देशों के लोग सबसे ज्यादा इन्हीं रास्तों को चुनते हैं। स्यूटा में घुसने के लिए कुछ लोग समुद्र में तैरकर सीमा पार करते हैं, कुछ छोटी नावों का सहारा लेते हैं। वहीं बड़ी संख्या में लोग सीमा पर लगी ऊंची बाड़ पर चढ़कर या उसे काटकर अंदर जाने की कोशिश करते हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में ही करीब 1,500 प्रवासी स्यूटा में प्रवेश कर चुके थे। इसके बाद गुरुवार को हालात अचानक बिगड़ गए। इससे पहले साल 2021 में सिर्फ दो दिनों के भीतर 10 हजार से ज्यादा लोग स्यूटा में घुस गए थे। वहीं 2022 में मेलिला में सीमा पार करने की कोशिश के दौरान मची भगदड़ में कम से कम 23 प्रवासियों की मौत हो गई थी।

दिल्ली के इन 6 प्राचीन शिव मंदिरों के बिना अधूरी है सावन की यात्रा

गौरी शंकर मंदिर, चांदनी चौक

प्राचीन शिव मंदिर, महरौली

भूले भंडारी शिव मंदिर, झंडेवालान

सावन का महीना भगवान शिव की पूजा के लिए सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस दौरान शिव मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। अगर आप दिल्ली या उसके आस-पास रहते हैं, तो सावन के दौरान यहां के प्राचीन और मशहूर शिव मंदिरों के दर्शन कर सकते हैं। धार्मिक महत्व के अलावा, ये मंदिर अपनी ऐतिहासिक और वास्तुकला की सुंदरता से भी लोगों को आकर्षित करते हैं। आइए जानते हैं दिल्ली के 6 प्रमुख शिव मंदिरों के बारे में...।

गौरी शंकर मंदिर, चांदनी चौक

दिल्ली के ऐतिहासिक चांदनी चौक इलाके में स्थित गौरी शंकर मंदिर राजधानी का सबसे मशहूर शिव मंदिर है। माना जाता है कि यहां स्थापित शिवलिंग लगभग 800 साल पुराना है। सावन के महीने में यहां जलाभिषेक (देवता को जल से स्नान कराने की रस्म) और विशेष पूजा-अर्चना जैसे खास अनुष्ठान किए जाते हैं।

प्राचीन शिव मंदिर, महरौली

कुतुब मीनार के पास स्थित महरौली इलाके में कई प्राचीन शिव मंदिर हैं, जहां सावन के दौरान खास धार्मिक आयोजन होते हैं। इस जगह का शांत माहौल और ऐतिहासिक महत्व एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव देता है।

कालकाजी महादेव मंदिर

संकट हरण मंदिर, करोल बाग

भूले भंडारी शिव मंदिर, झंडेवालान

झंडेवालान इलाके में स्थित यह मंदिर भगवान शिव के भक्तों के बीच बहुत लोकप्रिय है। सावन के सोमवार और शिवरात्रि के दिन बड़ी संख्या में भक्त यहां आशीर्वाद लेने आते हैं।

कालकाजी महादेव मंदिर

हालांकि कालकाजी मंदिर परिसर मुख्य रूप से देवी काली को समर्पित है, लेकिन परिसर के अंदर स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भी सावन के दौरान विशेष पूजा-अर्चना होती है। भक्त यहां शिवलिंग पर जल और बेलपत्र चढ़ाते हैं।

संकट हरण महादेव मंदिर, करोल बाग

करोल बाग में स्थित यह मंदिर अपने शांत और भक्तिपूर्ण माहौल के लिए जाना जाता है। सावन के महीने में यहां रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और विशेष आरती जैसे आयोजन किए जाते हैं।

शिव मंदिर, छतरपुर

मशहूर छतरपुर मंदिर परिसर के अंदर स्थित शिव मंदिर भी सावन के दौरान आकर्षण का मुख्य केंद्र बन जाता है। यहां सुबह और शाम को विशेष आरती और जलाभिषेक की रस्में निभाई जाती हैं।

दर्शन के लिए जाते समय इन बातों का ध्यान रखें

-सावन के महीने में सोमवार को मंदिरों में बहुत भीड़ होती है, इसलिए सुबह जल्दी पहुंचने की कोशिश करें।

-पूजा के लिए आप बेलपत्र, धतूरा, जल और फूल ले जा सकते हैं।

-मंदिर परिसर के नियमों का पालन करें और साफ़-सफ़ाई बनाए रखें।

-गाड़ी पार्क करने और पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बारे में पहले से जानकारी ले लें।

शिव मंदिर छतरपुर

छत्तीसगढ़ के शिवालय; यहां पूरी होती हैं मुरादें, खाली हाथ नहीं लौटते शिवभक्त

इस बार श्रावण महीने की शुरुआत 30 जुलाई 2026 से शुरू हो चुकी है रायपुर के शिव मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। सुबह पांच बजे से ही रायपुर समेत छत्तीसगढ़ के शिव मंदिरों में लोगों की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं। राजधानी के सभी शिवालय हर-हर महादेव की जयघोष से गूंज रहे हैं। रायपुर के महादेवघाट स्थित हाटकेश्वरनाथ मंदिर में सावन के पहले दिन भारी संख्या में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान भगवान हाटकेश्वरनाथ महादेव की मंत्रोच्चारण के बीच विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

कल्चुरी राजाओं ने बनाया था मंदिर

1402 ई में कल्चुरी वंश के राजा रामचंद्र के पुत्र ब्रह्मदेव राय के शासन काल में हाजीराज नाइक ने मंदिर का निर्माण करवाया था। ऐसी मान्यता है कि यहां नंदी महाराज के कानों में जो भक्त फरियाद या मन्नत मांगते हैं, उसकी भगवान शिव मुरादें जरूर पूरी करते हैं। सावन के महीने में यहां रायपुर और प्रदेश के कोने-कोने से लोग पहुंचते हैं। छत्तीसगढ़ के कई जिलों से श्रद्धालु कांवर लेकर पहुंचते हैं। जिले के कोने-कोने से लोग यहां पहुंचते हैं। हर साल बड़े पैमाने पर धूमधाम से कांवर पदयात्रा भी निकाली जाती है। इसमें रायपुर पश्चिम बीजेपी विधायक राजेश मूणत और कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय की कांवर पदयात्रा विशेष आकर्षक होती है। इसमें जिलेभर से लोग शामिल होते हैं।

जानें धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं और पुराणों के अनुसार, जहां भगवान श्रीराम लंका पर चढ़ाई के लिए रामेश्वरम में समुंद्र पर पुल बनाने की योजना बनाई, तो उस समय बजरंग बली को शिवलिंग लाने के लिए कहा गया था। इस पर बजरंग बली शिवलिंग लाने गए। इस दौरान शिवलिंग लाने में काफी देर हुई, तो भगवान राम ने रामेश्वरम में रेत से ही विधि-विधान से पूजा अर्चना कर शिवलिंग की स्थापना कर दी थी। बजरंग बली को किसी नदी के किनारे उस शिवलिंग को रखने के लिए कहा गया। कहा जाता है कि भगवान हनुमान ने रायपुर में खारून नदी के तट पर शिवलिंग रखकर चले गए, जो कालांतर में हटकेश्वर नाथ, महादेव घाट के नाम से विख्यात हुआ।

क्या है आकर्षण?

हरिद्वार के लक्ष्मण झूला की तर्ज पर यहां बने लक्ष्मण झूला और खारून नदी में नाव की सवारी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। पास में बने गॉर्डन यहां की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। रायपुर सहित अन्य जिलों के सैलानी यहां बड़ी संख्या पहुंचकर इसका आनंद लेते हैं। शहर की जीवनदायिनी नदी 'खारुन' तट पर स्थित ऐतिहासिक हाटकेश्वरनाथ मंदिर का विशेष महत्व है।

ऋषिकेश पंचांग के मुताबिक, श्रावण मास की कृष्ण प्रतिपदा तिथि 29 जुलाई की रात 7:23 बजे से शुरू हो चुकी है और वहीं उदया तिथि के आधार पर श्रावण मास की शुरुआत 30 जुलाई से लेकर रावण पूर्णिमा 28 अगस्त (रक्षाबंधन) की सुबह 9:19 बजे तक रहेगी। इस तरह 30 जुलाई से 28 अगस्त तक सावन मास रहेगा।

कुंडली में ग्रह दे रहे हैं अशुभ संकेत?

ज्योतिष शास्त्र में नौ ग्रहों को व्यक्ति के जीवन का अहम आधार माना गया है। मान्यता है कि इन ग्रहों की स्थिति ही तय करती है कि जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता कितनी आसानी से मिलेगी या फिर किन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। जब कोई ग्रह शुभ होता है तो उससे जुड़े क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलते हैं, लेकिन अगर वही ग्रह अशुभ प्रभाव देने लगे तो जीवन के कई पहलुओं में परेशानियां बढ़ सकती हैं। उदाहरण के तौर पर शुक्र ग्रह कमजोर होने पर प्रेम संबंधों और वैवाहिक जीवन में तनाव बढ़ सकता है। वहीं सूर्य ग्रह की अशुभ स्थिति करियर, सम्मान, पिता के साथ रिश्तों और सरकारी कार्यों पर नकारात्मक असर डाल सकती है। इसी तरह हर ग्रह का अपना अलग प्रभाव और महत्व बताया गया है। ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार यदि कुंडली में कोई ग्रह कमजोर हो तो कुछ सरल जल उपायों के जरिए उसके अशुभ प्रभाव को कम करने का प्रयास किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि किस ग्रह के लिए कौन-सा उपाय बताया गया है।

सूर्य ग्रह

यदि सूर्य ग्रह कमजोर है और करियर, प्रतिष्ठा या सफलता में लगातार बाधाएं आ रही हैं, तो प्रतिदिन या कम से कम रविवार के दिन जल में लाल चंदन और लाल फूल मिलाकर सूर्य देव को अर्घ्य दें। मान्यता है कि इससे सूर्य दोष शांत होता है।

चंद्र ग्रह

चंद्रमा के अशुभ प्रभाव से मानसिक तनाव, अशांति, अस्थिर मन और निर्णय लेने में कठिनाई हो सकती है। ऐसे में सोमवार के दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करें। चाहें तो जल में थोड़ा गाय का दूध और सफेद फूल भी मिला सकते हैं। यह उपाय चंद्र दोष को दूर करने वाला माना गया है।

गुरु ग्रह

यदि शिक्षा, विवाह, करियर या सम्मान से जुड़े कार्यों में लगातार रुकावट आ रही है और इसकी वजह गुरु ग्रह को माना जा रहा है, तो स्नान के पानी में हल्दी मिलाकर नहाएं। यह उपाय रोज किया जा सकता है, लेकिन गुरुवार के दिन करना विशेष लाभकारी माना जाता है।

बुध ग्रह

व्यापार, वाणी और बुद्धि के कारक बुध ग्रह के अशुभ होने पर तुलसी के पौधे में एक लोटा जल अर्पित करें। यह उपाय रविवार को छोड़कर अन्य दिनों में किया जा सकता है। मान्यता है कि इससे बुध ग्रह का दोष कम होता है।

शुक्र ग्रह

यदि प्रेम संबंधों में खटास, वैवाहिक जीवन में तनाव या सुख-सुविधाओं की कमी महसूस हो रही है, तो स्नान के पानी में गुलाब की पंखुड़ियां या गुलाब जल मिलाकर स्नान करें। ज्योतिष के अनुसार यह उपाय शुक्र ग्रह को मजबूत करने में सहायक माना जाता है।

शनि ग्रह

शनि की साढ़ेसाती, ढैया या शनि दोष से राहत पाने के लिए घर में काम करने वाले लोगों, सफाई कर्मचारियों या जरूरतमंद व्यक्तियों को पानी पिलाएं। जल का दान करना शनि ग्रह को शांत करने का प्रभावी उपाय माना गया है।

मंगल ग्रह

मंगल दोष होने पर गरीबों और राहगीरों को पानी पिलाना शुभ माना गया है। यदि संभव हो तो घर के बाहर प्याऊ लगवाकर लोगों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करें। इससे मंगल दोष कम होने की मान्यता है।

राहु ग्रह

यदि राहु अशुभ फल दे रहा है, तो एक बर्तन में पानी भरकर घर के बाहर रखें और बाद में वह पानी किसी कुत्ते को पिला दें। इस उपाय को नियमित रूप से करने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे राहु दोष शांत होता है।

तुरंत जान लें मंदिर खुलने और भस्म आरती की नई टाइमिंग!

सावन में महाकाल जाने की है तैयारी?

उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर भगवान शिव के सबसे प्रमुख मंदिरों में से एक है, जहां पूरे साल भक्तों का तांता लगा रहा है। जब सावन महीना आता है तो यहां आने वाले भक्तों की संख्या सामान्य दिनों के मुकाबले काफी ज्यादा बढ़ जाती है। यहां सावन में हर साल करोड़ों की संख्या में लोग दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए ही मंदिर समिति की तरफ से मंदिर खुलने और भस्म आरती के समय में बदलाव कर दिया जाता है। आइए जानते हैं इस साल सावन में महाकाल मंदिर खुलने और भस्म आरती का समय क्या रहेगा। बता दें यह समय 30 जुलाई से 7 सितंबर तक लागू रहेगा।

सावन 2026 में महाकाल मंदिर खुलने का समय

आम दिनों में महाकाल मंदिर भक्तों के दर्शन के लिए सुबह 4 बजे से 11 बजे तक खुला रहता है। लेकिन सावन में भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर थोड़ा पहले ही खोल दिया जाता है। इस सावन महाकाल मंदिर के कपाट सुबह 3 बजे ही खोल दिए जाएंगे और भक्त देर रात तक इस दिव्य ज्योतिर्लिंग

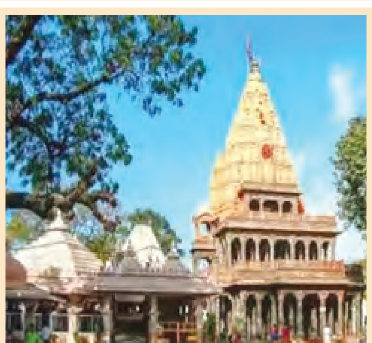

के दर्शन कर सकेंगे। वहीं सावन सोमवार के दिन मंदिर के कपाट सुबह 2.30 बजे से ही खुल जाएंगे।

सावन में भस्म आरती का समय

सामान्य दिनों में भस्म आरती का समय सुबह 4 बजे से 6 बजे तक रहता है। लेकन सावन के पूरे महीने भस्म आरती का समय प्रातः 3 बजे से 5 बजे तक रहेगा। जबकि सावन सोमवार के दिन भस्म आरती प्रातः 2:30 से 4:30 बजे के बीच की जाएगी।

भस्म आरती में शामिल होने के लिए क्या करना होगा?

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में भस्म आरती में शामिल होने के लिए आपको ऑनलाइन एडवांस बुकिंग करनी होगी क्योंकि बिना इसके आरती में शामिल होना संभव नहीं है। बता दें मंदिर समिति ने ऑफलाइन परमिट की पुरानी व्यवस्था को पूरी तरह बंद कर दिया है। अब आरती में शामिल होने के लिए ऑनलाइन बुकिंग कराना अनिवार्य है और आरती की बुकिंग फीस 200 रुपये प्रति व्यक्ति है। बता दें एक मोबाइल नंबर से 3 महीने में केवल एक ही बार बुकिंग हो सकती है। भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग के लिए महाकालेश्वर मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 1 अगस्त - 2026

मिलावट का संगठित कारोबार

खाद्य पदार्थों में मिलावट आज देश के सामने केवल उपभोक्ता संरक्षण का मुद्दा नहीं, बल्कि गंभीर जनस्वास्थ्य संकट बन चुकी है। मुनाफाखोरी की अंधी दौड़ से हैदराबाद भी अछूता नहीं रह गया है। इसलिए मुनाफाखोरी ने जन स्वास्थ्य को लगातार कमजोर किया है। दूध, घी, पनीर, तेल, मसाले, मिठाइयों, फल-सब्जियों और रोजमर्रा की खाद्य वस्तुओं में मिलावट का बढ़ता दायरा इस बात का प्रमाण है कि यह अवैध कारोबार अब संगठित नेटवर्क का रूप ले चुका है। बीते दिनों में हैदराबाद में मारे गए छापेमारी में जिस तरह से मिलावटी वस्तुओं की धर पकड हुई है वह चिंता में डालने वाली है। नकली मिल्क पावडर से बनने वाला एनालाग पनीर भी बाजार में धडल्ले से खपाया जा रहा है। यही हाल फल और सब्जियों का भी है। इसे महंगी दरों पर खरीदने के बाद भी गारंटी नहीं है कि यह शुद्ध है या बीमारी परोसने वाली। सरकारी दावों और कानूनों के बावजूद इस पर प्रभावी अंकुश नहीं लग पाया है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के वर्ष 2025-26 के आंकड़े इस संकट की गंभीरता को उजागर करते हैं। देशभर में पांच लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच के बाद एक लाख से अधिक नमूने मानकों पर खरे नहीं उतरे, जबकि लगभग चालीस हजार नमूने सीधे तौर पर मिलावटी या गैर-मानक पाए गए। उत्तर प्रदेश और छत्तीसगचढ़, झारखंड सहित कई राज्यों में स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। यह भी ध्यान रखने योग्य है कि जांच के लिए केवल सीमित नमूने ही भेजे जाते हैं। ऐसे में यदि जांचे गए नमूनों में ही इतनी बड़ी संख्या दोषपूर्ण निकल रही है, तो खुले बाजार में बिक रही वस्तुओं की वास्तविक स्थिति का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। सवाल है कि जब खाद्य सुरक्षा से जुड़े कानून मौजूद हैं, नियमित जांच के प्रावधान हैं और जिम्मेदार एजेंसियां भी कार्यरत हैं, तब भी मिलावट का कारोबार क्यों फल-फूल रहा है? इसका सबसे बड़ा कारण कमजोर निगरानी, कार्रवाई में ढिलाई, लंबी न्यायिक प्रक्रिया और कई मामलों में प्रशासनिक मिलीभगत है। अनेक मामलों में दोषियों को वर्षों तक सजा नहीं मिलती या मामूली दंड देकर छोड़ दिया जाता है। जब अपराध का जोखिम कम और मुनाफा अधिक हो, तब ऐसे अवैध कारोबारियों का मनोबल बढ़ना स्वाभाविक है। सरकार को केवल त्योहारों के दौरान औपचारिक छापेमारी तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पूरे वर्ष नियमित जांच अभियान चलाने, आधुनिक प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाने, खाद्य आपूर्ति श्रृंखला की डिजिटल निगरानी करने और दोषियों के मामलों का त्वरित निपटारा सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। बार-बार नियम तोड़ने वाले कारोबारियों के लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द किए जाने चाहिए। साथ ही, यदि किसी क्षेत्र में लगातार मिलावट के मामले सामने आते हैं तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। जवाबदेही के बिना कोई भी अभियान स्थायी सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा। गुणवत्ता चिह्न देखकर खरीदारी करना, संदिग्ध वस्तुओं की शिकायत करना और सस्ती कीमत के लालच से बचना समय की आवश्यकता है। समाज, प्रशासन और ईमानदार व्यापारियों के संयुक्त प्रयास से ही इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। स्वस्थ नागरिक ही मजबूत राष्ट्र की नींव होते हैं। इसलिए खाद्य पदार्थों में मिलावट के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व भी है। अब समय आ गया है कि मुनाफाखोरी के इस जहरीले नेटवर्क पर कठोर कानून, जवाबदेह प्रशासन और जागरूक समाज के माध्यम से ऐसा निर्णायक प्रहार किया जाए, जिससे हर नागरिक की थाली में शुद्धता, सुरक्षा और विश्वास फिर से लौट सके।

कैसे मानव जीवन का अभिन्न अंग बन गया वर्ल्ड वाइड वेब?

योगेश कुमार गोयल

इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का ऐसा खजाना है, जिसके माध्यम से किसी एक कोने में बैठे हुए ही आप दुनिया भर की सैर कर सकते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि इंटरनेट के माध्यम से विश्वभर की हर प्रकार की महत्वपूर्ण जानकारियों को एक छोटे से बंद कमरे में रखे कम्प्यूटर या मोबाइल की स्क्रीन पर समेटकर ला देने वाला मूल मंत्र WWW (वर्ल्ड वाइड वेब) आज हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुका है। यही शब्द प्रतिदिन दुनियाभर में करोड़ों कम्प्यूटरों पर असंख्य बार टाइप किया जाता है लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इंटरनेट की मायावी दुनिया में प्रवेश कराने वाली यह खिड़की कब और कैसे अस्तित्व में आई? वर्ष 1989 में 'डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू' नामक इस मायावी शब्द को जन्म दिया था ऑक्सफोर्ड के क्वींस कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुके टिम बर्नर्स ली ने। वर्तमान में वेबपेज से जुड़ने या उसका निर्माण करने के लिए जो भी तरीके अपनाए जाते हैं, उनके पीछे बर्नर्स का ही दिमाग है। 8 जून 1955 को लंदन में जन्मे बर्नर्स ली ने 1976 में ऑक्सफोर्ड के क्वींस कालेज से ग्रेजुएशन किया था और उसी दौरान मात्र 21 वर्ष की उम्र में ही उन्होंने अपने लिए एक छोटा सा कम्प्यूटर सैट बना लिया था। बर्नर्स ली के दिमाग में 1980 में अचानक ही 'WWW' से संबंधित शुरूआती विचार आया। उस दौरान वह एक कम्पनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में कार्य कर रहे थे। तब उन्होंने कम्प्यूटर में मौजूद विभिन्न फाइलों को आपस में जोड़ने के लिए 'इनक्वायर' नामक एक प्रोग्राम तैयार किया था। वह कम्प्यूटर पर मौजूद अपने दस्तावेजों और फाइलों को खोलने के लिए कुछ खास कोड नंबरों का प्रयोग किया करते थे और उनका यह तरीका कम्प्यूटर पर सफलतापूर्वक काम भी करता था किन्तु उन्होंने इससे भी आगे कुछ करने की ठानी थी। दरअसल बर्नर्स ली एक ऐसा ग्लोबल प्रोजेक्ट बनाना चाहते थे, जिसकी मदद से दुनिया के सभी कम्प्यूटरों को एक व्यापक सूचना तंत्र द्वारा जोड़ा जा सके और उन्हें अपने उद्देश्य में सफलता भी मिली। वह इंटरनेट के जरिये दुनियाभर के लोगों को सूचनाओं के एक विस्तुत नेटवर्क से जोड़ पाने में सफल हो गए। इस तरह इंटरनेट पर 'WWW' की शुरूआत 1991 में हुई। टिम बर्नर्स-ली को एक इंटरनेट-आधारित संचार प्रणाली विकसित करने में उनकी रचनात्मकता के लिए सम्मानित करने के लिए प्रतिवर्ष 1 अगस्त को 'वर्ल्ड वाइड वेब दिवस' मनाया जाता है। 1993 में इंटरनेट पर 'टेक्सट' के साथ-साथ पिक्चर्स व ग्राफिक्स का प्रसारण भी शुरू हो गया, जिससे धीरे-धीरे इसकी लोकप्रियता बढ़नी शुरू हो गई और आज इंटरनेट की लोकप्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या आज दुनिया भर में करोड़ों में हैं।

वैसे तो आज दुनियाभर में हर कोई इस बात से परिचित है कि इंटरनेट ज्ञान और मनोरंजन का खजाना है पर आपको यह खजाना खोजना भी तो आना चाहिए। दरअसल वर्ल्ड वाइड वेब पर एक ही विषय पर महत्वपूर्ण जानकारियों के असंख्य पृष्ठ भरे पड़े हैं, यदि आपको उनमें से अपने मतलब की जानकारी खोजने का तरीका ही मालूम नहीं हो तो आपके लिए यह सब किस काम के? मान लिया जाए कि जिस विषय पर आपको किसी जानकारी की आवश्यकता है, उससे संबंधित कुछ वेबसाइटों की आपको जानकारी भी है लेकिन यदि उन वेबसाइटों पर आपके मतलब की जानकारी न मिले, तब आप क्या करेंगे?

गाली की राजनीति : लोकतंत्र की सबसे खतरनाक बीमारी

जितेंद्र अग्रवाल

लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, विरोध होना आवश्यक है और सत्ता से सवाल पूछना विपक्ष का संवैधानिक दायित्व है। लेकिन जब विरोध की भाषा गाली-गलौज, अश्लीलता और व्यक्तिगत अपमान में बदल जाती है, तब वह लोकतंत्र नहीं, बल्कि राजनीतिक दिवालियापन का प्रमाण बन जाती है। हाल के दिनों में कुछ नेताओं द्वारा यह कहना कि प्रधानमंत्री कोई भगवान नहीं हैं, अगर किसी ने गाली दे दी तो वह हल्का-फुल्का मजाक है न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात है। कोई भी यह नहीं कहता कि प्रधानमंत्री भगवान हैं। प्रधानमंत्री भी एक नागरिक हैं, उनसे असहमति हो सकती है, उनके निर्णयों की कठोर आलोचना भी हो सकती है। लेकिन क्या इसका अर्थ यह है कि देश के सर्वोच्च निर्वाचित पद पर बैठे व्यक्ति के लिए गाली-गलौज को सामान्य बना दिया जा

मजाक और अभद्रता में जमीन-आसमान का अंतर होता है। हास्य समाज को जोड़ता है, जबकि गाली समाज को तोड़ती है। यदि कोई राजनीतिक दल या उसका प्रवक्ता गाली को लोकतांत्रिक अधिकार बताने लगे, तो यह आने वाली पीढ़ियों को गलत संदेश देने जैसा है। आज के युवा राजनीति से संवाद नहीं, बल्कि दुश्मनी और नफरत सीखेंगे।प्रधानमंत्री का पद किसी मजाक के लिए नहीं होता। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए ऐसी भाषा को उचित ठहराया जा रहा है, तो कल जब कोई दूसरा नेता इस पद पर होगा, तब क्या वही लोग उसके लिए भी यही मानदंड स्वीकार करेंगे? लोकतंत्र व्यक्ति से नहीं, संस्थाओं और पदों की गरिमा से चलता है। प्रधानमंत्री किसी दल का ही नहीं, पूरे भारत का प्रधानमंत्री होता है। यदि किसी प्रदर्शन में प्रधानमंत्री के खिलाफ अशोभनीय नारे लगे हैं, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। वहीं यदि कोई यह आरोप लगाता है कि उपद्रव करने वाले किसी विशेष संगठन के लोग थे, तो उसके समर्थन में ठोस प्रमाण भी प्रस्तुत करने चाहिए। साथ ही उन पर कड़ी कारवाही कि बात होनी चाहिए। यदि एक तरफ उक्त आरोप तो दूसरी ओर उपद्रव मचाने वाले आंदोलकारियों पर किसी भी कारवाही न करने कि शर्त लगाना सारे झूठ का पर्दाफाश कर रहा है। कानून का राज आरोपों से नहीं, तथ्यों और साक्ष्यों से चलता है।

देश की राजनीति को यह समझना होगा कि सत्ता आती-जाती रहती है, लेकिन लोकतांत्रिक परंपराएं और संवैधानिक मर्यादाएं स्थायी होती हैं। यदि आज राजनीतिक लाभ के लिए मर्यादाओं को तोड़ा जाएगा, तो कल वही अराजकता सबके दरवाजे पर दस्तक देगी। देश बचेगा, लोकतंत्र बचेगा और संवैधानिक संस्थाओं का सम्मान बना रहेगा, तभी राजनीतिक दल भी सुरक्षित रहेंगे और सत्ता परिवर्तन की लोकतांत्रिक प्रक्रिया भी मजबूत होगी। गाली से वोट मिल सकते हैं या नहीं, यह राजनीति तय करेगी; लेकिन गाली से लोकतंत्र कभी मजबूत नहीं होता। आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल, चाहे सत्ता पक्ष हों या विपक्ष, अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को संयमित भाषा का संदेश दें। विचारों की लड़ाई विचारों से लड़ी जाए, शब्दों की मर्यादा के साथ लड़ी जाए। क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत बहस है, सबसे बड़ी कमजोरी गाली। राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र की पहचान हैं, लेकिन राजनीतिक पतन की शुरुआत तब होती है जब तर्क समाप्त हो जाते हैं और गालियां शुरू हो जाती हैं।

लोकतंत्र की आड़ में अराजकता नहीं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यहां एक सामान्य नागरिक भी देश के प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग कर सकता है, सरकार की नीतियों का विरोध कर सकता है और अपनी असहमति सार्वजनिक रूप से व्यक्त कर सकता है। यही लोकतंत्र की वास्तविक पहचान है। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल अधिकारों का नाम नहीं, बल्कि मर्यादा, अनुशासन और संवैधानिक सीमाओं का भी नाम है। जब विरोध अपनी सीमाएं लांघने लगता है, तब वह लोकतंत्र को मजबूत नहीं, बल्कि कमजोर करता है।

हाल के घटनाक्रमों में जिस प्रकार संसद में घुसने, प्रधानमंत्री को गोली मारने जैसी कथित धमकियों की बातें सामने आईं, वे अत्यंत गंभीर हैं। यदि ऐसे बयान वास्तव में दिए गए हैं, तो उनकी निष्पक्ष और कठोर जांच होनी चाहिए। यदि किसी आंदोलन में देशविरोधी या विदेशी प्रभाव वाले तत्व सक्रिय पाए जाते हैं, तो उनके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होना भी आवश्यक है। लोकतंत्र में हिंसा या हिंसा की धमकी का कोई स्थान नहीं हो सकता।

लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे अधिक चिंता उस समय हुई, जब देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास के बाहर धरना-प्रदर्शन का रास्ता चुना। सरकार की नीतियों का विरोध करना उसका अधिकार है, किंतु प्रधानमंत्री का आधिकारिक निवास किसी दल विशेष का कार्यालय नहीं, बल्कि देश के सर्वोच्च निर्वाचित कार्यपालिका प्रमुख का सुरक्षित परिसर है। वहां विरोध-प्रदर्शन की परंपरा शुरू करना लोकतांत्रिक मर्यादाओं की दृष्टि से उचित नहीं माना जा सकता।

यह प्रश्न केवल आज के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नहीं है। कल यदि किसी अन्य दल का नेता प्रधानमंत्री बनेगा, तब भी यही सुरक्षा व्यवस्था और यही गरिमा बनी रहेगी। यदि आज इस प्रकार के प्रदर्शन को सामान्य राजनीतिक तरीका मान लिया जाता है, तो भविष्य में हर सरकार के सामने यही स्थिति उत्पन्न होगी। इससे राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का स्तर और नीचे जाएगा तथा सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस जैसी अनुभवी और लंबे लोकतांत्रिक इतिहास वाली पार्टी से अपेक्षा की जाती है कि वह विरोध की ऐसी परंपराओं का नेतृत्व करे जो संविधान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को मजबूत करें, न कि ऐसे उदाहरण स्थापित करें जिनका दुरुपयोग भविष्य में कोई भी राजनीतिक दल कर सके। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा की रक्षा करना भी है। आज कुछ लोग यह कहने लगे हैं कि अब फैसले संसद में नहीं, बल्कि सड़कों पर होंगे। यह विचार सुनने में भले आकर्षक लगे, लेकिन किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं है। संसद, न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाएं यदि कमजोर होंगी, तो अंततः सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक को ही होगा। सड़क जनभावना व्यक्त करने का माध्यम हो सकती है, लेकिन शासन और निर्णय का विकल्प नहीं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संयम है। सत्ता बदलती रहती है, सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन राष्ट्र सर्वोपरि रहता है। यदि राजनीतिक दल अपने तात्कालिक लाभ के लिए ऐसी परंपराओं को जन्म देंगे जो राष्ट्रीय सुरक्षा और संवैधानिक मर्यादाओं पर प्रश्नचिह्न लगाएं, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए याद करेंगी, मजबूत करने के लिए नहीं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों यह संकल्प लें कि राजनीतिक संघर्ष कितना भी तीखा क्यों न हो, वह संविधान की मर्यादा, राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा से कभी ऊपर नहीं होगा। यही परिपक्व लोकतंत्र की पहचान है और यही भारत जैसे महान लोकतंत्र की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

सामाजिक सद्भाव की परीक्षा और नेपाल सरकार की विफलता

अशोक भाटिया

नेपाल, जिसे दुनिया बुद्ध की शांति-भूमि और बहुसांस्कृतिक सह-अस्तित्व के एक अनुपम उदाहरण के रूप में जानती है, आज एक गंभीर सामाजिक और प्रशासनिक संकट के मुहाने पर खड़ा है। भारत के बिहार राज्य की सीमा से सटे सुनसरी जिले के कप्तानगंज से शुरू हुई चिंगारी ने देखते ही देखते मधेश और कोशी प्रांत के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया है। सावन के पवित्र महीने में पारंपरिक बोलबम/कांवड़ यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर बजाने और धार्मिक झंडों के प्रदर्शन को लेकर उपजा एक मामूली सा विवाद आज एक भयावह सांप्रदायिक हिंसा का रूप अख्तियार कर चुका है। इस हिंसा में अब तक तीन बेगुनाह नागरिकों-ओम प्रकाश मेहता, जय प्रकाश मेहता और गणेश यादव-की जान जा चुकी है, जबकि दर्जनों सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक गंभीर रूप से घायल हैं। कई जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं पर आंशिक पाबंदी और सड़कों पर गश्त करती सेना इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि नेपाल का सामाजिक ताना-बाना इस समय अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है।

यह विवाद 26 जुलाई 2026 की रात सुनसरी जिले की देवानगंज ग्रामीण नगरपालिका के कप्तानगंज इलाके में तब शुरू हुआ, जब दो अलग-अलग समुदाय अपने धार्मिक आयोजन कर रहे थे। एक पक्ष की धार्मिक यात्रा के दौरान लाउडस्पीकर की आवाज और प्रतीकों के प्रदर्शन को लेकर दोनों गुटों में तीखी बहस हुई, जो जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। स्थानीय प्रशासन और खुफिया तंत्र की घोर लापरवाही के कारण इस शुरुआती विवाद को समय रहते शांत नहीं किया जा सका। स्थिति तब और अनियंत्रित हो गई जब उग्र भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को बल प्रयोग और गोलीबारी का सहारा लेना पड़ा, जिसमें एक स्थानीय युवक की मौत हो गई। इस मौत की खबर आग की तरह फैली और इसने सुलगते असंतोष को पूरे क्षेत्र में भड़का दिया। इसके बाद हिंसा का यह दौर सुनसरी से निकलकर सिराहा, धनुषा, पर्सा और जनकपुरधाम जैसे प्रमुख व्यावसायिक और सांस्कृतिक केंद्रों तक पहुंच गया। कई स्थानों पर आगजनी, तोड़फोड़ और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। दरअसल यह हिंसा केवल दो समुदायों की आपसी कट्टरता का परिणाम नहीं है, बल्कि यह नेपाल के प्रशासनिक और सुरक्षा तंत्र की एक बहुत बड़ी विफलता है। सुरक्षा मामलों के जानकारों और पूर्व अधिकारियों का भी मानना है कि सुनसरी की घटना से काफी पहले ही तराई के इलाकों में सांप्रदायिक तनाव के स्पष्ट संकेत मिल रहे थे। लेकिन स्थानीय प्रशासन, नेपाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने इन चेतावनियों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। जब कोई संवेदनशील धार्मिक त्योहार या यात्रा आयोजित होती है, तो प्रशासन का यह प्राथमिक कर्तव्य होता है कि वह पहले से ही दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठकें करे, रूट तय करे और लाउडस्पीकर जैसे संवेदनशील मुद्दों पर कड़े नियम लागू करे। कप्तानगंज में ऐसा कोई पूर्व-नियोजित प्रयास दिखाई नहीं दिया। इसके अलावा, जब हिंसा भड़की, तो केंद्र सरकार की ओर से त्वरित राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप बेहद देरी से हुआ। पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' सहित कई सांसदों ने संसद में सरकार को आड़े हाथों लेते हुए सवाल उठाया है कि जब मधेश जल रहा था, तब देश के शीर्ष नेतृत्व ने सर्वदलीय बैठक और शांति बहाली के प्रयासों में इतनी देरी क्यों की।

तराई-मधेश क्षेत्र में भड़की इस हिंसा का प्रभाव केवल नेपाल की आंतरिक सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने भारत-नेपाल की खुली सीमा की संवेदनशीलता और दोनों देशों के बीच चलने वाले द्विपक्षीय व्यापारिक गलियारे के सामने भी गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। सुनसरी, पर्सा और सिराहा जैसे अशांत जिले भारत के बिहार राज्य के सीमावर्ती इलाकों से सीधे जुड़े हुए हैं। इस भू-राजनीतिक जुड़ाव के कारण नेपाल में उपजा कोई भी सांप्रदायिक या सामाजिक तनाव बहुत तेजी से सीमा पार भारतीय क्षेत्रों को भी प्रभावित कर सकता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में अचानक बढ़े इस तनाव को देखते हुए भारत के सशस्त्र सीमा बल और नेपाल सशस्त्र पुलिस बल को हाई अलर्ट पर रहना पड़ रहा है, जिससे दोनों देशों के बीच नागरिकों की सामान्य आवाजाही और आपसी सामाजिक रिश्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे भी बड़ा संकट आर्थिक मोर्चे पर दिखाई दे रहा है। रक्सौल-वीरगंज, जोगबनी-विराटनगर और जयनगर-जनकपुर जैसे प्रमुख व्यापारिक मार्ग नेपाल की जीवनरेखा माने जाते हैं। नेपाल अपनी दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं, ईंधन, दवाओं और औद्योगिक कच्चे माल के लिए 70 प्रतिशत से अधिक भारत से होने वाले आयात पर निर्भर है। मधेश में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू, सड़कों पर तोड़फोड़ और असुरक्षा के माहौल के कारण मालवाहक ट्रकों के पहिए थम गए हैं। सीमा पार माल की आवाजाही रुकने से नेपाल के बाजारों में आवश्यक वस्तुओं की किल्लत होने लगी है, जिससे महंगाई बेलगाम होने का खतरा पैदा हो गया है। लंबे समय तक चलने वाली ऐसी अशांति दोनों देशों के बीच प्रस्तावित और निर्माणाधीन रणनीतिक आर्थिक गलियारों, रेलवे कनेक्टिविटी परियोजनाओं और व्यापारिक बुनियादी ढांचों के विकास की गति को धीमा कर देती है।

कोई भी बड़ा औद्योगिक घराना या विदेशी निवेशक ऐसे अशांत क्षेत्रों में पूंजी लगाने से कतराता है। यदि नेपाल सरकार ने इस हिंसा पर तुरंत काबू पाकर सीमावर्ती व्यापारिक मार्गों को पूरी तरह सुरक्षित और सुचारू नहीं किया, तो पहले से ही नाजुक दौर से गुजर रही नेपाल की अर्थव्यवस्था को ऐसा गहरा आर्थिक झटका लग सकता है, जिससे उबरने में देश को लंबा समय लगेगा। साल 2008 में राजशाही की समाप्ति के बाद नेपाल को एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र घोषित किया गया था। सदियों से नेपाल में हिंदू, मुस्लिम, बौद्ध और किरात समुदाय के लोग आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक तालमेल के साथ रहते आए हैं। विशेषकर भारत से सटे तराई-मधेश क्षेत्र की एक अनूठी पहचान रही है, जहां सीमा के दोनों ओर के सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध समाज को एक सूत्र में बांधकर रखते हैं। परंतु, पिछले कुछ समय से इस शांत सामाजिक धरातल के नीचे सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की एक खतरनाक राजनीति पनपती हुई दिख रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नफरत फैलाने वाले भाषणों, अफवाहों और भड़काऊ वीडियोज ने इस आग में घी डालने का काम किया है। उपद्रवी तत्वों द्वारा इस संवेदनशील स्थिति का फायदा उठाकर व्यापारिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना और समाज में डर का माहौल पैदा करना यह दर्शाता है कि इस हिंसा के पीछे कुछ निहित स्वार्थी तत्व सक्रिय हैं, जो नेपाल की राष्ट्रीय एकता और अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं। चार दिनों के भारी तनाव और चौतरफा दबाव के बाद प्रधानमंत्री बालिंद्र (बालेन) शाह ने अंततः राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने देशवासियों से धैर्य, सहिष्णुता और आपसी सद्भाव बनाए रखने की भावुक अपील की है।

बढ़ते अरबपति गतिशील इकोनोमी के परिचायक

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक बात तो साफ हो जानी चाहिए कि देश की इकोनोमी में तेजी से बदलाव देखा जा रहा है। केन्द्र सरकार द्वारा पिछले दिनों में संसद में प्रस्तुत आंकड़ों का ही विश्लेषण करें तो दो बातें साफ हो जाती है कि देश में अरबपतियों की संख्या में बेतहासा बढ़ोतरी हो रही है तो दूसरी और इंकमटैक्स रिटर्न भरने वालों की भी संख्या में इजाफा हो रहा है। संसद में पेश आंकड़ों के विश्लेषण से यह साफ हो रहा है कि आयकर रिटर्न में 100 करोड़ से अधिक की आय बताने वालों की संख्या 2021-22 की 142 से बढ़कर 576 हो गई है। आयकर रिटर्न के अनुसार पिछले सालों एक अरब से अधिक आय वालों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इसे गतिशील अर्थ व्यवस्था का परिचायक माना जा सकता है। पिछले पांच साल के आंकड़ों का ही विश्लेषण किया जाएं तो देश में बेरोजगारी की दर में भी कमी आई है। हांलाकि सरकार इसके लिए अपनी लोककल्याणकारी नीतियों को श्रेय देती है। आयकर प्रक्रिया में सुधार, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से सीधा लाभ, खाद्य, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, परिवहन , पानी बिजली आदि आदि की जनहितकारी योजनाओं और निवेशोन्मुखी माहौल से देष में तेजी से सुधार का माहौल बना है। हांलाकि देश के कुल परिसंपत्तियों में 50 फीसदी से अधिक लोग केवल 2 प्रतिशत की ही हिस्सेदारी रखते हैं। अच्छी बात यह है कि आज की युवा पीढ़ी सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ रही है और युवकों के साथ ही महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ रही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक पक्ष यह है कि समन्वित प्रयासों से अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नए क्षेत्रों को तेजी से व योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा दिया गया है।

परंपरागत क्षेत्रों के साथ ही नए क्षेत्रों में अवसर खुले हैं और इसका सबसे अधिक लाभ युवा पीढ़ी उठा रही है। एक आंकड़े के अनुसार 425 करोड़ से अधिक की संपत्ति वाले 3040 में से 1696 ऐसे उद्यमी है जो नई पीढ़ी और पहली पीढ़ी के हैं। नई पीढ़ी से मतलब यह है कि यह वे नए लोग है जो पंरपरागत या धनकुबेरों के परिवारों से नहीं आते अपितु अपने स्तर पर इस मुकाम पर पहुंचने वाले हैं। यही अर्थव्यवस्था का सकारात्मक पक्ष हो जाता है। सरकारी नीतियों और युवाओं में नया करने की ईच्छा शक्ति का परिणाम है कि नए क्षेत्रों में स्टार्टअप या एमएसएमई के मध्यम से युवाओं ने पहल की और अर्थ व्यवस्था को गति देने के साथ ही निवेश, रोजगार के अवसर विकसित किये। सरकार ने भी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन यानि की पीएलआई से युवाओं को जोड़कर कुछ नया करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके परिणाम भी अच्छे प्राप्त हुए हैं। साल दर साल आयकर रिटर्न भरने वाले और आयकर देने वालों की संख्या में बढ़ोतरी इसका उदाहरण है। यह सब सरकार की सकारात्मक नीतियों से ही संभव हो सकता है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सरकार की नीतियों का अर्थ व्यवस्था को गति देने में खास भूमिका होती है। आज दुनिया के देशों में ईज ऑफ डूइंग पर जोर दिया जा रहा है। देशों में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष और देशी विदेशी निवेश बहुत कुछ सरकार की नीतियों पर निर्भर करता है। बुनियादी ढांचा विकास, उद्योगों को प्रोत्साहन, सेवा क्षेत्र में विस्तार, स्टार्टअप्स को बढ़ावा, जीएसटी एक देश एक कर की नीति, डिजिटल भुगतान और विनिर्माण क्षेत्र में विस्तार से औद्योगिक माहौल बनता है। एक बात और की एमएसएमई आर्थिक विकास की रीढ होती है। इसे ग्रोथ इंजन भी कहा जा सकता है क्योंकि इससे अर्थ व्यवस्था को गति मिलती है तो स्थानीय स्तर पर बड़ी मात्रा में रोजगार के अवसर भी एमएसएमई सेक्टर में ही विकसित होते हैं। यही कारण है प्रोडक्सन लिंक इंसेटिंव जैसी योजनाओं और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने से युवा रोजगार मांगने की जगह रोजगार प्रदाता बनने का सपना देखता है और इसमें कोई दे राय नहीं कि एमएसएमई सेक्टर में अधिक रोजगार के अवसर विकसित होते हैं। अर्थ व्यवस्था को गति मिलती है। हांलाकि बड़े उद्योगों का अपना महत्व हे और उससे इंकार नहीं किया जा सकता। एक और बात यह है कि देश में निवेशोन्मुखी माहौल बन रहा है। राज्यों द्वारा अब निवेशकों को आकर्षित और आमंत्रित करने के लिए अन्य राज्यों के साथ ही प्रोस्पेक्टिव विदेशों में रोड शो सहित विभिन्न आयोजन कर निवेश का माहौल बनाया जाता है। राज्यों द्वारा निवेश सम्मेलन और निवेशकों को आमंत्रित करने के लिए आयोजन आम होते जा रहे हैं। इसके परिणाम भी आने लगे हैं। यह भी साफ है कि उद्योग लगाने के लिए निवेश आयेगा तो रोजगार, कारोबार के साथ ही नई तकनीक और इसके साथ ही अन्य कई चीजें आयेगी और उसका लाभ देश और देश की अर्थ व्यवस्था को ही मिलेगा।सवाल एक और उभरता है कि अमीर-गरीब की खाईं अधिक गहरी नहीं होनी चाहिए। सकारात्मक पक्ष यह है कि रोजगार और रोजगार के अवसर बढ़े हैं। नागरिकों की आय बढने लगी है और इसका समाज के समग्र विकास पर असर पड़ता है। आय बढ़ेगी या रोजगार उपलब्ध होगा तो रहन-सहन, जीवन यापन के स्तर में सुधार होगा। लोगों की आय बढ़ेगी और आय से बाजार में मांग आपूर्ति में बदलाव आयेगा और इससे इकोनोमी को गति मिलेगी।

राशन कार्ड पर लगा अंगूठा

डॉ सुरेश कुमार मिश्रा

कस्बे की अनाज मंडी के नुक्कड़ पर बनी सरकारी राशन की दुकान हर महीने की पहली तारीख को किसी मेले जैसी नजर आती थी जहाँ भूखे पेट और सूखी उम्मीदों का हुजूम भोर से ही अपनी बारी के इंतजार में खड़ा हो जाता था। उसी लंबी कतार के सबसे कोने में जर्जर शरीर और हाथों में खाली थैला थामे हरगोविंद दादा रोज आकर खड़े हो जाते थे। गाँव भर के लोग जानते थे कि दादा की आँखों की रोशनी भले ही मंद पड़ चुकी थी लेकिन उनके स्वाभिमान का चिराग अब भी उतनी ही कड़कड़ाहट के साथ जलता था। दादा जब भी अपनी लाठी के सहारे धीरे-धीरे राशन की दुकान की सीढ़ियों की तरफ कदम बढ़ाते तो कोटेदार सियाराम अपनी चश्मे की आड़ से लालच भरी निगाहों से उनके खाली थैले को ताकने लगता था। सियाराम का नियम था कि जब तक मशीन पीं-पीं की आवाज न करे और डिजिटल पर्ची बाहर न निकल आए तब तक वह किसी को एक दाना अनाज भी नहीं देता था। दादा कई महीनों से लगातार दुकान के चक्कर काट रहे थे लेकिन हर बार राशन की बोरी छुए बिना ही उन्हें वापस खाली हाथ अपने घर लौटना पड़ता था।

मोहल्ले के लोग जब उनसे पूछते कि दादा आज भी गेहूं नहीं मिला क्या तो दादा बस एक हल्की सी फीकी मुस्कान तैरने देते और अपनी कांपती आवाज में कहते सियाराम सरकारी कारिंदा है भाई, जब तक बही-खाते की खानापूरी पूरी नहीं होगी वह अपने घर से तो अनाज बाँटेगा नहीं, सरकारी फेर है थोड़ा वक्त तो लगेगा ही। मंडी के लोग दादा की इस लगन को देखकर अक्सर आपस में तरह-तरह की कानाफूसी किया करते थे क्योंकि सबको पता था कि दादा के परिवार में अब उनके सिवा कोई बचा ही नहीं था। सियाराम भी हर बार मशीन के सामने खड़े होकर दादा को नीचा दिखाने का कोई मौका नहीं छोड़ता था और चिल्लाकर कहता था दादा तुम्हारी उम्र नब्बे पार हो गई है पर तुम्हारी जिद अभी तक कम नहीं हुई, जब तक यह मशीन तुम्हारी हाजिरी को सही नहीं मानेगी तब तक मैं तुम्हें राशन का एक दाना भी नहीं दे सकता। दादा सियाराम की बात सुनकर बिल्कुल भी बुरा नहीं मानते थे और बहुत ही अदब से हाथ जोड़कर कहते सियाराम भैया तुम तो नियम धर्म से चलने वाले इंसान हो, मुझे तुमसे कोई शिकायत नहीं है, बस इस मशीन की थोड़ी मेहरबानी हो जाए तो मेरे घर का बुझा हुआ चूल्हा भी जल उठेगा। सियाराम अपने मुंशी से कहता कि दादा का नाम रजिस्टर में दर्ज कर लो और अगली बार फिर आने को कह दो। गाँव के नवयुवक अक्सर दादा को समझाते थे कि आप इस उम्र में धूप और धूल में क्यों इतना परेशान होते हैं, सरकार को बुजुर्गों के लिए कोई आसान रास्ता निकालना चाहिए। दादा उनकी बात सुनकर मुस्कुराते और कहते बेटा हक की रोटी माँगने में कैसी परेशानी, जब शरीर में सांसें चल रही हैं तो अपने हिस्से के अनाज के लिए हाथ फैलाना ही सही रास्ता है। राशन की दुकान पर लगी उस आधुनिक काली बायोमीट्रिक मशीन की स्क्रीन पर लाल बत्ती जलती थी और वह हर महीने दादा के संयम का इम्तिहान लेती थी।

टीम इंडिया के लिए खुशखबरी! बुमराह पूरी तरह फिट श्रीलंका के खिलाफ दोनों टेस्ट खेलने की मिली मंजूरी

भारतीय क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरे से पहले बड़ी राहत मिली है। तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अनिवार्य फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। इसके साथ ही वह अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए पूरी तरह फिट घोषित कर दिए गए हैं। बुमराह को हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान प्रभाव (इम्पैक्ट) चोट लगी थी। इसी वजह से उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे वनडे से बाहर बैठना पड़ा था। हालांकि अब मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है।

बीसीसीआई अधिकारी ने क्या कहा?

बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई से कहा, 'जसप्रीत बुमराह अपनी इम्पैक्ट इंजरी से पूरी तरह उबर चुके हैं। उन्होंने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा निर्धारित सभी फिटनेस टेस्ट पास कर लिए हैं। उम्मीद है कि वह दोनों टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे, क्योंकि वह टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा हैं।'

15 अगस्त से शुरू होगी टेस्ट सीरीज

भारत और श्रीलंका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। दूसरा और अंतिम टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में होगा।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में अहम होगी यह सीरीज

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में भारत के लिए यह सीरीज बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए टीम इंडिया को अपने बचे हुए नौ टेस्ट मैचों में से कम से कम सात जीतने होंगे। ऐसे में श्रीलंका के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतने का लक्ष्य भारतीय टीम के लिए काफी अहम होगा। इसके बाद भारत को न्यूजीलैंड के कठिन विदेशी दौरे पर भी जाना है।

चोटों से जूझ रही है टीम इंडिया

हालांकि बुमराह की वापसी राहत लेकर आई है, लेकिन भारतीय टीम अभी भी कई चोटों से परेशान है।

हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हैं।

नीतीश रेड्डी क्वाड्रिसेप्स चोट से उबर रहे हैं।

वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के चलते पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

आकाश दीप पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन के कारण लंबे समय से टीम से बाहर हैं। ऐसे में बुमराह का फिट होना भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देगा और टीम प्रबंधन के लिए बड़ी राहत साबित होगा।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाने पर भड़के हर्षा भोगले, बोले- आखिर सोच क्या है?

दलीप ट्रॉफी 2026-27 के लिए ईस्ट जोन की टीम में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को उपकप्तान बनाए जाने का फैसला चर्चा का विषय बन गया है। युवा बल्लेबाज को ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम का उपकप्तान बनाए जाने पर कई पूर्व क्रिकेटरों और विशेषज्ञों ने हैरानी जताई है। मशहूर क्रिकेट कमेंटेटर हर्षा भोगले भी इस फैसले से सहमत नजर नहीं आए।

हर्षा भोगले ने क्या कहा?

हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि वैभव सूर्यवंशी को सीनियर रेड-बॉल टीम का उपकप्तान बनाने के पीछे क्या सोच रही होगी। उन्होंने 12 पारियों में 17.25 की औसत से 207 रन बनाए हैं। उनकी प्रतिभा असाधारण है, लेकिन रेड-बॉल क्रिकेट में अभी उनके सीखने की शुरुआत ही हुई है।'

रेड-बॉल क्रिकेट में अभी सीमित अनुभव

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर तेजी से पहचान बनाई है। हालांकि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनका अनुभव अभी काफी कम है। उन्होंने अब तक आठ प्रथम श्रेणी मैचों में 207 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका सर्वोच्च स्कोर 93 रन रहा है। ऐसे में दलीप ट्रॉफी जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में उन्हें उपकप्तानी सौंपने के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं।

ईशान किशन करेंगे कप्तानी

ईस्ट जोन टीम की कप्तानी विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन को सौंपी गई है, जबकि वैभव सूर्यवंशी उपकप्तान होंगे। बल्लेबाजी क्रम में वैभव के अनुभवी बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है।

अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम

ईस्ट जोन की टीम में भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार भी शामिल हैं, जिससे गेंदबाजी आक्रमण मजबूत नजर आ रहा है।

ईस्ट जोन टीमः ईशान किशन (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी (उपकप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, सुदीप घरामी, मोहम्मद शमी, मुकेश कुमार, शाहबाज अहमद, सूरज जायसवाल, विराट सिंह, कुमार कुशाग्र, शिखर मोहन, शुभ्रांशु सेनापति, अभिजीत सरकार, अनुकूल रॉय और डेनीश दास।

2022 में पिछला वनडे खेलने वाले भुवनेश्वर को टीम में वापस चाहते हैं अश्विन

वनडे विश्वकप 2027 का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आईसीसी ने गुरुवार रात वेन्यू की घोषणा कर दी। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले 2027 वनडे विश्व कप के लिए 12 वेन्यू तय कर लिए गए हैं। सह-मेजबान दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियम इन खेलों की मेजबानी करेंगे। जिम्बाब्वे के तीन और नामीबिया का एक शहर अगले साल होने वाले इस वैश्विक टूर्नामेंट के मुकाबलों की मेजबानी करेंगे। टीम इंडिया समेत सभी देश इस टूर्नामेंट की तैयारी में जुट गए हैं। टीमों ने सही प्लेइंग-11 की खोज भी शुरू कर दी है। हालांकि, भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन भारत की मौजूदा वनडे टीम में एक स्टार को जोड़ना चाहते हैं। इस स्टार ने 2022 में अपना पिछला वनडे खेला था।

भुवनेश्वर को टीम में वापस चाहते हैं अश्विन

अश्विन को लगता है कि भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को 2027 वनडे विश्वकप के लिए टीम इंडिया में शामिल किया जाना चाहिए। भुवी ने आईपीएल 2025 और 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2026 के सीजन में तो उन्होंने 28 विकेट लिए। बीसीसीआई फिलहाल तेज गेंदबाजों के विकल्प तैयार कर रहा है और ऐसे में अश्विन चाहते हैं कि टीम से बाहर चल रहे भुवी को एक और मौका मिलना चाहिए। अश्विन को लगता है कि दक्षिण अफ्रीका के

मैदान पर भुवनेश्वर एक शानदार विकल्प साबित हो सकते हैं। अश्विन चाहते हैं कि 2027 वनडे विश्वकप से भुवनेश्वर को तैयारी के लिए कुछ बड़े टूर्नामेंट्स में खिलाना चाहिए।

अश्विन ने भुवनेश्वर को लेकर क्या कहा?

अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार के लिए मेरा जवाब- हां है। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें प्रथम श्रेणी क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी घरेलू टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा। उन्हें दक्षिण अफ्रीका जाने के लिए पूरी तरह तैयार करना चाहिए। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

पहले टेस्ट में तीन स्पिनरों के साथ उतरने की सलाह

इससे पहले अश्विन ने श्रीलंका के खिलाफ गॉल में 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) सीरीज के पहले टेस्ट में भारत को तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ उतरने की सलाह दी थी। उन्होंने कहा, 'रवींद्र जडेजा तो निश्चित रूप से खेलेंगे। मानव सुथार ने पिछले मैच में सात विकेट लिए थे, इसलिए वह भी खेलेंगे। कुलदीप यादव को भी टीम में होना चाहिए। यानी तीन स्पिनर होंगे। मेरा मानना है कि नंबर-सात पर सारांश जैन को खिलाना चाहिए। इससे नंबर-पांच पर ऋषभ पंत, नंबर-चार पर शुभमन गिल, नंबर-तीन पर देवदत्त पडिक्कल या साई सुदर्शन, जबकि यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल शीर्ष क्रम में होंगे। इसके बाद दो तेज गेंदबाजों के लिए जगह बचेगी।'

जडेजा की वापसी से स्पिन आक्रमण मजबूत

भारत की टेस्ट टीम में रवींद्र जडेजा की वापसी हुई है। टेनिस एल्बो की चोट के कारण वह आईपीएल के बाद से टीम से बाहर थे। वहीं, पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करने वाले मानव सुथार ने अपनी जगह बरकरार रखी है, जबकि कुलदीप यादव भी चयन के लिए उपलब्ध हैं। श्रीलंका की स्पिन मददगार पिचों को देखते हुए भारतीय टीम के पास स्पिन गेंदबाजी के कई मजबूत विकल्प मौजूद हैं।

साई सुदर्शन की फिटनेस को बताया अहम

अश्विन ने युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की फिटनेस को भी भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताया। उनका मानना है कि अगर सुदर्शन पूरी तरह फिट रहे तो वह श्रीलंका में भारत के लिए बड़ा हथियार साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'मुझे लगता है कि भारत के लिए सबसे बड़ा नुकसान साई सुदर्शन की फिटनेस हो सकती है। उन्होंने हाल ही में इंडिया-ए सीरीज में दो शतक लगाए थे, जिनमें से एक गॉल में आया था। वहां की परिस्थितियां अलग होती हैं। हवा, गेंद का टर्न और एंगल को समझने में समय लगता है, लेकिन उन्होंने वहां शतक बनाया। अगर वह फिट रहते हैं तो भारत को बड़ा फायदा होगा। उनका आत्मविश्वास भी ऊंचा होगा। श्रीलंका हमेशा स्पिन पर निर्भर रहता है और साई स्पिन के अच्छे बल्लेबाज हैं। इसलिए वह टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि वह फिट होंगे और यह कोई बड़ा झटका नहीं बनेगा।'

कोच सैमी पर भड़के अल्जारी जोसेफ, बयान को कहा विवादास्पद; बताया पाकिस्तान के खिलाफ क्यों नहीं खेले

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जा रही है। वेस्टइंडीज ने ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेले गए पहले टेस्ट में पाकिस्तान को 90 रन से हराकर सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ इस सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा नहीं हैं। जोसेफ ने पाकिस्तान के खिलाफ उनके सीरीज से बाहर रहने की जो वजह हेड कोच डैरेन सैमी द्वारा दी गई है, उस पर हैरानी जताई है।

सैमी के बयान पर उठा विवाद

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा था कि अल्जारी जोसेफ ने खेलने से मना कर दिया था। सैमी द्वारा बयान दिए जाने के कई दिन बाद जोसेफ ने पलटवार किया है। जोसेफ ने सैमी के बयान को विवादास्पद और बिना किसी संदर्भ वाला बताया है। जोसेफ ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्होंने दो मैचों की सीरीज से बाहर रहने का फैसला इसलिए किया क्योंकि उनका शरीर पीठ के निचले हिस्से में बार-बार होने वाले स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण लंबे समय तक चोट से बाहर रहने के बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने की मुश्किलों के लिए तैयार नहीं था।

उन्होंने कहा, मेरी बात मुख्य कोच से हुई थी। मैंने क्रिकेट वेस्टइंडीज से भी

बात की थी। अगर आप ध्यान दें तो क्रिकेट वेस्टइंडीज द्वारा जारी बयान में मेरी बाहर रहने की वजह निजी बताई है। सैमी, जो लंबे समय से टीम में हैं, उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस बयान का क्या असर होता। ईमानदारी से कहूं तो मुझे सैमी के बयान के बारे में कुछ नहीं कहना है। उन्हें ठीक-ठीक पता है कि उस बयान का क्या अर्थ होता है और जनता में क्या बात बनती है।

जोसेफ बोले- दोस्त बनाने नहीं जाता

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, मैं पूरे एक साल से बाहर हूं। दूसरे स्ट्रेस फ्रैक्चर के बाद मैंने इतने लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा जोर नहीं दिया है। हमने यहां दो टेस्ट मैच खेलने, लगातार पांच वनडे (इस महीने की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ) खेलने और मेरे शरीर को कैसा महसूस हो रहा था, इस बारे में बात की और मुझे खुद पता था कि मेरा शरीर एक और टेस्ट सीरीज के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में सैमी का विवादित और बिना किसी संदर्भ वाला है।

इस विवाद के बाद सैमी के साथ पेशेवर संबंधों पर पड़ने वाले असर पर अल्जारी ने कहा, 'मैं वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, न कि डैरेन सैमी का। मैं वहां दोस्त बनाने नहीं जाता। एक पेशेवर खिलाड़ी हूं, तो निश्चित रूप से खेलूंगा।' यह विवाद तब शुरू हुआ जब क्रिकेट वेस्टइंडीज ने 23 जुलाई को पाकिस्तान टेस्ट सीरीज के लिए अपने स्क्वॉड का ऐलान किया। इसमें बताया गया कि जोसेफ 'निजी कारणों' से उपलब्ध नहीं हैं। एक दिन बाद, सैमी ने सबके सामने कहा कि जोसेफ को चुना गया था लेकिन उन्होंने चयन से मना कर दिया था।

कोहली और गिल समेत कई दिग्गजों ने अजिंक्य रहाणे के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद दी भावुक विदाई

भारतीय क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल अजिंक्य रहाणे के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद उन्हें क्रिकेट जगत से भावुक विदाई मिल रही है। 38 वर्षीय रहाणे ने 12 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहते हुए भारतीय क्रिकेट में एक यादगार अध्याय का अंत किया। उनके संन्यास के बाद रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल, रवि शास्त्री, सुरेश रैना, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और युवराज सिंह समेत कई दिग्गजों ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए उनके योगदान को याद किया।

रहाणे ने भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 5077 रन बनाए, जिसमें 12 शतक और 26 अर्धशतक शामिल रहे। उनकी कप्तानी में भारत ने 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2-1 से जीतकर इतिहास रचा था।

कोहली ने बताया पसंदीदा टेस्ट साझेदार

पूर्व कप्तान विराट कोहली ने रहाणे को भारतीय क्रिकेट का बेहतरीन खिलाड़ी बताते हुए उन्हें अपनी पसंदीदा टेस्ट साझेदारी का साथी बताया। 'जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई। आपने भारतीय क्रिकेट के लिए कमाल किया है और अपनी यात्रा पर गर्व कर सकते हैं। स्लिप में सबसे सुरक्षित हाथ और टेस्ट क्रिकेट में मेरे पसंदीदा बल्लेबाजी साथी रहे हो। ईश्वर हमेशा आपका भला करे।'

गिल ने कहा- आपने मुश्किल दौर में भरोसा दिलाया

मौजूदा टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रहाणे को आदर्श बताते हुए उनकी कप्तानी को याद किया। 'क्या शानदार करियर और क्या बेहतरीन रोल मॉडल। अज्जू भाई ने भारतीय क्रिकेट के सबसे कठिन दौर में टीम की कप्तानी की और हमें विश्वास दिलाया कि कुछ भी संभव है। मैदान के अंदर और बाहर मिली सीख के लिए धन्यवाद। नई पारी के लिए शुभकामनाएं।'

शास्त्री ने याद किया ऑस्ट्रेलिया का ऐतिहासिक दौराट

भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रहाणे को अपने कार्यकाल का अहम खिलाड़ी बताया। 'भारतीय क्रिकेट के सबसे समर्पित खिलाड़ियों में से एक। मेरे कोच रहते हुए वह टीम के अभिन्न सदस्य रहे और मुंबई तथा भारतीय क्रिकेट की शानदार सेवा की। बहुत बढ़िया जिंक्स।'

रैना, पंत, सूर्यकुमार और युवराज ने भी किया सम्मान

'क्या शानदार सफर रहा, जिंक्स। आपके साथ ड्रेसिंग रूम और मैदान साझा करना हमेशा खुशी की बात रही। आपकी विनम्रता, दृढ़ संकल्प और टीम के प्रति समर्पण ने सभी का सम्मान जीता। नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं।' ऋषभ पंतः 'अज्जू भाई, आपके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना शानदार अनुभव रहा। हर परिस्थिति में शांत, हर भूमिका में निस्वार्थ और उदाहरण पेश करने वाले नेता रहे। भारतीय क्रिकेट के लिए किए गए योगदान के लिए धन्यवाद।' सूर्यकुमार यादवः 'आपकी शांति, संघर्ष करने का जज्बा और खेल के प्रति समर्पण ने हम सभी को प्रेरित किया है। आपके करियर पर गर्व है। नई पारी के लिए शुभकामनाएं।'

युवराज सिंहः 'जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई। आपने हर प्रारूप में भारत का बेहतरीन प्रतिनिधित्व किया और कई बड़े मुकाबलों में सफल कप्तानी की। आगे की यात्रा के लिए ढेरों शुभकामनाएं।'

रहाणे की विरासत हमेशा रहेगी याद

रहाणे भले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा हो गए हों, लेकिन मेलबर्न का शतक, गाबा की ऐतिहासिक जीत, मुश्किल परिस्थितियों में उनकी शांत कप्तानी और विदेशी धरती पर उनकी यादगार पारियां भारतीय क्रिकेट इतिहास का हमेशा अहम हिस्सा रहेंगी।

रहाणे के संन्यास लेने पर पुजारा का भावुक पोस्ट, सहवाग से लेकर धवन तक की आई प्रतिक्रियां

भारत के पूर्व बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने अजिंक्य रहाणे के संन्यास पर प्रतिक्रिया करते हुए गुरुवार को कहा कि यह सीनियर बल्लेबाज अपने करियर पर बहुत गर्व कर सकता है। 38 वर्षीय रहाणे ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेलने के तीन साल बाद सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 2011 से 2023 तक कुल 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले।

पुजारा ने एक्स पर लिखा, 'रहाणे आपको ऐसे करियर के लिए बधाई जिस पर आप बेहद गर्व कर सकते हैं। आपके साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। आपको और आपके परिवार को नई पारी के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।' भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा, एक शानदार करियर का अंत हो गया। भारतीय क्रिकेट में आपके अमूल्य योगदान और कई अमिट यादों के लिए आपका आभार। आपको नहीं पारी के लिए शुभकामनाएं।

सहवाग ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की ऐतिहासिक जीत का जिक्र किया

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने मैदान पर रहाणे के जुझारूपन की सराहना की। सहवाग ने 2020-2021 में ऑस्ट्रेलिया में भारत की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीत का जिक्र करते हुए लिखा, भारत के सबसे कम आंके जाने वाले क्रिकेटरों में से एक और वह व्यक्ति जिसने भारत को विदेशों में टेस्ट सीरीज में अब तक की सबसे बड़ी जीत दिलाई। अंजिक्य रहाणे। शांत, मजबूत। कभी शोर नहीं किया और अपना सर्वश्रेष्ठ देता रहा।

बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधू ने लॉर्ड्स की पारी को किया याद

रहाणे ने नियमित कप्तान विराट कोहली की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में 2-1 से ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। भारत की दो बार ओलंपिक पदक जीतने वाली बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने 2014 के दौरे पर लॉर्ड्स में रहाणे की 103 रन की पारी को याद किया, जिसने उस मैच में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। सिंधू ने लिखा, आपको संन्यास के बाद की खुशनुमा जिंदगी के लिए शुभकामनाएं अजिंक्य। आपका करियर साहस, धैर्य और बेहद कठिन परिस्थितियों में खेली गई कुछ अविश्वसनीय पारियों का प्रमाण रहा है। 2014 में लॉर्ड्स में सबसे मुश्किल परिस्थितियों में खेली गई आपकी वह शानदार 103 रन की पारी हमेशा यादगार रहेगी।

धवन ने संयम की सराहना की

भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने एक खिलाड़ी और एक कप्तान के रूप में रहाणे के संयम की सराहना की। धवन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, अजिंक्य कितने दौरे, कितने ड्रेसिंग रूम और कितनी यादें। कप्तान के रूप में भी आपको उतना ही शांत देखा और टीम के साथी के रूप में भी उतना ही भरोसेमंद। बाहर से हमेशा शांत लेकिन अंदर से भारत के लिए लड़ने वाला इंसान। अब अगला अध्याय भी उतना ही खूबसूरत हो।

मुंबई क्रिकेट संघ के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि रहाणे मुंबई क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ दूत में से एक थे। नाइक ने कहा, अजिंक्य रहाणे के संन्यास से भारतीय क्रिकेट के एक उल्लेखनीय अध्याय समाप्त हो गया है।

उनकी लगन, दबाव में भी शांत रहने की क्षमता और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने प्रतिबद्धता ने उन्हें मुंबई क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ दूत में से एक बना दिया। उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

सुनती सबकी हूं, करती अपने मन की हूं : 'मोना सिंह'

एक समय था जब मोना सिंह को अक्सर एक जैसी भूमिकाओं के प्रस्ताव मिलते थे लेकिन उसने आसान रास्ता चुनने के बजाय इंतजार करना बेहतर समझा।

करीब 90 प्रतिशत प्रोजैक्ट्स को उसने ठुकरा दिया, क्योंकि वह सिर्फ स्क्रीन पर दिखना नहीं चाहती थी, बल्कि हर किरदार के साथ खुद को एक नए रूप में साबित करना चाहती थी। आज वही धैर्य उसके करियर की सबसे बड़ी ताकत बन चुका है।

लगातार रिलीज हो रहे प्रोजैक्ट्स, दमदार किरदार और ओ.टी. टी. की दुनिया में मजबूत पहचान के साथ मोना अपने करियर के सबसे बेहतरीन दौर का आनंद ले रही है।

करियर का सबसे बेहतरीन दौर

मोना मानती है कि फिलहाल वह अपने करियर के सबसे अच्छे दौर में है। उसके कई प्रोजैक्ट्स एक के बाद एक रिलीज हो रहे हैं, हालांकि यह सब उसने पहले से प्लान नहीं किया था। उसके अनुसार हर प्रोजैक्ट की अपनी किस्मत और सही समय होता है।

यही वजह है कि वह इस दौर को पूरी तरह जी रही है और अपनी सफलता को सैलिब्रेट कर रही है । उसे सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि उसके आसपास के लोग भी उसकी सफलता को अपनी सफलता की तरह महसूस करते हैं। फैसले अपने, राय सबकी करियर से जुड़े फैसलों पर मोना का नजरिया बेहद साफ है। वह सभी की राय सुनती है, लेकिन अंतिम फैसला हमेशा खुद लेती है। उसके लिए सबसे अहम यह है कि कोई स्क्रिप्ट उसे कितना चैलेंज करती है और कितना एक्साइट करती है। वह उन्हीं किरदारों को चुनती है जो उसे एक कलाकार के तौर पर आगे बढ़ने का मौका दें।

'गुड गर्ल' इमेज से बाहर निकलने का साहस

मोना स्वीकार करती है कि अपनी 'गुड गर्ल' की छवि से बाहर निकलना आसान नहीं था । उसने जानबूझकर कई प्रोजैक्ट्स को मना किया, क्योंकि उनमें उसे ग्रोथ नजर नहीं आई। लंबे इंतजार के बाद उसे ऐसे किरदार मिलने लगे जिनमें ग्रे शेड्स, जटिल भावनाएं और मजबूत परतें थीं। उसके अनुसार एक कलाकार का काम खुद को बार-बार नया करना है, न कि एक ही छवि में बंधे रहना ।

फिर से 'जीना' सीख रही हूं : 'मंदाना करीमी'

जब जरूरत थी, तब मैंने आवाज उठाई थी और आगे भी जरूरत पड़ेगी तो जरूर उठाऊंगी। 'मंदाना करीमी' दुबई में नई शुरुआत, लेकिन दिल अब भी ईरान के साथ कुछ समय पहले मंदाना ने भारत छोड़कर दुबई में बसने का फैसला किया था । वहां से वह अपनी नई जिंदगी की झलकियां साझा करती रहती है। हालांकि, उसका कहना है कि नई जगह पर नई शुरुआत करने का मतलब अपने देश को भूल जाना नहीं है । उसके दिल में आज भी ईरान पहले की तरह बसा हुआ है और वहां के लोगों के लिए उसकी चिंता कभी कम नहीं होगी।

ईरान में जन्मी अभिनेत्री और मॉडल मंदाना करीमी पिछले कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी से ज्यादा अपने देश को लेकर किए गए बयानों के कारण चर्चा में है।

सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने उस पर आरोप लगाया कि वह अब ईरान की स्थिति पर खुलकर बात नहीं कर रही और अपनी नई जिंदगी, फैशन और यात्रा की तस्वीरें साझा करने में व्यस्त है । इन आलोचनाओं पर अब मंदाना ने खुलकर अपनी बात रखी है और साफ कहा है कि उसने न तो अपने देशको भुलाया है और न ही अन्याय को स्वीकार किया है।

आलोचनाओं पर तोड़ी चुप्पी मंदाना ने उन लोगों को जवाब दिया, जो उससे लगातार पूछ रहे थे कि वह अब हर दिन ईरान के बारे में पोस्ट क्यों नहीं करती। उसने कहा कि बहुत से लोग यह नहीं समझते कि किसी मुद्दे पर आवाज उठाने की कितनी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। उसके अनुसार, उसने अपने विचार खुलकर रखने की वजह से कई पेशेवर अवसर गंवाए, मानसिक तनाव झेला और अपने देश को मुश्किल दौर से गुजरते हुए देखने की पीड़ा भी महसूस की।

मंदाना ने कहा, "जब जरूरत थी, तब मैंने आवाज उठाई थी और आगे भी जरूरत पड़ेगी तो जरूर उठाऊंगी। लेकिन मैंने यह भी सीखा है कि किसी आंदोलन या समर्थन को केवल सोशल मीडिया

पोस्टों से नहीं आंका जा सकता।

मेरे परिवार वाले आज भी ईरान में हैं

अभिनेत्री ने बताया कि उसका परिवार आज भी ईरान में रहता है। ऐसे में वहां की हर खबर उसे भावनात्मक रूप से प्रभावित करती है। उसने कहा कि किसी भी व्यक्ति के लिए अपने देश को संघर्ष में देखना आसान नहीं होता, खासकर तब जब वह दूर बैठकर खुद को असहाय महसूस कर रहा हो। ऐसे हालात में हर दिन उसी दर्द को सार्वजनिक रूप से साझा करना संभव नहीं होता ।

हीलिंग का मतलब खामोशी नहीं

मंदाना का कहना है कि अगर वह आज अपनी फिटनेस, दोस्तों या रोजमर्रा की जिंदगी की तस्वीरें साझा कर रही है, तो इसका मतलब यह नहीं कि उसने अपने लोगों को भुला दिया है।

उसने कहा, "लोग मेरी पोस्ट में मुस्कुराहट देखते हैं, लेकिन उसके पीछे का दर्द नहीं । मेरा अपने देश के लिए प्यार कभी सोशल मीडिया कंटैंट नहीं था। अगर आज मैं फिर से जीने की कोशिश कर रही हूं, तो इसका मतलब यह नहीं कि मैं अपने लोगों की तकलीफ भूल गई हूं।

उसने आगे कहा कि कभी लड़ाई आवाज उठाकर लड़ी जाती है, तो कभी खुद को टूटने से बचाकर आगे बढ़ना भी संघर्ष का हिस्सा होता है ।

मैं अन्याय को नहीं, जिंदगी को सामान्य बना रही हूं

मंदाना ने कहा कि कुछ लोग उस पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वह ईरान की स्थिति को सामान्य दिखाने की कोशिश कर रही है, जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है । मंदाना के शब्दों में, "मैं अन्याय को सामान्य नहीं बना रही हूं। मैं उस दर्द और सदमे के बाद दोबारा जीना सीखने को सामान्य बना रही हूं। मैं टूटने के बाद फिर खड़े होने को सामान्य बना रही हूं।

उसने यह भी कहा कि उसके लिए सबसे मजबूत कदम यही है कि वह स्वस्थ रहे, काम करती रहे और आगे बढ़ती रहे।

मैंने सिर्फ पोस्ट नहीं किए, कीमत भी चुकाई

मंदाना ने यह भी याद दिलाया कि उन्होंने सिर्फ सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर नहीं किए, बल्कि राष्ट्रीय टी.वी. इंटरव्यू और सार्वजनिक मंचों पर भी अपने देश के समर्थन में खुलकर बात की। उसके अनुसार, इस वजह से उस काम के अवसर खोने पड़े और कई तरह की आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा।

श्रेया कालरा पर भड़कीं आकांक्षा चमोला बोलीं- तुम गौरव को कितना जानती हो?

एक्ट्रेस आकांक्षा चमोला अपनी 'लॉक अप' की साथी कंटेस्टेंट श्रेया कालरा पर तब भड़क गई, जब उन्हें पता चला कि श्रेया ने एक्टर गौरव खन्ना के साथ उनके तलाक के बारे में कुछ बातें कही थीं। आकांक्षा ने श्रेया पर आरोप लगाया कि उन्होंने दोनों में से किसी को भी जाने बिना एक बहुत ही निजी मामले पर राय बनाई और उनके रिश्ते के बारे में कुछ भी जाने बिना उन पर टिप्पणी की। 'लॉक अप' रियलिटी शो के घर के अंदर हुई तीखी बहस के दौरान, आकांक्षा ने श्रेया से सवाल किया कि वह गौरव का जिक्र तो सम्मान के साथ करती हैं, लेकिन उन्हें (आकांक्षा को) गलत तरीके से पेश करती हैं। आकांक्षा ने पूछा, तुम गौरव को कितना

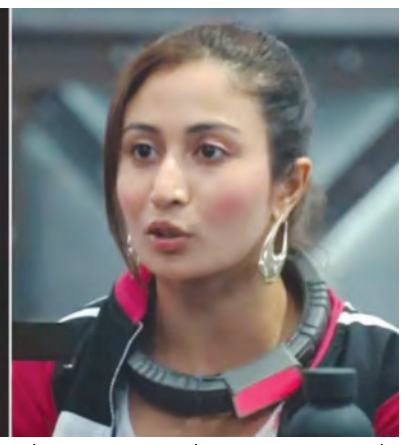

जानती हो? क्या तुम उन्हें बाहर से जानती हो? क्या तुम उनकी दोस्त हो? वह तुम्हारे लिए 'गौरव जी' क्यों हैं? और मैं 'चुड़ैल' क्यों हूं?

एक्ट्रेस ने आगे आरोप लगाया कि उन्हें बताया गया था कि श्रेया ने कहा था कि उनका और गौरव का तलाक होना अच्छा था क्योंकि वह गौरव के लायक नहीं हैं।

इन कथित टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए आकांक्षा ने कहा, तुम यह कहने वाली कौन होती हो? क्या तुम मेरे और उनके रिश्ते के बारे में जानती हो? तुम तो उनके वकील की तरह बात कर रही हो! क्यों?!

श्रेया ने ऐसी बातें कहने से इनकार किया और आकांक्षा से कहा कि वह दूसरों से सुनी हर बात पर यकीन न करे।

श्रेया ने यह भी कहा कि उनका इरादा कपल के रिश्ते पर टिप्पणी करने का नहीं था, और उन्होंने अपनी बात समझाने की कोशिश की।

मामले को ऐसे ही छोड़ देने से इनकार करते हुए आकांक्षा ने कहा कि किसी की टूटी हुई शादी पर टिप्पणी करना बहुत असंवेदनशील बात है।

आकांक्षा ने पूछा, अगर मैं तुम्हारे एक्स और तुम पर टिप्पणी करूं, तो यह कैसा लगेगा और तुम्हें कैसा महसूस होगा?

आकांक्षा ने कहा, तुम मेरी भावनाओं के साथ खेल रही हो क्योंकि मेरी भावनाएं सच्ची हैं। यह बहस तब और बढ़ गई जब एक और कंटेस्टेंट के बातचीत में शामिल होने के बाद आकांक्षा ने श्रेया पर अपना स्टैंड बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने श्रेया पर यह आरोप भी लगाया कि कैमरे में सब कुछ रिकॉर्ड होने के बावजूद वह दर्शकों के सामने अपनी अच्छी छवि बनाने की कोशिश कर रही हैं।

यह बातचीत तब खत्म हुई जब आकांक्षा ने श्रेया के गेम खेलने के तरीके पर तीखा तंज कसा।

उन्होंने कहा, अगर तुम यह मान लो कि हां, गेम के लिए तुम्हें 'विलेन' भी बनना पड़े तो बनो, तो मैं तुम्हारी इज्जत करूंगी। तुम्हारे लिए मेरी इज्जत और बढ़ जाएगी।

'शादी कर लो लाइफ बन जाएगी', किसने दिया राघव जुयाल को प्रपोजल?

इन दिनों राघव जुयाल फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' की वजह से चर्चा में हैं। बीते दिनों इस फिल्म को लेकर उन्होंने कई इंटरव्यू दिए, इसी दौरान बताया कि सोशल मीडिया पर उन्हें शादी के प्रपोजल मिलते हैं, लड़कियां अजीब और अटपटे मैसेज लिखकर भेजती हैं। साथ ही कुछ अन्य लोग भी अजीब-अजीब चीजों के लिए उन्हें पैसे मांगते हैं।

कौन भेजता है शादी के लिए प्रपोजल?

एक इंटरव्यू में राघव कहते हैं, 'मुझे लड़कियां सोशल मीडिया पर डीएम करती हैं, मैसेज करती हैं कि मुझसे शादी कर लो लाइफ बन जाएगी।मैं सोचता हूं कि ऐसी कौन सी लड़की है कि जिससे शादी करके लाइफ बन जाएगी।' राघव जुयाल आगे कहते हैं, 'कई लोग तो शराब पीने के लिए मुझसे सोशल मीडिया पर पैसे मांगते हैं। कहते हैं कि आज मौसम अच्छा पैसे भेज दो।'

क्यों जुड़ा था शहनाज गिल और राघव जुयाल का नाम?

राघव ने तो शादी वाली बात मजाक में कही लेकिन इन दिनों करीबी दोस्त शहनाज गिल के साथ उनका नाम जोड़ा जा रहा है।

सवाल है कि आखिर इनका नाम क्यों एक-साथ जोड़ा गया। तो बता दें कि राघव जुयाल और शहनाज गिल ने सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। फिल्म के प्रमोशन के दौरान सलमान खान ने दोनों की केमिस्ट्री को लेकर मजाकिया अंदाज में टिप्पणी की थी। इसके बाद दोनों के डेटिंग की खबरों ने जोर पकड़ लिया था। हालांकि, बाद में राघव जुयाल ने इन चर्चाओं पर सफाई देते हुए कहा था कि सलमान खान ने सिर्फ मजाक किया था। उन्होंने स्पष्ट किया था कि उनके और शहनाज के बीच ऐसा कोई रिश्ता नहीं था।

बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे

हाल ही में दोनों राघव की बर्थ डे पार्टी में साथ दिखे। यहां पर जिस तरह से राघव ने शहनाज का ख्याल रखा, उसे देखकर फैंस को लगा कि इनके बीच जरूर कोई खिचड़ी पक रही है। लेकिन इन बातों के बावजूद राघव और शहनाज एक-दूसरे को बस अच्छा दोस्त बताते हैं।

सलमान खान की एक सलाह और पूरी तरह बदल गई कियारा आडवाणी की जिंदगी

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा। दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। कियारा आडवाणी का जन्म 31 जुलाई 1991 को मुंबई में हुआ था। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। उनके पिता जगदीप आडवाणी एक बिजनेसमैन हैं, जबकि मां जेनेविव जाफरी टीचर हैं। कियारा ने मुंबई से स्कूली पढ़ाई पूरी की और फिर मास कम्युनिकेशन में ग्रेजुएशन किया। अभिनय में आने से पहले उन्होंने अपनी मां के प्री-स्कूल में छोटे बच्चों को पढ़ाया भी। वह बच्चों को कविताएं सुनाती थीं और उनकी देखभाल करती थीं। कियारा का कहना है कि इस अनुभव ने उन्हें जिम्मेदारी और धैर्य सिखाया।

जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। इंडस्ट्री में काम न मिलने पर वह काफी निराश हो गई। उन्हें लगा कि शायद उनका फिल्मी करियर आगे नहीं बढ़ पाएगा। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करती रहीं।

साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में

रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला।

इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

कियारा को अब तक कई बड़े सम्मान मिल चुके हैं। उन्हें आईफा अवॉर्ड और जी सिने अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा, उन्हें दो बार फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए नामांकन मिला। आज वह भारत की सबसे ज्यादा फीस लेने वाली अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं और कई बड़े ब्रांडों की एंबेसडर भी हैं।

निजी जीवन की बात करें तो कियारा और अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा लंबे समय तक अपने रिश्ते को लेकर चर्चा में रहे। दोनों ने 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के जैसलमेर में पारंपरिक हिंदू रीति-रिवाज से शादी की। दोनों अब एक बेटी के माता-पिता हैं। शादी के बाद भी कियारा लगातार फिल्मों में सक्रिय हैं।

नेहल ने बढ़ाया आकांक्षा चमोला का हौसला बोलीं-अपनी असली पर्सनालिटी दिखाओ

पूर्व बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट और मॉडल नेहल चुडासमा टीवी की दुनिया का जाना-पहचाना नाम हैं। बिग बॉस के घर में भी उन्होंने कई बार गलत समझे जाने और अकेले पड़ जाने का दर्द झेला था। शायद इसी वजह से जब वो 'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला को सपोर्ट करने विजिटर बनकर पहुंचीं, तो उन्होंने सबसे पहले आकांक्षा की उसी उलझन को पकड़ा जो पिछले कई दिनों से दर्शकों को भी खटक रही थी। 'लॉक अप 2' में आकांक्षा चमोला पिछले कुछ समय से काफी शांत नजर आ रही थीं। शो में एंट्री के समय जितनी एनर्जी और कॉन्फिडेंस उनमें था, धीरे-धीरे वो गायब होता चला गया। दर्शकों को लग रहा था कि आकांक्षा गेम नहीं खेल रही हैं, बस कोने में बैठकर सब सह रही हैं। इसी बीच नेहल की एंट्री हुई और उन्होंने आते ही आकांक्षा से बातें की। नेहल ने आकांक्षा से कहा कि उन्होंने गौरव खन्ना की सलाह को गलत तरीके से ले लिया है। उन्होंने कहा, "मुझे पता है गौरव अच्छी नीयत से आया था, लेकिन मुझे लगता है आपने उसकी बातों के सिर्फ गलत हिस्से पकड़े और खुद को समेट लिया। आपको गलत समझा गया है। मैं खुद रियलिटी शो में कई महीनों तक गलत समझी गई थी, इसलिए ये फीलिंग मैं जानती हूं कि जब पूरी दुनिया आपको गलत समझे तो कैसा लगता है।"

नेहल ने आकांक्षा से कहा, "अब आपको इस खेल से बाहर निकलना होगा और अपनी असली पर्सनालिटी दिखानी होगी। इस समय 'लॉक अप 2' जितने लोग देख रहे हैं, उसकी बड़ी वजह आकांक्षा के सीक्रेट्स हैं।"

जुलाई के पहले हफ्ते में आकांक्षा ने बताया था कि शादी से पहले वह बाइसेक्सुअल थीं। उनका कुछ लड़कियों के साथ रिलेशन रहा है, हालांकि उन्होंने साफ किया था कि वो रिलेशन में बहुत ज्यादा इंटीमेट नहीं थीं। आकांक्षा ने यह भी कहा था कि उनके लिए महिलाएं सेफ स्पेस हैं। उन्हें लगता है कि दुनिया मर्दों की है, इसलिए लड़कियां बचपन से ही अपनी मां और बहनों के करीब होती हैं और वहीं उन्हें सबसे ज्यादा कम्फर्ट मिलता है।

शो के लॉन्च पर आकांक्षा ने खुलासा किया था कि वो और टीवी एक्टर गौरव खन्ना पिछले लगभग एक साल से अलग रह रहे हैं और उनका डिवोर्स होने वाला है। इन दोनों के खुलासों के बाद आकांक्षा सोशल मीडिया और शो दोनों जगह चर्चा का विषय बन गई थीं।

आकांक्षा का हौसला बढ़ाते हुए नेहल ने कहा, "सिर्फ सीक्रेट बताने से कुछ नहीं होगा। अगर आप खुद को बदल लेंगी और सबको खुश करने लगेंगी तो लोग आपको सीरियसली नहीं लेंगे।"

नेहल की इन बातों के बाद सोशल मीडिया पर बहस देखने को मिली। कई दर्शकों ने पोस्ट पर लिखा कि नेहल ने बिल्कुल सही कहा। रियलिटी शो में टिकने के लिए मजबूत बनना पड़ता है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि आकांक्षा शायद अभी उन खुलासों के सदमे से बाहर नहीं आई हैं, इसलिए वो चुप हैं।

मायावती बोलीं- प्रदेश में उम्मीदवार मैं ही तय कर रही

आकाश आनंद को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम में सच्चाई नहीं

लखनऊ, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद की भूमिका को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर स्थिति स्पष्ट की है। उन्होंने कहा कि यूपी में विधानसभा चुनाव के उम्मीदवारों का अंतिम फैसला वही कर रही हैं और अब तक करीब दो दर्जन से अधिक उम्मीदवार तय किए जा चुके हैं। मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत लखनऊ स्थित पार्टी प्रदेश कार्यालय में कई राज्य स्तरीय बैठकें उनके द्वारा ली जा चुकी हैं। इन बैठकों में प्रदेश और मंडल स्तर के पदाधिकारियों को उम्मीदवार चयन के संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि उम्मीदवारों के इंटरव्यू आदि की प्रक्रिया के बाद अब तक 20 से अधिक प्रत्याशियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और आगे भी सभी सीटों पर उम्मीदवारों का फैसला उनके

मायावती ने बढ़ाया आकाश आनंद का कद

स्तर से ही होगा। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद को लेकर तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं, जिनमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश में विधानसभा या लोकसभा चुनावों के दौरान उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने का अधिकार उनके पास ही रहता है। उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार तय हो चुके हैं, वहां उनकी अनुमति से पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी जनसभाएं कर प्रत्याशियों का ऐलान कर रहे हैं। इसी क्रम में आकाश आनंद भी कुछ सीटों पर पार्टी की जनसभाओं के माध्यम से उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे। बसपा प्रमुख ने कहा कि पिछले करीब एक वर्ष से आकाश आनंद को देशभर में संगठन की समीक्षा बैठकों और जनसभाओं के लिए भेजा जा रहा है। हाल में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए, वहां भी उनके निर्देश पर आकाश आनंद ने पार्टी की चुनावी जनसभाएं कीं। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी और निष्ठा से निभा रहे हैं। मायावती ने लखनऊ में 9 अक्तूबर 2025 को कांशीराम की पुण्यतिथि पर आयोजित बसपा की महारैली का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उस कार्यक्रम में आकाश आनंद को संबोधित करने का अवसर दिया गया था। लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्हें उत्तर प्रदेश समेत देश के अन्य राज्यों में पार्टी की चुनावी जनसभाओं के लिए भेजा गया था। मायावती ने कहा कि आकाश आनंद द्वारा यूपी में कुछ सीटों पर उम्मीदवारों की घोषणा करने के लिए जनसभाएं करना पार्टी की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा है। इसका उनके राजनीतिक कद को बढ़ाने या घटाने और उम्मीदवार चयन से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से सोशल मीडिया पर आकाश आनंद को लेकर चल रही चर्चाओं से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि पार्टी के लोगों को ऐसे 'शरारती और जातिवादी तत्वों' से सतर्क रहना चाहिए।

अंबेडकर प्रतिमा विवाद पर बड़ा एक्शन

लेखपाल समेत 6 कर्मचारी निलंबित गांव में पुलिस-पीएसी तैनात

देवरिया, 31 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में देवरिया के गौरी बाजार थाना क्षेत्र के लबकनी गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा हटाने के दौरान हुए बवाल के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही सामने आने पर लेखपाल, ग्राम पंचायत सचिव, हल्का इंचार्ज समेत आधा दर्जन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं ग्राम प्रधान को भी नोटिस जारी किया गया है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और पीएसी की लगातार गश्त जारी है। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात गौरी बाजार थाना क्षेत्र के लबकनी गांव में ग्रामीणों ने खलिहान की सरकारी भूमि पर डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर दी थी। इसकी जानकारी मिलने पर राजस्व और पुलिस विभाग की टीम मौके पर पहुंची और प्रतिमा हटाने की प्रक्रिया शुरू की, लेकिन ग्रामीणों के विरोध के बाद टीम को वापस लौटना पड़ा।

झारखंड के भाजपा सांसदों का संसद में मौन प्रदर्शन

भर्ती परीक्षाओं में कथित भ्रष्टाचार का विरोध, मामले की सीबीआई जांच की मांग

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं जिनमें जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल शामिल हैं में कथित भ्रष्टाचार के विरोध में झारखंड के भाजपा सांसदों ने शुक्रवार को संसद में मौन प्रदर्शन किया। उन्होंने इन मामलों की सीबीआई जांच की मांग की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य प्रसाद साहू भी मौजूद रहें। झारखंड भर्ती परीक्षा में गड़बड़ियों पर आदित्य प्रसाद साहू ने कहा, जब से कांग्रेस के समर्थन से झारखंड में सरकार चल रही है, तब से अभी तक जितने भी जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल और सभी परीक्षाओं से पहले बड़े स्तर पर प्रश्न पत्र लीक किए जाते रहे हैं। इस बार भी जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से पूर्व प्रश्न पत्र लीक हुए हैं मगर वहां की सरकार बेसुध सोई हुई है। कांग्रेस के समर्थन से चलने वाली सरकार इस तरह के घोटाले में प्रत्यक्ष रूप से शामिल होकर

युवाओं के रोजगार को छीनने का काम कर रही है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि जो कांग्रेस दिल्ली में प्रदर्शन कर रही है, वहीं झारखंड में इन कांग्रेस वालों का मुंह बंद है।

सीआईडी को भी जांच का काम सौंपा गया है: महुआ माजी

इधर, जेएमएम राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने कहा, इसके लिए जिम्मेदार अधिकारी, यानी चेयरमैन से इस्तीफा ले लिया गया है। मुख्यमंत्री ने तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने किसी और के बोलने या पहल करने का इंतजार नहीं किया। उन्होंने तुरंत इस्तीफा लिया और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ़ कार्रवाई शुरू हो गई है। सीआईडी को भी जांच का काम सौंपा गया है और वह इस पर तेजी से काम कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री हालात को सुधारने के लिए काम कर रहे हैं और शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार हो रहा है।

मकान में सेक्स रैकेट, 2 ठिकानों पर रेड

पुलिस ने कस्टमर भेजकर की कार्रवाई, 2 महिला समेत 4 अरेस्ट, नाबालिगों को छुड़ाया

रायगढ़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पुलिस ने गुरुवार को शहर के दो अलग-अलग इलाकों में छापेमारी कर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है। कार्रवाई में 2 महिलाओं समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, 2 नाबालिग को सुरक्षित छुड़ाकर काउंसलिंग के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। दरअसल, सूचना मिली थी कि मकान में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। पुलिस ने पॉइंटर को कस्टमर बनाकर मौके पर भेजा था। पॉइंटर से सिग्नल मिलते ही पुलिस ने रेड कार्रवाई की। मौके से आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं। मामला कोतवाली थाना और जूटमिल थाना क्षेत्र का है। दरअसल, कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि लालटंकी के दानीपारा इलाके के एक मकान में देह व्यापार चल रहा है। सूचना की जांच के लिए पुलिस ने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर भेजा। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापा मार दिया। छापेमारी के दौरान मकान संचालिका लक्ष्मी शर्मा (46) और ग्राहक ऋषभ शर्मा (24) को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से 1,500 रुपए, मोबाइल और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। मकान के अलग-अलग कमरों से दो नाबालिग मिलीं। पुलिस ने दोनों को सुरक्षित बाहर निकालकर काउंसलिंग कराई और बाद में परिजनों को सौंप दिया। पूछताछ में लक्ष्मी शर्मा ने बताया कि वह पिछले एक-दो साल से अपने मकान में लड़कियों को बुलाकर देह व्यापार करा रही थी। ग्राहकों से मिलने वाली रकम का हिस्सा लड़कियों को दिया जाता था। कोतवाली पुलिस ने लक्ष्मी शर्मा और ऋषभ शर्मा के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम की धारा 3, 4, 5 और पॉक्सो एक्ट की धारा 14 के तहत मामला दर्ज किया है। इसी दौरान साइबर थाना और जूटमिल थाना पुलिस ने मिट्ठूमुड़ा दुर्गा चौक स्थित एक मकान में भी छापेमारी की। यहां भी पहले पॉइंटर ग्राहक भेजा गया और संकेत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की। छापेमारी में मकान संचालिका सुनीता मेहर (48) और ग्राहक अभय सिंह (42) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी जब्त की।

14.56 करोड़ के लोन घोटाले का मास्टरमाइंड अरेस्ट

बेमेतरा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में इंडियन ओवरसीज बैंक की शाखा में हुए 14.56 करोड़ के कथित घोटाले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को अरेस्ट किया है। तत्कालीन शाखा प्रबंधक विनीत दास को तमिलनाडु के तंजावुर से गिरफ्तार किया गया। उसे ट्रांजिट रिमांड पर बेमेतरा लाया गया है। जांच में पता चला कि उसने बैंक के नियमों को नजरअंदाज कर फर्जी और बंद संस्थानों, स्वयं सहायता समूहों, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि योजनाओं के नाम पर करोड़ों रुपए के लोन मंजूर किए। इसके अलावा बिना खाताधारकों की जानकारी के पैसे ट्रांसफर करना, फर्जी जीएसटी नंबरों का इस्तेमाल करना और जरूरी जांच-पड़ताल किए बिना लोन मंजूर करने जैसी कई गड़बड़ियां भी सामने आई हैं।

टाइगर्स का अटैक, 2 लोगों की मौत

महिला का सिर जबड़े में दबाकर भागा बाघ, बुजुर्ग पर हमले के बाद मिला एक टाइगर का शव

बगहा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बगहा में वाल्मीकि टाइगर रिजर्व से सटे इलाकों में 2 दिन में 2 बाघों के हमलों में 2 लोगों की मौत हुई है। गुरुवार को एक किसान पर बाघ ने हमला किया। हमले के बाद बाघ की मौत हो गई। किसान को इलाज के लिए गोरखपुर लाया गया था। शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर, दूसरे बाघ ने शुक्रवार को एक महिला को अपना शिकार बनाया है। महिला खेत में अकेले काम कर रही थी, इसी दौरान बाघ ने अचानक हमला किया। उसके सिर को जबड़े से पकड़कर घसीटने लगा। ग्रामीणों के शोर मचाने पर बाघ ने महिला को छोड़ा, लेकिन तबतक उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान नौरंगिया थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 निवासी रामायण चौधरी (सहनी) की पत्नी उमरावती देवी

(45) के तौर पर हुई। महिला पर हमला उत्तर प्रदेश-बिहार सीमा से सटे मदनपुर वन क्षेत्र के मिश्रौलिया रेता स्थित खेत में हुआ। जहां महिला खेत में काम कर रही थी। इसी बीच पास के गन्ने के खेत से निकलकर बाघ ने उस पर हमला किया और सिर को जबड़े में जकड़ लिया। महिला के सिर पर जख्म के गहरे निशान हैं। इससे एक दिन पहले गुरुवार को वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र से सटे बिसहा गांव में बकरी चरा रहे अकलू यादव (65) पर भी बाघ ने हमला कर दिया था। हमले में उनका पैर गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों के शोर मचाने और लाठी-डंडों से प्रतिरोध करने पर बाघ जंगल की ओर भाग गया। अकलू यादव के पैर को बाघ ने अपने जबड़े में जकड़ लिया था। शोर मचाने पर बड़ी संख्या में लोग जुट गए। ग्रामीणों के हंगामे के बाद बाघ ने बुजुर्ग को छोड़ दिया। अकलू यादव को बचाने पहुंचे रामवृक्ष ने कहा, हो-हल्ला होने के बाद बहुत से लोग जुट गए। हमें डर नहीं लगा, क्योंकि आसपास काफी लोग थे। घटना के बाद वन विभाग ने बाघ की तलाश शुरू की। फुट प्रिंट के आधार पर खोजबीन के दौरान जंगल की झाड़ियों में बाघ मृत अवस्था में मिला। उसकी उम्र करीब 10 साल बताई जा रही है। शव पर कई गहरे घाव मिले हैं। अधिकारियों का मानना है कि किसी दूसरे बाघ से संघर्ष में घायल होने के कारण वह कमजोर हो गया था। शिकार की तलाश में आबादी वाले क्षेत्र में पहुंच गया।

भरत एनकाउंटर में पहली गोली मारने वाला एसटीएफ जवान गिरफ्तार

बिहार सीएम से परिवार की मुलाकात के बाद एक्शन, 5 गोलियां मारी गई थीं

आरा, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में भोजपुर के भरत तिवारी एनकाउंटर में बड़ी कार्रवाई हुई है। उस पर गोली चलाने वाले बिहार एसटीएफ के जवान अक्षय कुमार को देर रात गिरफ्तार कर लिया गया है। भरत तिवारी का एनकाउंटर 17 जून को हुआ था। उसकी मां आशा देवी ने अक्षय कुमार पर हत्या का आरोप लगाया था। पुलिस ने आरोपी जवान को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोप है कि आत्मसमर्पण करने के बाद भरत तिवारी को सबसे पहली गोली अक्षय कुमार ने मारी थी। एनकाउंटर की जांच के दौरान कई बार बुलाने के बाद भी वह पूछताछ के लिए नहीं आया। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और सर्विलांस के आधार पर उसे पकड़ा है। भरत तिवारी के परिवार ने 24 जुलाई को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

से मुलाकात की थी। सीएम ने कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। उसी दिन 2 अफसरों पर कार्रवाई हुई। अब 6 दिन बाद जवान की गिरफ्तारी हुई है। बता दें कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भरत को 5 गोलियां मारे जाने की पुष्टि हुई थी। जबकि पुलिस तीन गोली लगने की बात कर रही थी। भरत एनकाउंटर में पहली गिरफ्तारी पर आशा देवी ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पुलिस ने कार्रवाई की है। आगे भी एक्शन होना चाहिए। एसडीपीओ, डीएसपी की भी गिरफ्तारी होनी चाहिए, भरत ने उनका नाम लिया था। दरोगा भी शामिल था। उसे भी गिरफ्तार करना चाहिए। सीएम ने इंसाफ दिलाने की बात कही है, मुझे उन पर भरोसा है।' भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने कहा, 'सीएम सम्राट चौधरी ने जो कहा था वो सच होता दिख रहा है। जिसकी गिरफ्तारी हुई है, उसने ही पहली गोली मारी थी। अब सारे भेद वही खोलेगा। सीएम ने कहा था किसी को छोड़ेंगे नहीं। जो कहे थे वो वादा निभा रहे हैं।' भरत तिवारी की भाभी सुमन देवी ने कहा, 'सीएम के पास गए थे, उसके बाद अब एक गिरफ्तारी हुई है। उन्होंने इंसाफ का भरोसा दिया था। वो अपना काम कर रहे हैं। उम्मीद है कि न्याय मिलेगा।' परिजनों ने इसे न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए मामले में शामिल अन्य जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की मांग दोहराई है। अब एसटीएफ जवान अक्षय कुमार की गिरफ्तारी से यह मामला नए मोड़ पर पहुंच गया है। माना जा रहा है कि आगे की जांच में एनकाउंटर से जुड़े कई और सच सामने आ सकते हैं।

युवक-युवती के पेड़ से लटके मिले शव

हरदोई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। हरदोई के अरवल थाना क्षेत्र के हैदराबाद मजरा उमरौली जैतपुर गांव निवासी एक महिला और एक युवक का गांव के बाहर अलग-अलग स्थानों पर पेड़ से फांसी के फंदे से शव लटकते मिलने पर गांव में सनसनी फैल गई। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार, अरवल थाना क्षेत्र के हैदराबाद मजरा उमरौली जैतपुर गांव निवासी लगभग 18 वर्षीय जनवेश पुत्र केशव राम राजस्थान में मजदूरी करता था। ग्रामीणों के अनुसार गांव निवासी सरोजनी से उसका प्रेम प्रसंग था। सरोजनी की शादी गांव में ही खुशीराम के साथ लगभग 12 वर्ष पहले हुई थी, उसका पति खुशीराम कानपुर में मजदूरी करता है।

पुलिस कॉन्स्टेबल परीक्षा का रिजल्ट जारी, 76 हजार पास

सामान्य का कट-ऑफ ओबीसी से 7 अंक ज्यादा, अब फिजिकल पास करना होगा

प्रयागराज, 31 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती लिखित परीक्षा का रिजल्ट शुक्रवार को जारी कर दिया गया। 32,679 पदों के लिए आयोजित इस परीक्षा में 76,184 अभ्यर्थी पास हुए हैं। बोर्ड ने कैटेगरी वाइज कट-ऑफ भी जारी कर दी है। जनरल वर्ग की कट-ऑफ 258.03 और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की 251.63 रही है। यानी जनरल की कट-ऑफ ओबीसी से 7 अंक ज्यादा रही है। हालांकि, ओबीसी की कट-ऑफ ईडब्ल्यूएस से 4 अंक ज्यादा है। वहीं, अनुसूचित जाति (एससी) की कट-ऑफ 239.34 और अनुसूचित जनजाति की 210.10 रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस रिक्रूटमेंट एंड प्रमोशन बोर्ड के मुताबिक, अभ्यर्थियों का डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन (डीवी) और फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट (पीएसटी) होगा। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 17 अगस्त से शुरू होगा। सितंबर में फिजिकल टेस्ट होगा। इसकी जानकारी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी। डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन और फिजिकल टेस्ट के बाद फाइनल रिजल्ट जारी किया जाएगा। फिजिकल टेस्ट में पुरुष अभ्यर्थियों को 4.8 किलोमीटर की दौड़ 25 मिनट में पूरी करनी होगी। वहीं, महिला अभ्यर्थियों को 2.4 किलोमीटर की दौड़ 14 मिनट में पूरी करनी होगी। बोर्ड के मुताबिक, कॉन्स्टेबल और समकक्ष पदों के 32,679 पदों के लिए 28,86,797 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इनमें 19,62,560 पुरुष और 9,24,237 महिला अभ्यर्थी शामिल थीं। लिखित परीक्षा 8, 9 और 10 जून को प्रदेशभर के परीक्षा केंद्रों पर 6 पालियों में आयोजित की गई थी। इसके लिए प्रदेश के सभी 75 जिलों में 1,183 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। भर्ती बोर्ड के अनुसार, तीन दिनों में कुल 21,92,236 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। वहीं, करीब 6.94 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। लिखित परीक्षा 300 अंकों की थी। इसमें 150 सवाल पूछे गए थे। हर सवाल 2 अंक का था। इस बार नेगेटिव मार्किंग की व्यवस्था खत्म कर दी गई थी। परीक्षा के दौरान फर्जी अभ्यर्थियों और भ्रामक वीडियो फैलाने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई। 12 मुकदमे दर्ज किए गए और 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक सत्यापन और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग के जरिए फर्जीवाड़े के मामलों का पता लगाया गया।

पटना-सीवान समेत 5 जिलों में बारिश, 25 में अलर्ट

आज से कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, अबतक 42% कम बारिश

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून एक्टिव है। शुक्रवार की सुबह पटना के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। वहीं सीवान और बेतिया में भी तेज बारिश हुई। दोपहर बाद सासाराम और नालंदा में भी बारिश हुई। मौसम विभाग ने आज 25 जिलों में आंधी और बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 40 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। कुछ स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 अगस्त से कई जिलों में भारी बारिश, वज्रपात 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है। अररिया, कटिहार, पूर्णिया, सुपौल, भोजपुर, बक्सर, गया, नवादा, बेगूसराय, मधेपुरा, समस्तीपुर, वैशाली और पश्चिम चंपारण समेत कई जिलों में अलग-अलग दिनों में भारी बारिश

की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान पटना, बेतिया समेत 10 जिलों में बारिश हुई। वहीं, कुछ जिलों में बादल छाए रहे और हल्की हवा भी चली। बिहार में अब तक सामान्य से 42 प्रतिशत कम वर्षा रिकॉर्ड की गई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय मानसून पूरे बिहार में एक समान सक्रिय नहीं है। उत्तर और पूर्वी बिहार में बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी वाली हवाएं पहुंच रही हैं, जिससे बादल तेजी से बन रहे हैं और बारिश की गतिविधियां बढ़ी हुई हैं। दूसरी ओर दक्षिण और मध्य बिहार तक इन हवाओं का असर कमजोर पड़ रहा है। यही वजह है कि इन इलाकों में बारिश कम हो रही है। दोपहर के बाद गर्मी और नमी बढ़ने से स्थानीय स्तर पर बादल विकसित हो रहे हैं, जिससे कुछ जिलों में अचानक तेज बारिश, गरज-चमक और तेज हवा चलने की स्थिति बन रही है।

क्या जेन-जी के आक्रोश और सम्राट सरकार के 100 दिन के कार्यकाल का रिजल्ट बताएगा बांकीपुर उपचुनाव का परिणाम?

पटना, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी को 100 दिन से कुछ अधिक दिन हो गए हैं। बांकीपुर उपचुनाव का रिजल्ट उनके शासनकाल का भी परीक्षा परिणाम होने वाला है। जानकार मानते हैं कि बीजेपी यदि इस सीट पर अपना कब्जा बरकरार रखती है, तो इससे सम्राट चौधरी के नेतृत्व को लेकर एक सकारात्मक संदेश जाएगा। उसके अलावा इस चुनाव के मतदान से ठीक पहले नीट- यूजी पेपर लीक को लेकर देश में जो हुआ, उसका असर भी इसके परिणाम पर दिखेगा या नहीं, इसका उत्तर भी तीन अगस्त को मिल जाएगा। यदि ये चुनाव बीजेपी लूज करती है, तो साफ दिख जाएगा कि नीट छात्रों के प्रदर्शन का असर इस पर पड़ा है। बांकीपुर उपचुनाव का रिजल्ट

पहला ऐसा चुनाव परिणाम बन गया है, जहां बीजेपी को व्यापक युवा आक्रोश के बीच परखा जाएगा। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति और प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की चुनावी रणनीति पर असर पड़ सकता है। पटना के मध्य में स्थित बांकीपुर पिछले 31 वर्षों से भाजपा का गढ़ रहा है। पार्टी ने बिहार में विपक्ष में रहते हुए भी यह सीट जीती थी - आरजेडी शासन के दौरान 1995, 2000 और 2005 में, और फिर 2015 में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार के तहत। हालांकि, इस बार भाजपा राज्य सरकार की मुखिया है और सम्राट मुख्यमंत्री हैं, जिससे राजनीतिक दांव काफी बढ़ गए हैं। बांकीपुर उपचुनाव में बाजी पलट जाने पर बीजेपी की मुश्किल बढ़ जाएगी।

जन्म लेने से कोई आदिवासी नहीं बनता

झारखंड कैडर की आईएएस निशा उरांव ने क्यों कहा?

रांची, 31 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड कैडर की आईएएस (आईएएस) अधिकारी निशा उरांव ने एक बार फिर आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान को लेकर नई बहस छेड़ दी है। एक हालिया कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर विस्तार से अपनी बात रखी। निशा उरांव का मानना है कि केवल किसी समुदाय में जन्म लेने भर से व्यक्ति आदिवासी नहीं हो जाता, बल्कि अपनी जड़ों, पूर्वजों और रीति-रिवाजों से जुड़ने के लिए पारंपरिक 'जन्म संस्कार' का होना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण के बाद व्यक्ति के रीति-रिवाज, सामाजिक संगठन और धार्मिक स्थल पूरी तरह बदल जाते हैं। आईएएस निशा उरांव के अनुसार, कोई भी व्यक्ति सिर्फ

जन्म से आदिवासी नहीं बनता। जन्म के बाद होने वाले पारंपरिक 'जन्म संस्कार' ही बच्चे को उसके समुदाय, पूर्वजों, देवी-देवताओं और पारंपरिक रीति-रिवाजों से जोड़ते हैं। इन संस्कारों के बिना व्यक्ति की सांस्कृतिक पहचान अधूरी रहती है। दरअसल, झारखंड कैडर की आईएएस अधिकारी निशा उरांव ने एक बार फिर आदिवासी पहचान पर बात छेड़ दी है। उन्होंने इस दौरान एक कार्यक्रम में कहा कि जन्म मात्र से कोई आदिवासी नहीं हो जाता।

'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम

2030 तक 500 अरब डॉलर का इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने 'विकसित भारत 2047' विजन के तहत वर्ष 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उत्पादन को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है। सरकार का मानना है कि इससे देश वैश्विक विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) केंद्र के रूप में उभरेगा और औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी।

इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) डायलॉग 2026 को संबोधित करते हुए उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने कहा कि सरकार ने 'विकसित भारत 2047' के विजन को अलग-अलग क्षेत्रों के लिए ठोस कार्ययोजना में बदल दिया है, जिसके तहत वर्ष 2030 तक हासिल किए जाने वाले स्पष्ट लक्ष्य और मील के पत्थर निर्धारित किए गए हैं।

भाटिया ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का लक्ष्य मौजूदा करीब 330 अरब डॉलर के वार्षिक उत्पादन को बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर करना है। इसके बाद 2047 तक इसे 5.3 ट्रिलियन डॉलर से 8 ट्रिलियन डॉलर के स्तर तक ले जाने की योजना है।

उन्होंने कहा कि इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों से देश में बड़े पैमाने पर विनिर्माण के नए अवसर पैदा होंगे और भारत वैश्विक सप्लाई चेन में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा।

डीपीआईआईटी सचिव ने कहा कि भारत आज भी दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। पिछले एक दशक में सरकार ने लगातार सुधारों और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया है, जिसका सकारात्मक असर देश की आर्थिक प्रगति पर दिखाई दे रहा है।

उन्होंने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों के लिए गठित उच्च स्तरीय समितियों ने सुधारों की गति को और तेज किया है।

भाटिया ने कहा कि कैबिनेट सचिवालय में स्थापित डी-रेगुलेशन सेल राज्यों के साथ मिलकर नियमों को सरल बनाने और कारोबार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बढ़ाने पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य उद्योगों के लिए अनावश्यक प्रक्रियाओं को कम करना और निवेश को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने कहा कि भारत और जर्मनी के बीच 25 वर्षों से अधिक पुरानी रणनीतिक साझेदारी और 75 वर्षों के राजनयिक संबंध हैं, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों का इतिहास एक सदी से भी अधिक पुराना है।

भाटिया के अनुसार, कई जर्मन कंपनियों ने आजादी से पहले ही भारत में अपना कारोबार शुरू कर दिया था। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापारिक प्रतिनिधिमंडलों, निवेश और औद्योगिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

उन्होंने यह भी कहा कि इंडो-जर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईजीसीसी) के 2,500 से अधिक सदस्य भारत और जर्मनी के मजबूत व्यावसायिक संबंधों का प्रमाण हैं। यह मंच भविष्य में दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश सहयोग को और मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्वालियर में बनेगा भारत का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन

3,500 करोड़ रुपए का होगा निवेश और मिलेंगे 14,000 से ज्यादा रोजगार

नई दिल्ली/ग्वालियर । 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत को वैश्विक टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए देश का पहला टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए केंद्रीय संचार मंत्रालय और मध्य प्रदेश सरकार के औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के बीच नई दिल्ली के विज्ञान भवन में एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

इस अवसर पर केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहे। सिंधिया ने इसे मध्य प्रदेश और देश दोनों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और 'विकसित भारत 2047' के विजन को नई गति देगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश तेजी से औद्योगिक विकास के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है और यह परियोजना राज्य की विकासोन्मुखी सोच का प्रमाण है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि भारत को केवल टेलीकॉम सेवाएं देने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर टेलीकॉम उपकरण बनाने वाला प्रमुख राष्ट्र बनना होगा। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए ग्वालियर में करीब 350 एकड़ क्षेत्र में अत्याधुनिक प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के पहले चरण में केंद्र सरकार ने आधारभूत ढांचे के विकास के लिए 500 करोड़ रुपए की 100 प्रतिशत वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। यह परिसर मोबाइल फोन, नेटवर्क उपकरण, फाइबर ऑप्टिक्स, सेमीकंडक्टर, 5जी और 6जी जैसी अगली पीढ़ी की तकनीकों के रिसर्च, डिजाइन, डेवलपमेंट, टेस्टिंग और मैन्युफैक्चरिंग का एकीकृत केंद्र होगा। इससे भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी।

शेयर बाजार में हरियाली; सेंसेक्स 166 अंक चढ़ा

निफ्टी 24300 के पार पहुंचा

मुंबई, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 166.49 अंक या 0.21 प्रतिशत चढ़कर 78,094.64 पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 344.1 अंक या 0.44 प्रतिशत की उछाल आई और यह 78,272.25 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 66.45 अंक या 0.27 प्रतिशत बढ़कर 24,383.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में, बजाज फाइनेंस के शेयरों में 8.11 प्रतिशत की उछाल आई, क्योंकि कंपनी ने गुरुवार को वित्त वर्ष 2027 की जून तिमाही के लिए समेकित कर पश्चात लाभ (पीएटी) में 28 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जो कि 6,081 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। यह वृद्धि मुख्य आय में वृद्धि और परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के कारण हुई। विजेताओं में बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन भी शामिल थे। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इटरनल, इंफोसिस, आईटीसी और इंटरग्लोब एविएशन प्रमुख पिछड़ने वालों में शामिल थे।

क्या है विशेषज्ञों की राय?

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि सकारात्मक गति जारी रही, हालांकि उच्च स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली क्योंकि उच्च ब्याज दर और संभावित ब्याज दर वृद्धि की चिंताओं के बीच सतर्कता बनी रही। आर्थिक सुधार की स्थिरता काफी हद तक मौजूदा वित्तीय रिपोर्ट पर निर्भर करेगी, जो फिलहाल पूर्वानुमानों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है, और वैश्विक जोखिमों में कमी पर भी निर्भर करेगी। उन्होंने आगे कहा कि हालिया तेजी के बाद घरेलू आईटी सूचकांक में मुनाफावसूली देखने को मिली। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक तेजी से बढ़ा और 17.91 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की।

जापान का Nikkei 225, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का Hang Seng सूचकांक भी सकारात्मक स्तर पर बंद हुए। यूरोप के बाजारों में तेजी देखी गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार काफी बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.45 प्रतिशत बढ़कर 89.43 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को 3,623.51 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। गुरुवार को सेंसेक्स 273.55 अंक या 0.35 प्रतिशत बढ़कर 77,928.15 पर बंद हुआ। निफ्टी 66.95 अंक या 0.28 प्रतिशत बढ़कर 24,317.15 पर बंद हुआ।

पीएम नरेंद्र मोदी की अपील का असर! जून तिमाही में 6% घट गई सोने की डिमांड

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मौसमी सुस्ती, सीमा शुल्क में बढ़ोतरी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोने की खरीद कम करने की अपील के कारण भारत में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सोने की मांग सालाना आधार पर छह प्रतिशत घटकर 131.4 टन रह गई। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डब्ल्यूजीसी की वर्ष की दूसरी तिमाही पर आधारित 'क्यू2 2026 गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल मांग 139.7 टन थी। डब्ल्यूजीसी के भारत क्षेत्र के सीईओ सचिन जैन ने कहा, ''हालांकि, मूल्य के लिहाज से मांग रिकॉर्ड स्तर पर रही। सोने की खपत का मूल्य 1,98,100 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2025 की समान अवधि में यह 1,32,500 करोड़ रुपये था। यह 2025 की दूसरी तिमाही की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है जो दर्शाता है कि ऊंची कीमतों के बावजूद उपभोक्ता सोने को प्राथमिकता दे रहे हैं।'' आगामी स्थिति पर जैन ने कहा कि डब्ल्यूजीसी का अनुमान है कि समूचे वर्ष के दौरान सोने की मांग 650 से 750 टन के बीच रहेगी। उन्होंने कहा, ''हमें अब भी इस वर्ष मांग 650 से 750 टन के दायरे में रहने की उम्मीद है। हालांकि, मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों, ब्याज दरों और मुद्रास्फीति को देखते हुए हमारा मानना है कि मांग इस दायरे के मध्य के आसपास रहेगी।

चीनी की स्टॉक लिमिट तय होने से बिगड़ जाएंगे चीनी कारोबारियों और रीसेल के हालात?

एनएफसीएसएफ ने उठाई केंद्र सरकार से मांग

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में इन दिनों चीनी लगातार चर्चा में है। पहले भारत सरकार ने चीनी के निर्यात पर रोक लगाई थी। उसके बाद चीनी के स्टॉक लिमिट की घोषणा की। सरकार के इस फैसले के बाद से नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड ने चीनी के स्टॉक होल्डिंग लिमिट की समीक्षा करने का आग्रह किया है। उनका मानना है कि चीनी को स्टोर करने की नई सीमा लागू होने से चीनी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और चीनी पर आधारित मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स के संचालन पर भी बुरा असर पड़ सकता है।

सरकार ने लगाई चीनी स्टॉक लिमिट पर लगाम

केंद्र सरकार ने चीनी की जमाखोरी और सट्टेबाजी को रोकने और घरेलू सप्लाई को नियंत्रित रखने के लिए चीनी कारोबारियों और डीलर्स के लिए भंडारण की लिमिट तय कर दी है। अब कोई भी चीनी डीलर 4000 क्विंटल से अधिक चीनी नहीं रख सकता है। इसके अलावा किसी भी समय पर 30 दिन से अधिक का चीनी भंडार मौजूद नहीं होना चाहिए। केंद्र सरकार का ये आदेश देशभर में 1 अगस्त 2026 से लागू है।सरकार के इस फैसले के बाद एनएफसीएसएफ का मानना है कि नई सीमा लागू होने से पूर्वोत्तर राज्यों में चीनी की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और चीनी पर आधारितमैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स बुरी तरह से प्रभावित होंगे।

मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स पर दिखेगा बुरा असर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एनएफसीएसएफ ने शुगर (कंट्रोल) ऑर्डर, 2025 में "डीलर" की विस्तारित परिभाषा पर भी आपत्ति जताई है, जिसमें अब चीनी को कच्चे माल के रूप में उपयोग करने वाले प्रोसेसर और मैन्युफैक्चरिंग प्लांट्स को भी शामिल किया है। महासंघ ने कहा कि कन्फेक्शनरी, बिस्कुट, पेय पदार्थ, दवा और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनियां चीनी का उपयोग केवल अपने उत्पादन के लिए करती हैं, न कि व्यापार या रीसेल के लिए। ऐसे उद्योगों पर भी वही भंडारण सीमा लागू करने से उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं।

नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज लिमिटेड ने केंद्र सरकार से मांग की है कि जो उद्योग केवल अपने उत्पादन के लिए चीनी का उपयोग करते हैं, उन्हें भंडारण सीमा से छूट दी जाए, या उनके लिए अलग और उपयुक्त भंडारण सीमा निर्धारित की जाए।

प्याज की थोक दामों में 51% से अधिक की बढ़ोतरी

1 महीने में कीमतों में दिखी गजब की तेजी! क्या है वजह?

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। प्याज हर घर में हर रोज की जरूरत है। ऐसे में एक आम आदमी प्याज की कीमतों पर खास गौर करता है। बता दें कि प्याज के थोक दामों में पिछले साल की तुलना में 51.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी जा रही है। प्रमुख सब्जियों में प्याज ने सबसे मजबूत ट्रेंड दिखाया है, जिससे बाजार में इसकी स्थिति अन्य सब्जी की कीमतों की तुलना में अधिक मजबूत बनी हुई है। इसके साथ ही एक महीने के दौरान भी प्याज की कीमतें तेजी से ऊपर भागी हैं।

कितने बढ़े प्याज के दाम?

मई-जून में प्याज की बेहद कम कीमत मिलने के कारण किसानों ने भारी विरोध जताया था। जिसके बाद गृह एवं सहकारिता मंत्री ने सरकारी एजेंसियों के सीधे किसानों से प्याज खरीदने के निर्देश दिए थे। किसानों को बेहतर दाम दिलाने के लिए प्याज की कीमतें बढ़ाई गई थीं। बता दें कि पिछले साल के मुकाबले प्याज की थोक कीमत औसतन 1,328.49 प्रति क्विंटल थी जो इस साल 2,012.69 प्रति क्विंटल हो गई। पिछले साल की तुलना में ये 51.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बाजार के जानकारों का मानना है कि बेहतर दाम मिलने, कंट्रोल्ड सप्लाई और मजबूत मांग के कारण प्याज के दाम ऊंचे बने हुए हैं। हालांकि हाल के सप्ताहों में तेजी की रफ्तार कुछ धीमी पड़ी है, लेकिन बाजार का रुख अभी भी पॉजिटिव है। प्याज की कीमतों में सिर्फ सालाना आधार पर ही बढ़ोतरी नहीं हुई, बल्कि पिछले एक महीने में भी प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। जून के आखिरी हफ्ते में औसत थोक भाव 1,844.85 प्रति क्विंटल था, जिसके बाद जुलाई के अंतिम सप्ताह तक कीमत बढ़कर 2,012.69 प्रति क्विंटल हो गई। जो कि एक महीने में लगभग 9.09 फीसदी की बढ़ोतरी को दर्शाता है। मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक इन दिनों प्याज की नियंत्रित सप्लाई जारी है। साथ ही बाजार मांग भी अच्छी देखने को मिल रही है। जून के बाद से लगातार प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिली है, ऐसे में लोगों का यही सवाल है कि प्याज की कीमतों में नरमी कब आएगी।

टाटा स्टील ने जर्मन कंपनी के साथ खत्म किया 25 साल पुराना जॉइंट वेंचर, 335 करोड़ में खरीदेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील जर्मनी की कंपनी मार्ट्रेड के साथ अपनी 25 साल पुरानी पार्टनरशिप खत्म करने जा रही है। दोनों कंपनियों ने 2001 में जॉइंट शिपिंग वेंचर बनाया था।

अब टाटा स्टील इसमें जर्मन कंपनी की 23% हिस्सेदारी 335 करोड़ रुपये में खरीद रही है। डील पूरी होने के बाद इसमें टाटा स्टील की हिस्सेदारी 51% से बढ़कर 74% हो जाएगी जबकि जापान की एनवाईके की 26% हिस्सेदारी बनी रहेगी। टाटा स्टील Iक्यू मार्ट्रेड होल्डिंग एंड मैनेजमेंट से टीएम इंटरनेशनल लॉजिस्टिक्स के 41.4 लाख इक्विटी शेयर खरीद रही है। इस ट्रांजैक्शन के साथ ही दोनों कंपनियों के बीच 26 जुलाई, 2001 को वजूद में आया जॉइंट वेंचर एग्रीमेंट खत्म हो जाएगा। यह एग्रीमेंट कंपनी के बड़े विदेशी विस्तार (कोरस का अधिग्रहण) से पहले का था। यह टाटा स्टील, मार्ट्रेड और एनवाईके का ऐसा वेंचर था जो सदी की शुरुआत से ही भारतीय कंपनी के कच्चे माल और तैयार स्टील को समुद्र के रास्ते लाने-ले जाने का काम कर रहा था। टाटा ग्रुप की कंपनी के बोर्ड ने साथ ही नीलाचल इस्पात निगम की क्षमता को 4.8 मिलियन टन तक बढ़ाने के लिए 33,873 करोड़ रुपये के बड़े निवेश को भी मंजूरी दे दी है। ओडिशा के इस प्लांट को सरकार से प्राइवेटाइजेशन सेल के जरिए खरीदा गया था और अब इसे एक विलय प्रक्रिया के जरिए टाटा स्टील में मिलाया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि क्षमता बढ़ने से उसके 'लॉन्ग प्रोडक्ट्स' पोर्टफोलियो को मजबूती मिलेगी, क्योंकि इसके ब्रांडेड रिटेल प्रोडक्ट्स की मांग बहुत ज्यादा है। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में टाटा स्टील का नेट प्रॉफिट 19% बढ़कर 2,385 करोड़ रुपये हो गया जबकि ऑपरेशन से होने वाला रेवेन्यू 15% बढ़कर 60,412 करोड़ रुपये रहा।

आरबीआई का बड़ा फैसला! अब बल्क डिपॉजिट पर मिलेगी अलग-अलग ब्याज दर, जानिए किसे होगा फायदा

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग सेक्टर और बड़े निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए बैंकों को 'बल्क डिपॉजिट' पर डिफरेंशियल यानी अलग-अलग ब्याज दरें देने की अनुमति दे दी है. इस फैसले के बाद अब बैंक समान अवधि वाले बल्क डिपॉजिट्स पर भी जमा की गई रकम के आधार पर अलग-अलग ब्याज दरें तय कर सकेंगे. आइए आसान भाषा में समझते हैं कि आरबीआई का यह नया नियम क्या है, बल्क डिपॉजिट किसे कहते हैं और इसका बैंकिंग सेक्टर व निवेशकों पर क्या असर पड़ेगा.

आरबीआई ने लिया बड़ा फैसला

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों को लिक्विडिटी कवरेज रेश्यो फ्रेमवर्क के तहत उनके खास रन-ऑफ रेट के आधार पर बल्क डिपॉज़िट पर अलग-अलग ब्याज दरें देने की इजाजत दी है. सेंट्रल बैंक ने 30 जुलाई को जारी एक नोटिफिकेशन में कहा कि यह नियम रुपए में डिपॉजिट अमाउंट और नॉन-रेसिडेंट इंडियन की डिपॉजिट अमाउंट, दोनों पर लागू होगा.

बल्क डिपॉज़िट के मुख्य नियम पहले जैसे ही रहेंगे. आरबीआई ने साफ कहा है कि सभी ब्रांच और ग्राहकों के लिए ब्याज दरें एक जैसी होनी चाहिए और उनमें कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए. नोटिफ़िकेशन में यह भी कहा गया है कि सभी बैंकों को हर दिन सुबह 10 बजे तक बल्क डिपॉज़िट पर ब्याज दरें बतानी होंगी, जिसके लिए 10 मिनट का ग्रेस पीरियड (अतिरिक्त समय) भी मिलेगा.

एचडीएफसी की हुई थी आलोचना

ये बदलाव तब हुए हैं जब देश के सबसे बड़े लेंडर, एचडीएफसी बैंक की हाल ही में आलोचना हुई थी. बैंक पर आरोप था कि उसने बल्क डिपॉजिट हासिल करने के लिए "मार्केटिंग खर्च" के नाम पर महाराष्ट्र स्टेट रोड एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को 45 करोड़ रुपए दिए थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एमएसआरडीसी को दी गई ब्याज दर 6.01 प्रतिशत थी, जो रेगुलर सेविंग्स रेट (3.5 प्रतिशत) से काफी ज्यादा थी.इस तरह दोनों दरों में लगभग 2.5 प्रतिशत का अंतर था. इंटरनल रिव्यू के बाद, एचडीएफसी बैंक ने चेतावनी पत्र जारी किए और टॉप लीडरशिप पर 1-1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया. इनमें मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ शशिधर जगदीशन, चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर श्रीनिवासन वैद्यनाथन और रिटेल एसेट्स के ग्रुप हेड अरविंद वोहरा शामिल थे.

किसे कहते हैं बल्क डिपॉजिट?

भारतीय रिजर्व बैंक के मौजूदा गाइडलाइंस के तहत शेड्यूल्ड कमर्शियल बैंक और स्मॉल फाइनेंस बैंक में 3 करोड़ रुपए और उससे अधिक की सिंगल फिक्स्ड डिपॉजिट को 'बल्क डिपॉजिट' माना जाता है. रीजनल रूरल बैंक्स में 1 करोड़ और उससे अधिक की जमा राशि को बल्क डिपॉजिट की श्रेणी में रखा जाता है. इनसे कम राशि की सभी जमाओं को 'रिटेल डिपॉजिट' कहा जाता है.

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	कर्क	मे
चंद्र	कुंभ	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	मिथुन	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	सिंह	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय	
कर्क---	04-54 बजे
सिंह---	07-10 बजे
कन्या--	09-16 बजे
तुला----	11-22 बजे
वृश्चिक--	13-32 बजे
धनु----	15-46 बजे
मकर--	17-52 बजे
कुंभ---	19-42 बजे
मीन---	21-20 बजे
मेष----	22-56 बजे
वृष-----	00-42 बजे
मिथुन--	02-42 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **05-56** सूर्यास्त. **18 -48**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - श्रावण कृष्ण पक्ष शनिवार **01 August 2026**
तिथि - तृतीया **23-07** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - शतभिषा **20-45** तक उप पूर्वभाद्रपद
योग - शोभन **23-22** रात्रि तक उप अतिगण्ड
करण - वणिज **10-53** तक उप विष्टी (भद्रा)

श्रावण मास

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-10 से 10-46 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर **Ph. 9247132654**

दिन का चौघड़िया		
काल	05-56 - 07-33	अशुभ
शुभ	07-33 - 09-10	शुभ
रोग।।	09-10 - 10-46	अशुभ
उत्पात	10-46 - 12-22	अशुभ
चंचल	12-22 - 13-59	शुभ
लाभ	13-59 - 15-35	शुभ
अमृत	15-35 - 17-12	शुभ
काल	17-12 - 18-48	अशुभ

रात का चौघड़िया		
लाभ	18-48 - 20-12	शुभ
उत्पात	20-12 - 21-35	अशुभ
शुभ	21-35 - 22-59	शुभ
अमृत	22-59 - 00-23	शुभ
चंचल	00-23 - 01-46	शुभ
रोग	01-46 - 03-10	अशुभ
काल	03-10 - 04-33	अशुभ
लाभ	04-33 - 05-56	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे । इसीलिए आज का दिन आपके रास्ते में आने वाले अवसरों और निवेश का मुलांकन करके किसी सही निर्णय पर पहुंचने के लिए बिलकुल ठीक है ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
आज का दिन अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बिलकुल सही है । आज आप सामान्य से अधिक आक्रामक और दृढ व्यवहार करेंगे । इससे आसपास के लोगों को आश्चर्य होगा । उन्हें शायद आपके बारे में अपनी राय बदलने पर भी मजबूर होना पड़े । लेकिन उनके आश्चर्य की भावना से आपको आज जरुरी मौका मिल जाएगा ,इस अवसर का फायदा उठाने से न चूकें ।

मिथुन का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें,आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी । ऐसा हो सकता है कि घर पर अचानक बहुत सारे मेहमान आ जाएँ या बॉस आपको अंतिम समय पर कोई महत्वपूर्ण काम सौंप दें । स्थिति चाहे जो हो,आप बहुत अच्छे से संभल लेंगे ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपमें कुछ करने और दूसरों को प्रभावित करने की इच्छा बनी रहेगी । आप मजबूत और पक्के फैसले ले पायेंगे और ऐसा करना का आपका समय बिलकुल ठीक होगा । आप अपने पुराने कर्ज और अहसानों से भी मुक्त हो पायेंगे । आप अपनी शीघ्र विचार की क्षमता के कारण किसी की जरुरत के समय मदद कर पायेंगे ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी । परिवर्तन तो जरुर होंगे लेकिन आपके भविष्य के लिए शुभ साबित होंगें ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने विस्तृत होते हुए परिवेश के बारे में बहुत अच्छा अनुभव करेंगे लेकिन आपके परिजन इसी को लेकर निराश होंगे । जो आप करना चाहते हैं ,उसके लिए स्वयम को समर्पित कर दें । पर्दे के पीछे काम न करें,आप जो भी कर रहे हैं,उसके बारे में जानने दें । अपनी जीवन में आये किसी नए दोस्त से आपको काफी लगाव का अनुभव होगा ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप नम्र रहेंगे और दूसरों की स्वार्थरहित सेवा करेंगे । दूसरों को संतुष्ट करने के लिए अपना समय ,स्थान ,पैसा और यह तक कि अपना भोजन भी लगायेंगे । लोग आपकी इसके लिए तारीफ करेंगे ,लेकिन अपनी सीमायें निर्धारित करें । अपने बच्चों पर भी ध्यान दें,उन्हें कोई संक्रमण हो सकता है । घर पर रहें और घर का स्वच्छ भोजन करें ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
किसी पुराने दोस्त या परिवार के साथ बाहर घुमने जाने या बातचीत का आनंद लें । आपको अपने काम के लिए उन्ही तरीकों पर भरोसा करना चाहिए जो आपके लिए पिछले समय में लाभकारी रहें हैं । आज कोई नया प्रयोग शुरू करना ठीक नही होगा । अगर आप कोई नौकरी या कोई परियोजना हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं तपो पारम्परिक तरीकों से ही कोशिश करें।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज आप कुछ उलझे हुए से रहेंगे । आप कोई महत्वपूर्ण काम शुरू करने के लिए भी उतावले हैं । परन्तु आज प्रतीक्षा करना और कोई महत्वपूर्ण काम शुरू न करना ही ठीक होगा । शाम तक उलझन खुद कम हो जायेगी । दिन बाधारहित गुजरेगा । यात्रा कर सकते हैं ,सार्वजनिक परिवहन से देर हो सकती है । दूसरे विकल्प खुले रखें ।

कुंभ गु, गे ,गो, सा, सी, सु, से, सो, दा
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है । अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं । आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में फर्जी ताइक्वांडो खेल सर्टिफिकेट मामला

एसओजी ने आरोपी बालकंवर सैनी को किया गिरफ्तार

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। रिक्त खेल प्रमाण-पत्रों पर कूटरचना कर सरकारी नौकरी दिलाने वाले गिरोह का पर्दाफाश, जांच जारी जयपुर।

राजस्थान में तृतीय श्रेणी अध्यापक (लेवल-1) भर्ती परीक्षा 2021-22 में फर्जी खेल प्रमाण-पत्रों के आधार पर नौकरी हथियाने के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। एसओजी की टीम ने फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराने के आरोपी बालकंवर सैनी (33 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) श्री विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2021-22 की भर्ती प्रक्रिया के दौरान कुछ अभ्यर्थियों ने फर्जी ताइक्वांडो खेल प्रमाण-पत्र और 'ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया, धनबाद' की फर्जी ईमेल आईडी से तैयार सत्यापन रिपोर्ट का इस्तेमाल कर खेल कोटे से नौकरी प्राप्त की थी। इस संबंध में एसओजी थाने में कूटरचना और धोखाधड़ी की धाराओं में प्रकरण संख्या 33/2024 दर्ज कर जांच की जा रही है।

जांच में सामने आया कि आरोपी बालकंवर सैनी (निवासी जयपुर) वर्ष 2017 में एक ताइक्वांडो अकादमी चलाता था। उसी वर्ष राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता के दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित कुछ मुद्रित रिक्त (ब्लैंक) प्रमाण-पत्र उसके पास रह गए थे। बाद में, आरोपी विष्णु भाखड़ीवाल और कप्तान सिंह ने बालकंवर सैनी से ये रिक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त किए। विष्णु भाखड़ीवाल ने अपने हाथों से भरकर इन्हें फर्जी खेल प्रमाण-पत्र में तब्दील कर दिया और अभ्यर्थियों से इसके एवज में करीब 60,000 रुपये ऐंठे। इस राशि में से 20,000 रुपये आरोपी बालकंवर सैनी को मिले थे। इस फर्जीवाड़े में आरोपी सियाराम गुर्जर ने फर्जी स्पोर्ट्स सर्टिफिकेट और फर्जी वेरिफिकेशन रिपोर्ट के आधार पर तृतीय श्रेणी शिक्षक की नौकरी हासिल कर ली थी। सियाराम को एसओजी पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पूछताछ में सामने आया था कि कप्तान सिंह ने अपने रिश्तेदार मनोज कुमार गुर्जर के कहने पर सियाराम गुर्जर व अन्य के लिए विष्णु भाखड़ीवाल से पैसे देकर फर्जी प्रमाण-पत्र खरीदे थे।

एसओजी के पुलिस महानिरीक्षक श्री अजय पाल लांबा, उप महानिरीक्षक श्री भुवन भूषण यादव एवं पुलिस अधीक्षक श्री कुंदन कंवरिया के निर्देशन तथा अनुसंधान अधिकारी श्री महावीर सिंह यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई करते हुए बालकंवर सैनी को दबोचा गया। एसओजी अधिकारियों का कहना है कि मामले में गहन अनुसंधान जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी पूछताछ की जा रही है।

ऊंट से टक्कर के बाद कार सवार मेजर की मौत दो लेफ्टिनेंट घायल

जैसलमेर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के जैसलमेर जिले में थैयात आर्मी इलाके के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में मेजर की मौत हो गई और दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा जैसलमेर शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर रात करीब 12:30 बजे हुआ, जब सेना की गाड़ी अचानक सड़क पर आए एक ऊंट से टकरा गई। पुलिस के मुताबिक, टक्कर के बाद गाड़ी चार-पांच बार पलटी और फिर करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। मृतक अधिकारी की पहचान मध्य प्रदेश के रहने वाले मेजर हमजा आरिफ के तौर पर हुई है, जिनकी शादी सिर्फ एक महीने पहले ही हुई थी। सदर पुलिस स्टेशन के एएसआई जगदीश चरण के अनुसार, मेजर हमजा आरिफ अपने दो साथी अधिकारियों के साथ ड्यूटी पूरी करके आर्मी स्टेशन लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

27 घंटे से टंकी पर डटे छात्र, सरकार को दिया अल्टीमेटम

> मांग नहीं मानी तो करेंगे आमरण अनशन

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर पानी की टंकी पर चढ़े तीन छात्र पिछले 27 घंटे से आंदोलन पर डटे हुए हैं। अब छात्रों ने अपने आंदोलन को और तेज करने का ऐलान किया है। उनका कहना है कि यदि अगले दो घंटे के भीतर सरकार उनकी मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तो वे टंकी पर ही आमरण अनशन शुरू कर देंगे।

छात्रों ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल ज्ञापन सौंपना नहीं, बल्कि छात्रसंघ चुनाव बहाल कराने के लिए सरकार को निर्णय लेने के लिए मजबूर करना है। उनका कहना था कि यदि सिर्फ ज्ञापन देना होता तो वे अपनी जान जोखिम में डालकर पानी की टंकी पर नहीं चढ़ते। इस बीच जिला प्रशासन की ओर से अतिरिक्त जिला कलेक्टर (एडीएम) छात्रों से मिलने पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतरकर ज्ञापन सौंपने का आग्रह किया।

हालांकि छात्रों ने प्रशासन का प्रस्ताव ठुकराते हुए कहा कि जब तक सरकार उनकी मांग पर ठोस कार्रवाई का भरोसा नहीं देती, तब तक आंदोलन समाप्त नहीं किया जाएगा। छात्रों की आमरण अनशन की चेतावनी के बाद प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। यदि छात्र भोजन और पानी का त्याग कर अनशन शुरू करते हैं, तो उनके स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में शुगर लेवल और ब्लड प्रेशर सामान्य से नीचे जाने का खतरा रहेगा, जिससे उन्हें सुरक्षित नीचे उतारना प्रशासन के लिए और अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकता है। गौरतलब है कि इससे पहले भी छात्र आंदोलन के दौरान पानी की टंकी पर चढ़ चुके हैं। उस समय तत्कालीन कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा लिफ्ट के जरिए टंकी पर पहुंचे थे और छात्रों से बातचीत कर उन्हें सुरक्षित नीचे उतरने के लिए राजी कर लिया था लेकिन इस बार यदि आमरण अनशन के कारण छात्रों की शारीरिक स्थिति बिगड़ती है, तो उन्हें सुरक्षित नीचे लाना प्रशासन के लिए कहीं अधिक कठिन हो सकता है। फिलहाल सभी की निगाहें सरकार के जवाब पर टिकी हैं।

12 साल पुराने दुष्कर्म मामले में एमपी के पूर्व एआईजी अनिल मिश्रा को उम्रकैद

पॉक्सो में भी 3 साल की सजा

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर मेट्रो की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने करीब 12 वर्ष पुराने बहुचर्चित मामले में मध्यप्रदेश पुलिस के तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा को दोषी ठहराते हुए दुष्कर्म के अपराध में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। वहीं पीड़िता की नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में अदालत ने उन्हें तीन वर्ष के कारावास से भी दंडित किया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी मध्यप्रदेश पुलिस में वरिष्ठ अधिकारी के पद पर तैनात था और उसकी जिम्मेदारी आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना थी।

इसके विपरीत उसने पीड़िता के जेल में बंद पति की मदद कराने का झांसा देकर अपने पद का दुरुपयोग किया और उसे अलग-अलग शहरों में ले जाकर कई बार दुष्कर्म किया। विशेष लोक अभियोजक संदीप वाजपेयी और पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता मुकेश पाठक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 11 जुलाई 2014 को महिला थाना दक्षिण, जयपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार फरवरी 2012 में मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में उसके पति के खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ था। पति के कहने पर वह मार्च 2012 में भोपाल में तत्कालीन एआईजी अनिल मिश्रा से मिली। आरोप है कि मिश्रा ने पति की कानूनी मदद का भरोसा दिलाकर ऑफिसर्स मैस में उसके साथ दुष्कर्म किया।

शिकायत में यह भी कहा गया कि आरोपी ने पीड़िता से कई बार अपने बैंक खाते में रुपये ट्रांसफर कराए और बाद में जोधपुर, मुंबई सहित अन्य स्थानों पर ले जाकर भी उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके अलावा अप्रैल 2014 में उसने पीड़िता की नाबालिग बेटी के साथ अश्लील हरकत की। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर विशेष अदालत ने अनिल मिश्रा को दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास तथा पॉक्सो से जुड़े अपराध में तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई।

जोधपुर में पीसीपीएनडीटी टीम की बड़ी कार्रवाई

भ्रूण लिंग परीक्षण करते नर्सिंग होम संचालक रंगे हाथ गिरफ्तार

जोधपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बनाड़ क्षेत्र के श्री सागर नर्सिंग होम पर छापा ; मोबाइल से चलने वाली पोर्टेबल मशीन और 50 हजार रुपये नकद बरामद जोधपुर। जिले में अवैध भ्रूण लिंग परीक्षण के खिलाफ पीसीपीएनडीटी सेल और स्वास्थ्य विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बनाड़ थाना क्षेत्र स्थित एक नर्सिंग होम के संचालक को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पोर्टेबल मोबाइल अल्ट्रासाउंड मशीन के जरिए गर्भस्थ शिशु का लिंग परीक्षण करने का आरोप है। कार्रवाई के दौरान टीम ने मौके से एक पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड प्रोब, 50 हजार रुपये नकद, एक गर्भवती महिला और अन्य संबंधित सामग्री बरामद की है।

सीएमएचओ डॉ. सुरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि बनाड़ स्थित 'श्री सागर नर्सिंग होम' के संचालक ओम प्रकाश चौधरी के खिलाफ अवैध लिंग परीक्षण करने की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। सूचना की पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर को अवगत कराया गया और उनके निर्देशन में पीसीपीएनडीटी सेल की एक विशेष टीम गठित कर योजनाबद्ध तरीके से डिकॉय ऑपरेशन (जाल बिछाकर कार्रवाई) को अंजाम दिया गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी ने एक गर्भवती महिला से भ्रूण लिंग परीक्षण के एवज में 50,000 रुपये की मोटी रकम ली थी। टीम ने दबिश देकर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया और महिला से लिए गए 50 हजार रुपये नकद मौके से ही बरामद कर लिए। जांच में सामने आया कि आरोपी लिंग परीक्षण के लिए एक आधुनिक 'हैंडहेल्ड पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड प्रोब' का इस्तेमाल करता था। यह डिवाइस एक तार के जरिए सीधे मोबाइल फोन से जुड़ जाती है। मोबाइल में मौजूद एक विशेष ऐप स्क्रीन का काम करती है, जिस पर सोनोग्राफी की तरह भ्रूण की तस्वीरें दिखाई देती थीं।

नोटः भारत में पीसीपीएनडीटी एक्ट के तहत गर्भस्थ शिशु के लिंग की जांच करना और करवाना पूरी तरह से गैर-कानूनी और संज्ञेय अपराध है। पीसीपीएनडीटी सेल और स्थानीय पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी कितने समय से इस अवैध गोरखधंधे में लिप्त था और इस नेटवर्क में कौन-कौन से दलाल या अन्य लोग शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और जब्त साक्ष्यों के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से स्कूटी के उड़े परखच्चे पति-पत्नी और मासूम बेटे की मौत

उदयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। बड़ा बेटा गंभीर रूप से घायल; हादसे के बाद गाड़ी छोड़कर फरार हुए आरोपी उदयपुर। उदयपुर जिले के बेकरिया थाना क्षेत्र में गोगुंदा-पिंडवाड़ा हाईवे पर रात को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया। आकियावड़ के पास एक बेकाबू कार ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में स्कूटी सवार पति, पत्नी और उनके 8 वर्षीय मासूम बेटे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनका बड़ा बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक और उसमें सवार अन्य लोग वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए।

अगले 5 दिन भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में सावन की शुरुआत के साथ मानसून एक बार फिर पूरी तरह सक्रिय हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को प्रदेश के 5 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट और बाकी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 31 जुलाई से 5 अगस्त तक प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा। ऐसे में लोगों को जलभराव, बिजली गिरने और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से बना डिप्रेशन सिस्टम धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से कोटा, उदयपुर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कई जिलों में अगले कुछ दिनों तक मध्यम से भारी और कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में सीकर, झुंझुनूं, जयपुर, अजमेर, प्रतापगढ़ और कोटा समेत कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक अजमेर के सरवाड़ में 45 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। इसके अलावा सीकर के नीमकाथाना में 34 मिमी, रींगस में 29 मिमी, खंडेला में 27 मिमी, कोटा के सांगोद में 20 मिमी और झुंझुनूं के खेतड़ी में 18 मिमी बारिश हुई।

बारिश के बीच पश्चिमी राजस्थान में गर्मी बरकरार

एक ओर पूर्वी राजस्थान में बारिश का दौर जारी है, वहीं पश्चिमी जिलों में पश्चिमी हवाओं के कारण उमस और गर्मी बनी हुई है। गुरुवार को जैसलमेर 41.5 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। बाड़मेर में 40.1 डिग्री, बीकानेर में 39.6 डिग्री और फलोदी में 38.8 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

मौसम विभाग की सलाह

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश की संभावना को देखते हुए निचले इलाकों, नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही से बचने की सलाह दी है। बिजली गिरने की आशंका को देखते हुए खुले मैदानों और पेड़ों के नीचे खड़े होने से भी बचने को कहा गया है।

राजस्थान विधानसभा में बड़ा बदलाव : अब सिर्फ ऑनलाइन लगेंगे विधायकों के सवाल, 20 अगस्त से नए सिस्टम की शुरुआत

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा के 20 अगस्त से शुरू होने वाले षष्ठम सत्र में पहली बार विधायकों के प्रश्नों को लेकर नई डिजिटल व्यवस्था लागू होगी। अब विधानसभा में पूछे जाने वाले सभी तारांकित और अतारांकित प्रश्न केवल नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। ऑफलाइन या अन्य माध्यम से भेजे गए प्रश्न स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विधानसभा सचिवालय ने इस संबंध में सभी विधायकों को निर्देश जारी कर दिए हैं। निर्देशों के अनुसार विधानसभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन संबंधी नियमों के तहत प्रश्न भेजने की ऑनलाइन व्यवस्था पहले ही लागू की जा चुकी है, लेकिन अब इसे अनिवार्य कर दिया गया है।

सचिवालय के अनुसार सभी सदस्यों को ने वा पोर्टल पर अपना ई-मेल और मोबाइल नंबर पंजीकृत कराना होगा। इसके बाद विधायक https://cmsraj.neva.gov.in/ पर लॉगिन कर हिंदी यूनिकोड (मंगल फॉन्ट) में अपने प्रश्न ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। जिन विधायकों ने अभी तक नेवा पोर्टल पर पंजीकरण नहीं कराया है, उन्हें विधानसभा सचिवालय के कंप्यूटर कक्ष (कक्ष संख्या-315) में व्यक्तिगत रूप से पहुंचकर ई-मेल और मोबाइल नंबर का सत्यापन कराना होगा। सुरक्षा कारणों से यह प्रक्रिया अनिवार्य की गई है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद राजस्थान विधानसभा के सोलहवें कार्यकाल का षष्ठम सत्र 20 अगस्त से शुरू होगा।

सरवड़ी हमला कांड : जिंदगी की जंग हार गई प्रियंका

3 दिन पहले पड़ोसी ने घर में घुसकर किया था हमला,आरोपी गिरफ्तार

सीकर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के धोद थाना क्षेत्र के सरवड़ी गांव में गर्भवती महिला पर हुए जानलेवा हमले ने आखिरकार दो जिंदगियां छीन लीं। चार दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद जयपुर के एसएमएस अस्पताल में भर्ती 25 वर्षीय प्रियंका ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसके गर्भ में पल रहे छह माह के शिशु की भी मौत हो चुकी थी। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।

घर में घुसकर किया था जानलेवा हमला

पुलिस के अनुसार सरवड़ी गांव निवासी 25 वर्षीय प्रियंका 27 जुलाई को अपने घर पर मौजूद थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला सुरेश सैनी धारदार हथियार लेकर घर में घुस गया और महिला के गले पर जानलेवा हमला कर दिया। आरोपी ने प्रियंका के हाथ-पैरों पर भी कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला को पहले स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी हालत गंभीर होने पर जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया। चिकित्सकों ने लगातार चार दिन तक उसका इलाज किया लेकिन शुक्रवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुराने विवाद के चलते रची थी साजिश

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कुछ दिन पहले आरोपी का प्रियंका से विवाद हुआ था। घटना की जानकारी प्रियंका ने अपने पति को दी थी। इसके बाद उसके पति ने आरोपी की शिकायत उसके बड़े भाई से की। बताया जा रहा है कि बड़े भाई की डांट-फटकार से नाराज होकर आरोपी ने रंजिश पाल ली और वारदात की साजिश रची। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पहले से धारदार हथियार की व्यवस्था की और मौका मिलते ही घर में घुसकर हमला कर दिया।

पुलिस पहले ही आरोपी सुरेश सैनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी है। अब महिला की मौत के बाद मामले में हत्या सहित अन्य गंभीर धाराएं जोड़ी जाएंगी। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद केस में आवश्यक धाराओं के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद सरवड़ी गांव सहित पूरे इलाके में शोक की लहर है। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सूने मकान में चोरों ने आमलेट बनाकर खाया, लाखों की नकदी और जेवरात ले उड़े

झालावाड़, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के भवानीमंडी शहर की महाकाल कॉलोनी में सूने मकान को निशाना बनाकर अज्ञात चोरों ने लाखों रुपये की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश घर से करीब 2.50 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के जेवरात और एक एलईडी टीवी चोरी कर ले गए। हैरानी की बात यह रही कि चोरी के दौरान चोरों ने घर की रसोई में आमलेट बनाकर खाया और चार तरह के अचार भी साथ ले जाने की कोशिश की, जिन्हें वे जल्दबाजी में घर के बाहर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार महाकाल कॉलोनी निवासी हरजीत सिंह पुत्र दिलीप सिंह अपने परिवार के साथ इलाज के सिलसिले में मुंबई गए हुए थे, घर कई दिनों से बंद पड़ा था(शुक्रवार सुबह पड़ोसी टहलने निकले तो उन्होंने मकान का मुख्य दरवाजा खुला देखा। संदेह होने पर जब वे अंदर गए तो पूरा घर अस्त-व्यस्त मिला और सामान बिखरा पड़ा था। इसके बाद उन्होंने तत्काल मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी।

अंडरवियर की सिलाई में गांजा : झुंझुनूं जेल में बंद दोस्त को 'स्पेशल गिफ्ट' देने पहुंचा युवक गिरफ्तार

झुंझुनूं, 31 जुलाई (एजेंसियां)। जेल में बंद बंदी तक नशीला पदार्थ पहुंचाने के लिए एक युवक ने ऐसी चाल चली, जिसे उसने शायद पूरी तरह 'फूलप्रुफ' समझा होगा।

उसने अंडरवियर की रबड़ के भीतर गांजे की पुडिया छिपाकर ऊपर से सिलाई कर दी, ताकि तलाशी में किसी को शक न हो। लेकिन उसकी यह शातिराना तरकीब जेल प्रशासन की सतर्कता के आगे ज्यादा देर टिक नहीं सकी और पूरी साजिश मौके पर ही बेनकाब हो गई। मामला राजस्थान में झुंझुनूं जिला कारागृह से प्रकाश में आया है जहां जेल पुलिस ने बंदी से मिलने आए एक व्यक्ति की कारस्तानी पकड़ी है। झुंझुनूं जिला कारागृह में मुलाकात के दौरान हुई इस कार्रवाई के बाद जेल प्रशासन की रिपोर्ट पर कोतवाली थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरामद गांजे का वजन 9.06 ग्राम बताया गया है।

बंदी के लिए कपड़े लेकर आया, लेकिन तलाशी में खुल गई पोल

जानकारी के अनुसार हरियाणा निवासी विकास कुमार पिछले साल से झुंझुनूं जिला कारागृह में बंद है। उससे मिलने कुणाल नामक व्यक्ति जेल पहुंचा था। मुलाकात के दौरान वह बंदी के लिए एक अंडरवियर लेकर आया और नियमानुसार उसे बंदियों को दिए जाने वाले सामान के साथ जमा करा दिया। जब जेल प्रहरी ने नियमित जांच के तहत कपड़ों की तलाशी ली तो अंडरवियर की रबड़ असामान्य लगी। गहन जांच करने पर पता चला कि रबड़ वाले हिस्से में सिलाई करके एक पुडिया छिपाई गई थी।

सिलाई काटी तो निकला गांजा

जेल कर्मियों ने जब सिलाई खोलकर पुडिया की जांच की तो उसमें 9.06 ग्राम गांजा मिला। इसके बाद तत्काल पूरे मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने गांजा जब्त कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी।

जनजातीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा नामांकन के लिए अधिकाधिक प्रयास हों-राज्यपाल

जयपुर, 31 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा में नवनिर्मित अकादमिक भवन, कुलगुरु आवास और स्वामी विवेकानंद प्रतिमा का लोकभवन से ऑनलाइन अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा जितनी गुणवत्तापूर्ण और समयानुरूप होगी, उतनी ही वह जीवन के लिए अधिक उपयोगी और सार्थक होगी। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में उच्च शिक्षा नामांकन के लिए भी अधिकाधिक प्रयास किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताते हुए कहा कि उनका शिक्षा दर्शन विद्यार्थी के चरित्र निर्माण, आत्म-विश्वास और सर्वांगीण विकास से जुड़ा है।

तेलंगाना में निवेश का सुनहरा अवसर उद्योगपति आगे आएं : मुख्यमंत्री

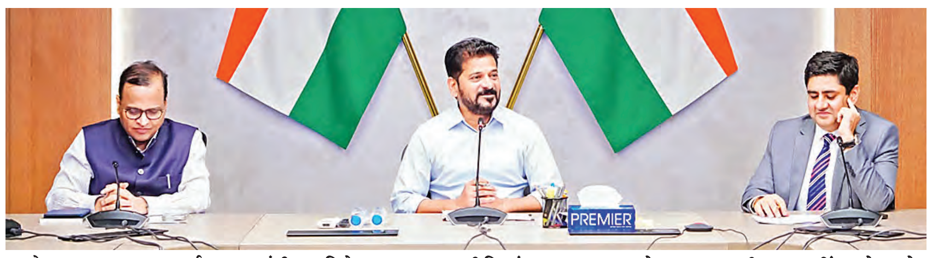

हैदराबाद, 31 जुलाई। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के उत्तरी क्षेत्र के प्रतिनिधियों से तेलंगाना में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को सुरक्षित और अनुकूल वातावरण उपलब्ध करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता फॉर्च्यून-500 कंपनियों को "भारत फ्यूचर सिटी" में निवेश के लिए आकर्षित करना है और राज्य में किसी भी प्रकार का "पॉलिसी पैरालिसिस" नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना में सरकारें बदलती रही हैं, लेकिन उद्योगों के हित में बनाई गई अच्छी नीतियों को निरंतर जारी रखा गया है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा शुरू की गई सकारात्मक औद्योगिक नीतियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सरकार नई निवेश-अनुकूल नीतियां लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि अच्छे निवेश प्रस्तावों को हरसंभव प्रोत्साहन दिया जाएगा। रेवंत रेड्डी ने कहा कि "तेलंगाना राइजिंग-2047" नीति के तहत राज्य को वैश्विक निवेश केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में देश की जीडीपी में तेलंगाना की लगभग पांच प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिसे बढ़ाकर दस प्रतिशत तक ले जाना सरकार का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2037 तक तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास मॉडल की जानकारी देते हुए बताया कि आउटर रिंग रोड के भीतर के क्षेत्र को "क्योर" (सेवा क्षेत्र), आउटर रिंग रोड और रीजनल रिंग रोड के बीच के क्षेत्र को "प्योर" (विनिर्माण क्षेत्र) तथा रीजनल रिंग रोड के बाहर के क्षेत्र को "रेयर" (कृषि एवं कृषि आधारित उद्योग) के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना के लिए भूमि, आधारभूत सुविधाएं और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि भारत फ्यूचर सिटी से मछलीपट्टनम बंदरगाह तक 12 लेन का राजमार्ग बनाया जाएगा। साथ ही वारंगल और आदिलाबाद में हवाई अड्डों के निर्माण को केंद्र सरकार की मंजूरी मिल चुकी है। शमशाबाद से चेन्नई, पुणे और बेंगलुरु तक बुलेट ट्रेन परियोजनाओं का भी उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि तेलंगाना का लक्ष्य पड़ोसी राज्यों से नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए राज्य सरकार कौशल विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर स्थापित यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी तथा आईटीआई संस्थानों को एडवांस्ड ट्रेनिंग सेंटर में बदलने की पहल युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने दावा किया कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को शत-प्रतिशत रोजगार मिल रहा है। रेवंत रेड्डी ने बताया कि हैदराबाद के ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) में लगभग 200 कंपनियां निवेश के लिए आगे आई हैं। उन्होंने कहा कि अमेजन डेटा सेंटर परियोजनाओं में लगभग एक लाख करोड़ रुपये तथा अदाणी समूह लगभग 35 हजार करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है।

पूर्व एमएलए रेगा कंथा राव पर रेप का आरोप, केस दर्ज

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजागुट्टा पुलिस ने पिनापाका के पूर्व एमएलए रेगा कंथा राव के खिलाफ केस दर्ज किया है। एक महिला ने आरोप लगाया है कि उन्होंने शादी का झूठा वादा करके कई सालों तक उसका यौन शोषण किया।

महिला की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत रेप, धोखाधड़ी और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, वह कई साल पहले कंथा राव के संपर्क में आई थी। उसने आरोप लगाया कि कंथा राव ने शादी का भरोसा देकर बार-बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने दावा किया कि बाद में कंथा राव ने अपना वादा पूरा करने से इनकार कर दिया और जब उसने इस बारे में बात की तो उसे धमकी दी। इसके बाद महिला पुलिस के पास पहुंची। पुलिस ने बयान दर्ज कर लिया है और जांच के तहत सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। वहीं, कंथा राव ने इन आरोपों पर अभी तक कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

तेलंगाना में एसआईआर की समय-सीमा 10 अगस्त तक बढ़ाई

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने शुक्रवार को राज्य में वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) के हिस्से के तौर पर गिनती (एन्यूमरेशन) का समय 10 अगस्त तक बढ़ा दिया। इससे पहले, गिनती की समय-सीमा 3 अगस्त थी।

तेलंगाना में एसआईआर की प्रक्रिया 25 जून को शुरू हुई थी, जिसकी शुरुआती समय-सीमा 24 जुलाई थी, जिसे बाद में बदलकर 3 अगस्त कर दिया गया था। हालांकि, अब समय-सीमा 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। इस बीच, राज्य में गिनती के फ़ॉर्म का डिजिटाइज़ेशन 77.12 प्रतिशत तक पहुँच गया है। हैदराबाद में 56.31 प्रतिशत फ़ॉर्म का डिजिटाइज़ेशन दर्ज किया गया, जो सभी ज़िलों में सबसे कम है।

सिकंदराबाद स्टेशन पर 9.45 लाख रुपये की कीमत का सोना बरामद

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गवर्नमेंट रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स (आरपीएफ) के साथ मिलकर शुक्रवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर चोरी के एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया और 9.45 लाख रुपये की कीमत का सोना बरामद किया। संदिग्ध, लिंबा राठौड़ ने कथित तौर पर सिकंदराबाद रेलवे पुलिस स्टेशन में दर्ज चोरी के नौ मामलों में शामिल होने की बात कबूल की।

पुलिस ने बताया कि वह भीड़-भाड़ वाले रेलवे स्टेशनों पर ट्रेन यात्रियों को निशाना बनाता था और चोरी के पैसे ऑनलाइन क्रिकेट सट्टेबाजी और शराब पर खर्च करता था।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों भावभीनी विदाई दी

पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश ने सेवाओं की सराहना की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय की ओर से शुक्रवार को सात सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के सम्मान में विदाई समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय कार्यालय के सभागार में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता पुलिस आयुक्त डॉ. एम. रमेश, आईपीएस ने की। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त ने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों की लंबी और समर्पित सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन अधिकारियों ने अपने सेवाकाल में जनता की सेवा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण और पुलिस विभाग के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर डीसीपी (प्रशासन) टी. अन्नपूर्णा, विशेष शाखा डीसीपी वाई. एस. सुधींद्र, साइबर अपराध डीसीपी के. पुष्पा, डीसीपी (कार मुख्यालय) पी. संजीव, अतिरिक्त डीसीपी शमीर, मुख्य लेखा अधिकारी वेंकट रेड्डी, प्रशासनिक अधिकारी वाई. वी. एस. ज्योतिर्मणि, एस्टेट अधिकारी आरआई हिमाकर और सहकारी समिति प्रभारी उपनिरीक्षक जी. मल्लेशम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं दीं। सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों में आर. किशन सिंह उपनिरीक्षक, मोइनाबाद पुलिस थाना, एल. राजेश्वर उपनिरीक्षक, शादनगर पुलिस थाना, मोहम्मद अब्दुल कादिर रिजर्व उपनिरीक्षक, सीएआर मुख्यालय, मोहम्मद मकसूद गौरी रिजर्व उपनिरीक्षक, सीएआर मुख्यालय, मोहम्मद अब्दुल जलील रिजर्व उपनिरीक्षक, सीएआर मुख्यालय, मोहम्मद नूरुद्दीन उपनिरीक्षक, यातायात पुलिस थाना, आरजीआईए, गेनुगुला रमेश प्रधान आरक्षक, राजेंद्रनगर पुलिस थाना शामिल है।

तेलंगाना में 7 अगस्त तक मनाया जाएगा विश्व स्तनपान सप्ताह

मां का दूध नवजात के लिए पहला टीका, स्वस्थ जीवन की मजबूत नींव

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य महिला एवं बाल कल्याण विभाग के तत्वावधान में आगामी 1 से 7 अगस्त 2026 तक पूरे राज्य में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान सभी जिलों, मंडलों और ग्राम स्तर पर स्तनपान के महत्व को लेकर जागरूकता कार्यक्रम, रैलियां और सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिला कल्याण अधिकारी, रंगारेड्डी जिला, महिला विकास एवं बाल कल्याण विभाग ने बताया कि इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह का वैश्विक विषय 'स्तनपान को प्राथमिकता देना : स्थायी सहायता प्रणालियों का निर्माण' रखा गया है।

उन्होंने कहा कि नवजात शिशु के लिए मां का दूध सबसे संपूर्ण पहला आहार हैं, जिसे 'तरल सोना' भी कहा जाता है। यह शिशु के लिए पहले टीके की तरह कार्य करता है और जन्म से ही रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदान करता है। महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अनुसार मां का दूध शिशु को जीवन के पहले 1000 दिनों में आवश्यक पोषण और प्रतिरक्षा प्रदान करता है। स्तनपान करने वाले बच्चों में दस्त, निमोनिया और अन्य संक्रमणों का खतरा कम होता है तथा यह मस्तिष्क और शारीरिक विकास में सहायक होता है। मां के दूध में मौजूद एंटीबॉडी शिशु को वायरस और बैक्टीरिया से बचाने में मदद करते हैं। इससे कान के संक्रमण, पेट संबंधी समस्याओं, दस्त और निमोनिया की संभावना कम होती है। लंबे समय में यह अस्थमा, मोटापा, टाइप-1 मधुमेह और अचानक शिशु मृत्यु सिंड्रोम के खतरे को कम करने में सहायक माना जाता है। विभाग ने बताया कि जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करना नवजात मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। तेलंगाना में लगभग 80 प्रतिशत नवजात शिशुओं को पहले दिन स्तनपान कराया जाता है, लेकिन केवल 38 प्रतिशत शिशुओं में पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू हो पाता है। स्तनपान मां के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इससे प्रसव के बाद रक्तस्राव कम करने में सहायता मिलती है और गर्भाशय के सामान्य संकुचन में मदद मिलती है। दूध निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिदिन लगभग 500 अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती हैं, जिससे प्रसव के बाद वजन नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा स्तनपान से महिलाओं में टाइप-2 मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोगों के दीर्घकालिक जोखिम को कम करने में मदद मिलती है। स्तनपान के दौरान निकलने वाला ऑक्सीटोसिन हार्मोन मां को मानसिक शांति देने, तनाव कम करने और मां-बच्चे के बीच मजबूत भावनात्मक संबंध बनाने में सहायक होता है। विभाग ने सलाह दी है कि बच्चे के जन्म से छह महीने तक केवल स्तनपान कराया जाए। इसके बाद दो वर्ष तक अन्य पौष्टिक आहार के साथ स्तनपान जारी रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विश्व स्तनपान सप्ताह के दौरान राज्यभर में आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को स्तनपान की सही पद्धति, पोषण और इससे जुड़ी भ्रांतियों के बारे में जागरूक किया जाएगा। विभाग ने बताया कि समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं के लिए राज्य का पहला मानव दूध बैंक नीलोफर अस्पताल में स्थापित किया गया है, जो जरूरतमंद नवजातों के लिए महत्वपूर्ण सहायता साबित हो रहा है। इसके साथ ही परिवार के सदस्यों, विशेषकर पिता और अन्य परिजनों को भी स्तनपान में सहयोग देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

आईएसडब्ल्यू के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम. जी. एस. प्रकाश राव सेवानिवृत्त

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। इंटेलिजेंस सिक्योरिटी विंग (आईएसडब्ल्यू) में विशिष्ट सेवाएं प्रदान करने वाले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एम. जी. एस. प्रकाश राव के सेवानिवृत्त होने पर शुक्रवार को भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आईएसडब्ल्यू के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर उनकी सेवाओं को याद किया और उन्हें सम्मानित किया। समारोह में ओएसडी वी. बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, लेकिन प्रकाश राव द्वारा विभाग को दी गई सेवाएं, अनुभव और योगदान हमेशा याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कर्तव्य के प्रति प्रकाश राव की निष्ठा और समर्पण सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है। प्रशासनिक पुलिस अधीक्षक जी. चक्रवर्ती ने कहा कि प्रकाश राव अपने कार्यों में हमेशा सक्रिय और जिम्मेदार रहे। उन्होंने कनिष्ठ अधिकारियों को मार्गदर्शन देते हुए एक कुशल नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी पहचान बनाई। तैनाती पुलिस अधीक्षक ने प्रकाश राव के साथ अपने लंबे संबंधों को याद करते हुए कहा कि समय पालन और अनुशासन के मामले में वे एक मिसाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रकाश राव की कार्यशैली ऐसी थी कि उनके अनुशासन और समयबद्धता से हर कोई प्रेरणा ले सकता है। सम्मानित किए गए एम. जी. एस. प्रकाश राव ने कहा कि पुलिस विभाग में सेवा करना उनके लिए सम्मान और पवित्र जिम्मेदारी रही है।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं. वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-झोनल-02
PUB/SCoR-120

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सूचना संख्या विवरण: वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-झोनल-02, निविदा संख्या: वीएसकेपी-एसएनटी-26-27-एएमसी-01, **कार्य विवरण:** विशाखापत्तनम डिवीजन में एसएसई/एसआईजी/सीएचइ क्षेत्राधिकार के तहत सिग्नल झोनल कार्य। मात्रा: निविदा दस्तावेज में विवरितानुसार। कार्य पूरा करने की अवधि: 12 महिने, निविदा मूल्य रु.65,65,261.80 (रु.पैंसठ लाख पैंसठ हजार दो सौ इकसठ व अस्सी पैसे मात्र), बोली सुरक्षा/अग्रधन रु.1,31,300.00 (रु.एक लाख इकत्तीस हजार व तीनसौ मात्र), निविदा दस्तावेज मूल्य रु.0.00 (शून्य), आफर/प्रस्ताव की वैधता: निविदा खोलने की तिथि से लेकर 60 दिन, निविदा का प्रकार: कार्यो हेतु जीसीसी-2022 द्वारा अधिशासित कार्य निविदा, निविदाकरण प्रणाली: खुली निविदा- सिंगल पैकेट, निविदा बंद करने की तिथि व समय: 18-08-2026 के 15.00 बजे, निविदा दस्तावेज व शुध्दिपत्र: वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in देखें। पत्राचार का पता: एसआऱ. डीएसटीई/वीएसकेपी का कार्यालय, डीआरएम आफिस बिल्डिंग, दोंडापर्थी, विशाखापत्तनम-530004, आंध्र प्रदेश

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता /विशाखापत्तनम

निविदा सूचना सं. ईटी-एसआरडीएमइ-वीएसकेपी-006-2026
PUB/SCoR-121

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, डीआरएम (यांत्रिक),दक्षिण तट रेलवे, विशाखापत्तनम द्वारा निम्न कार्यो हेतु निविदाकारों से https://www.ireps.gov.in पर दो पैकेट प्रणाली में ई-बोलियां आमंत्रित है।

कार्य विवरण: 02 वर्ष की अवधि के लिए, ओइसी/सीएसएल/वीएसपीएस डिपो से आरवाईपीएस वर्कशाप तथा अन्य युनिट्स पर या वाइसवर्सा नुसार, आईसीएफ बोगियों (बीवीजेडआई) एवं व्हील सेट्स का परिवहन कार्य अथवा ट्रांसपोर्टेशन।

कार्य का अनुमानित मूल्य रु.78,44,816.64, निविदा दस्तावेज मूल्य रु.0.00, अग्रधन रु.1,56,900.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा बंद करने की तिथि व समय: 24-08-2026 के 15.00 बजे

तत्संबंधित ई-निविदाओं के प्रति डाक/कोरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रुप में प्रेषित मैन्युएल आफर्स को स्वीकार नही किया जायेगा, बशर्ते इसे फर्म लेटरहेड पर प्रस्तुत किया गया हो तथा समय पर यह प्राप्त हुवा हो। ऐसे सभी मैन्युएल आफर्स पर कोई भी विचार नही किये बिना सरसरी तौर पर अस्वीकार किया जायेगा।तत्संबंधित संपूर्ण विवरण सहित उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेजों का विवरण **वेबसाइट:**https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

टिप्पणी: भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि, इस निविदा के प्रति जारी किसी भी परिवर्तनों /शुध्दिपत्रों को नोट करने हेतु निविदा बंद करने की तिथि से पहले 15 दिनों की अवधि में वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता (को-आर्ड.) /विशाखापत्तनम
SCoR-A141

निविदा नियम शर्ते/ज्यादा जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: https://www.ireps.gov.in देखें।

टिकट जांच से कहीं बढ़कर सुरक्षित रेल यात्रा के अनसुने नायक हैं टीटीई

दक्षिण मध्य रेलवे ने गिनाई टिकट जांच कर्मचारियों की उल्लेखनीय उपलब्धियां

SAIRAM | M SAI SHANKAR | MV SUBBA REDDY | N UTTAM SINGH | BALRAJU | RACHEAL RANJITHA

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे में टिकट जांच कर्मचारी (टीटीई) केवल टिकटों की जांच तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे यात्रियों की सुरक्षा, सहायता और आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन रक्षक की भूमिका भी निभा रहे हैं। दक्षिण मध्य रेलवे ने जारी एक विवरण में कहा कि टिकट जांच कर्मचारी सुरक्षित, संरक्षित और यात्री-अनुकूल रेल यात्रा सुनिश्चित करने में अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय रेलवे प्रतिदिन औसतन दो करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाती है।

टिकट जांच से कहीं अधिक जिम्मेदारियां

दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार टीटीई आरक्षित बर्थ का प्रबंधन, रिक्त बर्थ का नियमों के अनुसार आवंटन, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों और दिव्यांग यात्रियों की सहायता, परिचालन बाधाओं के दौरान मार्गदर्शन तथा ट्रेन में अनुशासन बनाए रखने का कार्य भी करते हैं। त्योहारों और भीड़भाड़ के समय वे भीड़ नियंत्रण, अनधिकृत यात्रा पर रोक तथा यात्रियों की शिकायतों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दुर्घटना अथवा अन्य आपात स्थिति में वे यात्रियों की जानकारी रेलवे प्रशासन तक पहुंचाने, प्रभावित यात्रियों की सहायता करने और उनके सामान की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी दायित्व निभाते हैं।

बच्चों को सुरक्षित बचाने में निभाई अहम भूमिका

सिकंदराबाद मंडल के यात्रा टिकट निरीक्षक साई राम ने लाकड़ीकापुल स्टेशन पर एक बाल शोषण के संदिग्ध आरोपी को पकड़कर रेलवे सुरक्षा बल के हवाले किया, जिसके बाद सरकारी रेलवे पुलिस ने पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। उन्होंने बेगमपेट, सिकंदराबाद स्टेशनों और ट्रेनों में कई लापता एवं घर से भागे बच्चों का पता लगाकर बाल कल्याण अधिकारियों की सहायता से उन्हें उनके परिजनों से मिलाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सतर्कता से बचाई यात्रियों की जान

यात्रा टिकट निरीक्षक एम. साई शंकर ने 2 जून 2026 को ट्रेन संख्या 12861 एक्सप्रेस में डोर्नाकल स्टेशन पर चलती ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे एक यात्री को बचाने के लिए आपातकालीन चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई। घायल यात्री को रेलवे सुरक्षा बल की सहायता से 108 एंबुलेंस द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया।

इसी प्रकार यात्रा टिकट निरीक्षक एम. वी. सुब्बा रेड्डी ने 2 जून 2026 को ट्रेन संख्या 12285 दूरंतो एक्सप्रेस में निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचने से पहले हृदयाघात से पीड़ित यात्री को समय रहते सीपीआर देकर उसकी जान बचाई। स्टेशन पहुंचते ही यात्री को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

आग लगने की आशंका को समय रहते टाला

29 मई 2026 को यात्रा टिकट निरीक्षक उत्तम सिंह ने ट्रेन संख्या 18045 ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस में डोर्नाकल और गुंद्राथीमडुगु स्टेशनों के बीच शौचालय से धुआं निकलते देखा। उन्होंने तत्काल चेन पुलिंग कर ट्रेन रुकवाई और सुरक्षा उपाय अपनाकर संभावित बड़ी दुर्घटना टाल दी। वहीं 8 जुलाई 2026 को यात्रा टिकट निरीक्षक बालराजू ने ट्रेन संख्या 12714 शातवाहन एक्सप्रेस में धुआं संवेदक सक्रिय होने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए धूम्रपान विरोधी नियम लागू कर संभावित खतरे को टाल दिया।

नशीले पदार्थों की तस्करी का किया पर्दाफाश

यात्रा टिकट निरीक्षक एम. वी. सुब्बा रेड्डी ने ट्रेन संख्या 11020 कोणार्क एक्सप्रेस में मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास का पता लगाकर सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी। इसके बाद आरोपियों को काजीपेट में रेलवे सुरक्षा बल के हवाले कर आगे की कार्रवाई की गई।

ईमानदारी से जीता यात्रियों का विश्वास

22 जून 2026 को यात्रा टिकट निरीक्षक रैचल रंजीथा ने बेगमपेट स्टेशन पर एक यात्री द्वारा छूटे महंगे कॉरपोरेट इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए। सत्यापन के बाद उन्होंने सुरक्षित रूप से सामान उसके वास्तविक मालिक को लौटाया।

स्वच्छता और अनुशासन पर भी विशेष ध्यान

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत टिकट जांच कर्मचारियों ने एमएमटीएस सेवाओं और प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर यात्रियों को कचरे का उचित निस्तारण करने तथा स्टेशन और ट्रेनों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया दक्षिण मध्य रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे टिकट जांच कर्मचारियों का सहयोग करें, रेलवे नियमों का पालन करें, अपने सामान की सुरक्षा स्वयं सुनिश्चित करें तथा स्वच्छता बनाए रखें।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें।
Website: www.scor.indianrailways.gov.in

सं. सीएओ/सी/वर्क्स/डीपीआर्स की सहकर्मी समीक्षा/01, दि.30-07-2026
PUB/SCoR-125

डीपीआर्स की सहकर्मी समीक्षा के लिए
सेक्टर एक्सपर्ट्स की सूचीबध्दता हेतु सूचना

दक्षिण तट रेलवे, विशाखापत्तनम द्वारा डीपीआर्स की सहकर्मी समीक्षा (रेलवे परियोजनाएं) के लिए, सेक्टर एस्कपट्र्स या क्षेत्र निपुणों के रुप में सूचीबध्दता या एमपैनलमेन्ट हेतु पात्र आईआऱएसई अधिकारियों, वरिष्ठ प्रशासकीय श्रेणी (एसएजी) या उच्च पद के सेवानिवृत्तों से आवेदन आमंत्रित हैं।

आवेदन की प्रस्तुति की अंतिम तिथि: 20 अगस्त, 2026

दक्षिण तट रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट (http://www.scor.indianrailways.gov.in) पर संबंधित विवरणानुसार आवेदन उपलब्ध है, तत्संबंधित आवेदन को यथावत रुप से भरकर तथा हस्ताक्षरित कर, संबंधित सहायक दस्तावेजों के साथ मुहरबंद लिफाफे में प्रस्तुत करना चाहिए। मुहरबंद लिफाफे पर स्पष्ट रुप से, आवेदित पद का नाम तथा सूचना विवरण लिखकर, इस लिफाफे पर निम्न पता विवरित किया जाना चाहिए:-

उप मुख्य अभियन्ता (निर्माण)-1, सीएओ/ निर्माण/ दक्षिण तट रेलवे का कार्यालय, डीआऱएम ऑफिस काम्प्लेक्स, दोण्डापर्थी, विशाखापत्तनम-530004

SCoR-A148 मुख्य प्रशासन अधिकारी (निर्माण)/विशाखापत्तनम

मेडिगड्डा में पानी का भारी बहाव

मुलुगु/भूपालपल्ली, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण मुलुगु में जंपन्नावागु में एक कार ड्राइवर लापता हो गया; भूपालपल्ली में गाड़ियों की आवाजाही और कोयले का उत्पादन बाधित हुआ, जबकि मेडिगड्डा में पानी का भारी बहाव देखा गया।

मेडचल ज़िले के घाटकेसर मंडल के कोंडामाडुगु गाँव के रहने वाले 40 वर्षीय कार ड्राइवर तिम्मैया को श्रद्धालुओं के एक समूह ने मेदारम जाने के लिए हायर किया था। देवताओं के दर्शन करने से पहले नहाने के लिए वह जंपन्नावागु में उतरे, लेकिन पानी के तेज़ बहाव में बह गए और लापता हो गए।

प्रेमचंद की जयंती पर हिंदी कहानी पाठ का आयोजन

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मशहूर कहानीकार और 'उपन्यास सम्राट' मुंशी प्रेमचंद की जयंती के मौके पर आज बेगमपेट एयरपोर्ट स्थित एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ़ इंडिया के दफ़्तर में हिंदी कहानी पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

इस मौके पर जॉइंट जनरल मैनेजर अपूर्व जैन ने कहा कि , हैदराबाद एयरपोर्ट पर राजभाषा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने और अधिकारियों की हिंदी में काम करने की झिझक को दूर करने के लिए समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि जनरल मैनेजर (समन्वय प्रभारी) अचिंत कुमार दत्ता के नेतृत्व और मार्गदर्शन में एयरपोर्ट पर राजभाषा को बढ़ावा देने और उसके प्रचार-प्रसार का काम सक्रिय रूप से चल रहा है, और आज का हिंदी कहानी पाठ इसी दिशा में एक अहम कदम था।

राजभाषा सुपरवाइज़र शुक्ला उपेंद्र कुमार ने कहा कि प्रेमचंद का साहित्य 21वीं सदी के सामाजिक, आर्थिक और नैतिक परिवेश में जीवंत और प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएँ केवल अतीत का दस्तावेज़ नहीं हैं, बल्कि समकालीन मुद्दों को समझने और उनका विश्लेषण करने का एक पारदर्शी आईना हैं। उन्होंने आगे कहा कि 'गोदान' का मुख्य पात्र 'होरी' केवल एक काल्पनिक पात्र नहीं है, बल्कि भारतीय कृषि व्यवस्था की दुखद सच्चाई का प्रतीक है।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि प्रेमचंद की रचनाओं में महिलाएँ केवल सहानुभूति की पात्र नहीं हैं, बल्कि आत्म-सम्मान और प्रतिरोध की प्रतीक हैं। जहाँ 'निर्मला' दहेज प्रथा और बेमेल विवाह की बुराइयों को उजागर करती है, वहीं 'गबन' की 'जल्पा' विपरीत परिस्थितियों में आत्मनिर्भर बनकर समाज के सामने एक मिसाल पेश करती है। इसी तरह, 'सेवा सदन' महिलाओं की शिक्षा और अधिकारों की पुरज़ोर वकालत करता है और आधुनिक महिला सशक्तिकरण की पहल की नींव रखता है।

कहानी पाठ के सत्र के दौरान, प्रतिभागियों ने प्रेमचंद की मशहूर कहानियों - जैसे 'ईदगाह', 'नमक का दारोगा', 'पूस की रात' और 'दो बैलों की कथा' - के अंशों का भावपूर्ण पाठ किया। कार्यक्रम के आखिर में, विजेताओं-जिनमें जी. साई प्रीतम, के. साई गणेश, सुश्री एस. मृणालिनी और सुश्री सुष्मिता शामिल थे और दूसरे प्रतिभागियों को बेहतरीन योगदान के लिए पुरस्कार दिए गए।

दक्षिण मध्य रेलवे में गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई मुंशी प्रेमचंद जयंती

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महान कथाकार एवं उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय, सिकंदराबाद में गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी. खाड़े ने की। समारोह का शुभारंभ मुंशी प्रेमचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान कार्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि मुंशी प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज की वास्तविक समस्याओं, ग्रामीण जीवन, शोषित एवं वंचित वर्ग की पीड़ा तथा मानवीय मूल्यों का अत्यंत प्रभावशाली चित्रण किया। इस दौरान उनकी प्रमुख कृतियों 'गोदान', 'गबन', 'निर्मला', 'ईदगाह' तथा 'नमक का दरोगा' सहित अन्य साहित्यिक रचनाओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया। समारोह के समापन पर उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एम. के. नाग राजु ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन हिंदी साहित्य के प्रति नई पीढ़ी में रुचि, जागरूकता और साहित्यिक संस्कार विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रीत को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर

सीमा ने डिस्कस थ्रो में ब्रॉन्ज जीता; भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया। लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 kg वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया। दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके

लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए। न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 + 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं

लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

13 साल की उम्र में मिली नई दिशा

13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एसएआई) के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

मां बनने के बाद सीमा की वापसी

27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में पीएचडी भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की।

2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं सीमा ने 2025 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। 2026 में उन्होंने 59.73 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो दर्ज किया। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई।

डीपीएल का नया सीजन शुरू होने से खुश हूं, उम्मीद है टूर्नामेंट और भी रोमांचक होगा : रोहन जेटली

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली और डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) के प्रेसिडेंट रोहन जेटली ने कहा कि दिल्ली प्रीमियर लीग टूर्नामेंट (डीपीएल) पिछले सीजन के मुकाबले इस बार काफी बड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि राजधानी में क्रिकेट फैंस शुक्रवार से एक बार फिर इस लीग में कड़े और रोमांचक मुकाबलों का लुत्फ उठा सकेंगे। टूर्नामेंट का तीसरा सीजन शुक्रवार की शाम को पुरुषों के मुकाबले में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और पुरानी दिल्ली 6 के बीच मैच के साथ शुरू होगा।

इससे पहले, एक शानदार ओपनिंग सेरेमनी होगी जिसमें सिंगर सुनंदा शर्मा और सुखबीर सिंह लाइव परफॉर्मेंस देंगे। रोहन जेटली ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हमें दिल्ली प्रीमियर लीग का एक और सीजन शुरू करने में खुशी हो रही है। पिछले सीजन के मुकाबले यह टूर्नामेंट बहुत बड़ा हो गया है और खिलाड़ियों, फ्रेंचाइजी और फैंस का सपोर्ट बहुत जबरदस्त रहा है। हमें यकीन है कि यह सीजन और भी रोमांचक होगा, जिसमें बेहतरीन क्वालिटी का क्रिकेट, कड़े मुकाबले और अरुण जेटली स्टेडियम में शानदार माहौल देखने को मिलेगा। हम उम्मीद करते हैं कि बड़ी संख्या में फैंस आएंगे और टूर्नामेंट का मजा लेंगे। 2022 में भारत की अंडर 19 वर्ल्ड कप टीम की कप्तानी करने वाले यश धुल सेंट्रल दिल्ली किंग्स की कमान संभाल रहे हैं। यश ने कहा कि उनकी टीम ने अच्छी तैयारी की है और वे मैदान पर उतरने के लिए बेताब हैं। टीम ने पिछले कुछ हफ्तों में बहुत अच्छी ट्रेनिंग की है और हर कोई नए सीजन के लिए उत्साहित है। हमारी टीम संतुलित है जिसमें अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। हमारा फोकस निडर होकर क्रिकेट खेलने, लगातार अच्छा प्रदर्शन करने और हर मैच में अपना बेस्ट देने पर है।

वहीं, पुरानी दिल्ली 6 के कप्तान अनुज रावत ने कहा कि उनकी टीम सकारात्मक क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है। दिल्ली प्रीमियर लीग को लेकर उत्साह हर साल बढ़ रहा है और हम अपने अभियान को शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। हमने अच्छी तैयारी की है और एक मजबूत टीम बनाई है। हमारा मकसद सकारात्मक क्रिकेट खेलना, फैंस का मनोरंजन करना और हर गेम में कड़ी टक्कर देना है। पुरुषों के डीपीएल का फाइनल मुकाबला 30 अगस्त को खेला जाएगा, जबकि 31 अगस्त को रिजर्व-डे के तौर पर रखा गया है। वहीं, महिलाओं का टूर्नामेंट 20 अगस्त को शुरू होगा और 2 सितंबर को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स-प्रीति और अंकुश मुक्केबाजी के फाइनल में

अस्मिता-हर्ष ने जूडो में मेडल पक्का किया; नीरज जेवलिन में गोल्ड के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारतीय मुक्केबाज प्रीति पवार और अंकुश पंघाल ने अपने-अपने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बना ली। जूडो में हर्ष सिंह मेंस 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गए, जबकि अस्मिता डे ने महिला 48 किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया।

भारत अब तक 17 पदक जीत चुका है, जिसमें 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल हैं। देर रात 12.45 बजे जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का फाइनल होगा। उनके साथ भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे।

प्रीति और अंकुश ने बॉक्सिंग फाइनल में

महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रीति पवार ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। पूरे मुकाबले में प्रीति हावी रहीं और सभी अंपायर के फैसले से जीत दर्ज की। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया। अंकुश ने तीनों राउंड में बढ़त बनाए रखी और फाइनल में जगह बना ली।

जूडो में हर्ष और अस्मिता का कमाल

पुरुष 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के पेड्रो कार्लोस एंटुन नेटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए जूडो में दूसरा पदक पक्का कर दिया। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्कॉटलैंड की समर शॉ को गोल्डन स्कोर में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मुकाबला बेहद कड़ा रहा, लेकिन अतिरिक्त समय में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर जीत दर्ज की।

नीरज की गोल्ड पर नजर

जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी। रुमेश ने क्वालिफिकेशन में 82.84 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, जबकि नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे।

स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं, लेकिन उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं : ओली रोबिन्सन

लंदन, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग को अपना नया टेस्ट हेड कोच नियुक्त किया है। फ्लेमिंग की नियुक्ति को लेकर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रोबिन्सन का कहना है कि उन्होंने फ्लेमिंग के बारे में काफी अच्छी बातें सुनी हैं। टेस्ट क्रिकेट में खराब दौर से गुजर रही इंग्लैंड टीम को फिर से ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी फ्लेमिंग के कंधों पर होगी।

हाल ही में बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया, जिसके बाद जो रूट को इंग्लैंड टीम का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है। वहीं, ब्रेंडन मैकुलम को भी टेस्ट में हेड कोच के पद से हटाया गया है। इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में 2-1 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। रोबिन्सन ने 'द आई पेपर' के साथ बातचीत करते हुए कहा, किसी नए व्यक्ति का आना हमेशा कुछ नया और दिलचस्प होता है। मैं स्टीफन फ्लेमिंग से कभी मिला नहीं हूं, लेकिन मैंने उनके बारे में अच्छी बातें सुनी हैं। इसी वजह से यह देखना दिलचस्प होगा कि वह किस तरह की रणनीति अपनाते हैं। यह रोमांचक होगा।

इंग्लिश तेज गेंदबाज ने आगे कहा, जब भी कोई बदलाव होता है, तो यह देखना हमेशा रोमांचक होता है कि चीजें कैसी होंगी और ग्रुप कैसे आगे बढ़ेगा। आखिरकार, मकसद क्रिकेट मैच जीतना ही होता है। मुझे लगता है कि शायद हम उस मकसद से थोड़ा भटक गए थे, लेकिन मैकुलम और बेन के साथ खेलना बहुत मजेदार और सुखद था। दुख की बात है कि वह दौर खत्म हो गया, लेकिन मैं उत्साहित हूं कि कोई नया व्यक्ति आ रहा है। 19 अगस्त से शुरू होने वाली पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड की आगामी टेस्ट सीरीज में वापसी की उम्मीद कर रहे रोबिन्सन ने माना कि स्टोक्स के अचानक रिटायरमेंट से ड्रेसिंग रूम हैरान रह गया था।

मुझे लगता है कि जब उन्होंने रिटायरमेंट लिया तो हम सभी सचमुच थोड़े हैरान थे। मुझे बहुत दुख हुआ क्योंकि मुझे उनकी कप्तानी में और उनके साथ खेलना बहुत पसंद था। और अब ब्रेंडन मैकुलम भी चले गए हैं। जाहिर है कि उन्होंने कहा कि उन्हें मनचाहे नतीजे नहीं मिले, लेकिन उन दोनों के नेतृत्व में खेलना बहुत शानदार अनुभव था।

33 साल के सारांश टीम इंडिया में चुने गए

बोले-उम्र नहीं, प्रदर्शन मायने रखता है; पिता को कैंसर हुआ तो क्रिकेट छोड़ दिया था

भोपाल, 31 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के स्पिन ऑलराउंडर सारांश जैन 33 साल की उम्र में भारतीय टेस्ट टीम में चुने गए हैं। चयन के बाद सारांश ने कहा कि क्रिकेट में उम्र नहीं, बल्कि प्रदर्शन और फिटनेस मायने रखते हैं। सारांश ने बताया कि 2014-15 में पिता को कैंसर होने के बाद उन्होंने क्रिकेट छोड़ दिया था। हालांकि, पिता ने सर्जरी के बाद एक पर्ची लिखकर उन्हें क्रिकेट जारी रखने के लिए प्रेरित किया। सारांश आज भी उस संदेश को अपने साथ रखते हैं। जब भारतीय टीम का ऐलान हुआ, तब मैं सुबह हनुमान मंदिर में था। मुझे पता था कि टीम दोपहर में घोषित होनी है। मंदिर से बाहर निकला तो कई मिस्ड कॉल और मैसेज थे। तभी टीममेट पार्थ साहनी का फोन आया। उन्होंने बधाई दी और बताया कि सिलेक्शन हो गया है। पहले तो मुझे विश्वास नहीं हुआ। पार्थ ने मुझे स्क्रीनशॉट भी भेजा। अपना नाम देखकर मैं बहुत ज्यादा खुश हो गया। कई सालों से मैं और मेरा परिवार इस पल का सपना देख रहे थे। वह मेरी जिंदगी के सबसे खुशी भरे पलों में से एक था।

अजिंक्य रहाणे के रिटायरमेंट पर भावुक रोहित शर्मा ने कहा-तुमने कितनी मेहनत की

नई दिल्ली, 31 जुलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने लंबे समय तक अपने साथी रहे अजिंक्य रहाणे के बारे में कहा कि उनकी 'प्रतिबद्धता और प्रोफेशनलिज्म' उन्हें सबसे अलग बनाती थी जबकि मौजूदा कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें एक आदर्श खिलाड़ी करार दिया। रहाणे ने 12 साल तक चले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को गुरुवार को अलविदा कह दिया। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने करियर में 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। रोहित ने एक्स पर लिखा, 'हमने कई सालों तक ड्रेसिंग रूम साझा किया है और मैं जानता हूं कि आपने जो कुछ भी हासिल किया है उसमें कितनी मेहनत लगी है। आपकी प्रतिबद्धता और प्रोफेशनलिज्म आपको हमेशा से दूसरों से अलग बनाता आया है। शानदार करियर के लिए बधाई। ढेर सारी शुभकामनाएं।' भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान गिल ने कहा कि रहाणे ने सबसे मुश्किल समय में नेशनल टीम की अगुवाई की।

वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप : भारतीय पुरुष टीम को ब्रॉन्ज से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में अमेरिका ने मारी बाजी

ओंटारियो, 31 जुलाई (एजेंसियां)। वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर टीम चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष टीम को लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल से संतोष करना पड़ा। सेमीफाइनल में भारतीय टीम को अमेरिका के खिलाफ 0-2 से हार का सामना करना पड़ा।

शुरुआती कड़े मुकाबले में गुरवीर सिंह को ब्रेंडन टैग्लियारिनी ने 7-11, 12-10, 9-11, 7-11 से हराया, जबकि नंबर 1 खिलाड़ी आर्यवीर दीवान को यासीन शलाबी ने 5-11, 7-11, 5-11 से हराकर भारतीय टीम के सफर को टूर्नामेंट में समाप्त कर दिया। हालांकि, यह पहली बार है जब किसी भारतीय टीम ने वर्ल्ड जूनियर टीम प्रतियोगिता में लगातार मेडल जीते हैं। पिछले सीजन भी भारतीय पुरुष टीम ने ब्रॉन्ज पर कब्जा जमाया था। शुरुआती मैच में, अपना 17वां जन्मदिन मना रहे टैग्लियारिनी ने गुरवीर के खिलाफ 2-1 से पिछड़ने के बाद वापसी की और अमेरिका को शुरुआती बढ़त दिलाई। उन्होंने 11-7, 9-11, 6-11, 11-7, 11-3 से जीत हासिल की। अमेरिका के पक्ष में मोमेंटम होने के कारण, नंबर 1 खिलाड़ी शलाबी ने दूसरे मैच में तेज शुरुआत की और आर्यवीर पर 3-0 से जीत के साथ टाई और फाइनल में जगह पक्की कर ली। मैच के बाद टैग्लियारिनी ने कहा, मैंने पूरी ताकत से मुकाबला किया और उन्होंने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने के लिए प्रेरित किया। मैं बस खुद से कहता रहा कि मैं यह कर सकता हूं और मेरे कोच निक टेलर ने इसमें मेरी मदद की।

फुटबॉल जगत को बड़ा झटका : इटली और एसी मिलान के महान डिफेंडर फ्रैंको बरेसी का निधन

मिलान, 31 जुलाई (एजेंसियां)। इटली के पूर्व कप्तान और एसी मिलान के महान डिफेंडर फ्रैंको बरेसी का 66 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। लंबे समय से बीमारी से जूझ रहे बरेसी के निधन की पुष्टि शुक्रवार को इटली के दिग्गज क्लब एसी मिलान ने की। उनके जाने से विश्व फुटबॉल ने अपने सबसे महान रक्षात्मक खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है।

बरेसी को फुटबॉल इतिहास के सर्वश्रेष्ठ डिफेंडरों में गिना जाता है। वह सात बार बैलन डी'ओर के लिए नामित हुए और 1989 में दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें 20वीं सदी के महान फुटबॉलरों की सूची में भी प्रमुख स्थान मिला था और 2013 में उन्हें इटैलियन फुटबॉल हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

सिर्फ दो जर्सी, लेकिन अमर करियर

फ्रैंको बरेसी ने अपने पूरे पेशेवर करियर में केवल दो टीमों का प्रतिनिधित्व किया, एसी मिलान और इटली की राष्ट्रीय टीम। उन्होंने इटली के लिए 81 मैच खेले और 1982, 1990 तथा 1994 के तीन फीफा विश्व कप में हिस्सा लिया। 1994 विश्व कप में उन्होंने कप्तान के रूप में टीम को फाइनल तक पहुंचाया और चोट से वापसी के बावजूद ब्राजील के खिलाफ यादगार प्रदर्शन किया।

2027 वनडे वर्ल्डकप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

> साउथ अफ्रीका में 8 वेन्यू > जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान > 24 साल बाद अफ्रीका में वर्ल्डकप

2027 वर्ल्ड कप के 12 मेजबान शहर

देश	शहर
साउथ अफ्रीका	जोहानसबर्ग
साउथ अफ्रीका	सेंचुरियन
साउथ अफ्रीका	डरबन
साउथ अफ्रीका	ग्केबेर्हा
साउथ अफ्रीका	कुगोम्पो सिटी
साउथ अफ्रीका	केपटाउन
साउथ अफ्रीका	पार्ल
साउथ अफ्रीका	ब्लोमफोंटेन
जिम्बाब्वे	हरारे
जिम्बाब्वे	बुलावायो
जिम्बाब्वे	विक्टोरिया फॉल्स
नामीबिया	विंडहोक

जोहानसबर्ग, 31 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीसी ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे।

इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है।

24 साल बाद अफ्रीका में लौटेगा वनडे वर्ल्ड कप

वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था।

54 में से 41 मैच साउथ अफ्रीका में हो सकते हैं

वर्ल्ड कप के कुल 54 मुकाबलों में से कम से कम 41 मैच साउथ अफ्रीका में खेले जाने की संभावना है। जिम्बाब्वे को 7 से 10 मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी, जबकि नामीबिया में कम से कम तीन मैच होंगे। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वॉर्म-अप वेन्यू बनाया गया है। ये दोनों शहर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर की मेजबानी भी नामीबिया के साथ मिलकर कर सकते हैं।

विक्टोरिया फॉल्स पहली बार बनेगा वर्ल्ड कप वेन्यू

12 शहरों में विक्टोरिया फॉल्स नया वेन्यू है। यहां 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाया जा रहा है, जिसके इस साल के अंत तक तैयार होने की उम्मीद है।

14 टीमों के साथ नए फॉर्मेट में होगा टूर्नामेंट

2027 वनडे वर्ल्ड कप में कुल 14 टीमें हिस्सा लेंगी। आईसीसी ने हाल ही में इसके लिए नया थ्री-स्टेज फॉर्मेट मंजूर किया है। टूर्नामेंट की शुरुआत सुपर सीरीज से होगी, जिसमें रैंकिंग की 12वीं, 13वीं और 14वीं टीम आमने-सामने होंगी। इनमें से एक टीम अगले स्टेज में पहुंचेगी। इसके बाद 12 टीमों को 6-6 टीमों के दो ग्रुप में बांटा जाएगा। दोनों ग्रुप की टॉप-3 टीमें और चौथे स्थान पर रहने वाली दोनों टीमों में से बेहतर एक टीम सुपर-7 राउंड में पहुंचेगी। सुपर-7 में सातों टीमें एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी, जिसके बाद टॉप-4 टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। सेमीफाइनल जीतने वाली दो टीमें फाइनल खेलेंगी।

भारत-पाकिस्तान के 3 मैच संभव

नए फॉर्मेट के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच अधिकतम तीन मुकाबले हो सकते हैं। यदि दोनों टीमें एक ही ग्रुप में रहीं तो पहली भिड़ंत ग्रुप स्टेज में होगी। दोनों के सुपर-7 में पहुंचने पर दूसरा मैच खेला जाएगा। इसके बाद सेमीफाइनल या फाइनल में दोनों टीमों का तीसरी बार आमना-सामना हो सकता है।

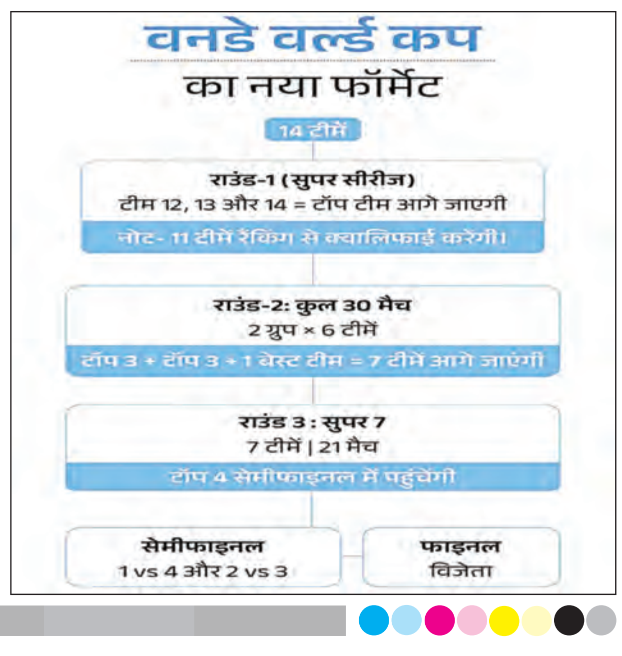

यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी में अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का आदेश

सीएम ने कौशल विकास विभाग के कामकाज की समीक्षा की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नवाचार और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी (वाईआईएसयू) में एक अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने आवास पर कौशल विकास विभाग के कामकाज की समीक्षा की। श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना, खान एवं भूविज्ञान मंत्री डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी और वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे।

इस अवसर पर, रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को सरकारी कॉलेजों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए अग्रणी कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने छात्रों को उद्योग से संबंधित कौशल से लैस करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी केंद्रों (एटीसी) में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सर्विसिंग और ड्रोन प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शुरू करने का भी आह्वान किया। तेलंगाना ओवरसीज मैनपावर कंपनी (टॉमकॉम) को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि संगठन को नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को पासपोर्ट सहायता से लेकर विदेशी कंपनियों में रोजगार सुरक्षित करने तक, संपूर्ण सहायता प्रदान करनी चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कौशल विश्वविद्यालय में विदेशी भाषाओं में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक समर्पित विंग स्थापित करें, जिससे छात्रों के वैश्विक रोजगार की संभावनाओं में वृद्धि हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की बढ़ती मांग के अनुरूप नर्सिंग कॉलेजों को मंजूरी देने के निर्देश भी दिए।

उफनती धारा में फंसे सफाई कर्मचारी को बचाया गया

आदिलाबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार शाम गुंजाला गांव में उफनती धारा में फंसे एक सफाई कर्मचारी को बचाने के लिए पुलिस की तारीफ़ हुई।

पुलिस ने बताया कि सफाई कर्मचारी रोड्डा राजू शौच के लिए गया था, तभी ऊपरी इलाकों में बारिश के कारण धारा का बहाव अचानक बढ़ गया और वह बह गया। वह एक पेड़ को पकड़कर धारा के बीच में ही फंसा रहा और 2 घंटे तक बचाव का इंतज़ार करता रहा। उसके परिवार वाले उसकी खैरियत को लेकर परेशान थे, उन्होंने उसे खोजना शुरू किया और धारा में उसका पता लगाया।

सूचना मिलने पर पुलिस और फायर डिपार्टमेंट के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बहादुरी दिखाते हुए और एक घंटे तक संघर्ष करने के बाद राजू को बचा लिया। उन्होंने एक लंबी रस्सी की मदद से उसे सुरक्षित धारा के किनारे तक पहुंचाया, जिससे उसे और उसके परिवार वालों को राहत मिली।

जूपल्ली ने तेलंगाना में वाइन पर्यटन की संभावनाओं का पता लगाया

मंत्री ने अमेरिका के स्टोन टॉवर वाइनरी का दौरा किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निषेध और उत्पाद शुल्क, पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव ने तेलंगाना में वाइन पर्यटन विकसित करने की संभावनाओं का पता लगाने के प्रयासों के तहत अमेरिका के वर्जीनिया के लीसबर्ग में स्थित स्टोन टॉवर वाइनरी का दौरा किया और इसके संचालन का अध्ययन करने के लिए वाइन सेलर का दौरा किया। कृष्णा राव ने वाइनरी प्रतिनिधियों से बातचीत की और अंगूर की खेती, शराब उत्पादन के लिए उपयुक्त किस्मों, प्रसंस्करण और किण्वन तकनीकों, भंडारण, परिपक्वता, बोतलबंदी, गुणवत्ता नियंत्रण और विपणन के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी अध्ययन किया कि निर्देशित पर्यटन, आतिथ्य सत्कार और सुनियोजित पर्यटक अनुभवों के माध्यम से अंगूर के बाग और वाइनरी पर्यटन से किस प्रकार जुड़े हुए हैं। मंत्री जी ने कहा कि हैदराबाद से निकटता और अंगूर की खेती की संभावनाओं को देखते हुए रंगारेड्डी और विकाराबाद जिलों में अंगूर के बागों और वाइनरी आधारित पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। इस पहल को आगे बढ़ाने से पहले उपयुक्त स्थानों, जलवायु परिस्थितियों और निवेश मॉडलों का अध्ययन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वाइन टूरिज्म पर्यटकों को एक विशिष्ट अनुभव प्रदान कर सकता है, साथ ही अंगूर उत्पादकों का समर्थन कर सकता है, निजी निवेश को आकर्षित कर सकता है और स्थानीय रोजगार सृजित कर सकता है। यह पहल तेलंगाना पर्यटन नीति 2025-30 के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य राज्य के पर्यटन प्रस्तावों में विविधता लाना और निजी और सार्वजनिक-निजी भागीदारी निवेश के माध्यम से नए पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देना है। तेलंगाना पर्यटन सम्मेलन में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का अनावरण किया गया, जिनमें वाइनरी वॉकथ्रू अनुभव के साथ अपनी तरह का पहला वाइनयार्ड रिसॉर्ट भी शामिल है।

प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य आगंतुकों को अंगूर की कटाई से लेकर बोतलबंदी तक की पूरी वाइन बनाने की प्रक्रिया की जानकारी देना और साथ ही अंगूर को कुचलने का पारंपरिक अनुभव प्रदान करना है। जूपल्ली कृष्णा राव ने कहा कि तेलंगाना में एक उपयुक्त वाइन पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए सफल अंतरराष्ट्रीय मॉडलों और सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन किया जाएगा, जिसमें राज्य के नियामक ढांचे का पालन करते हुए अंगूर के बागों, आतिथ्य और स्थानीय व्यंजनों को एकीकृत किया जाएगा। सरकारी सचेतक येन्नम श्रीनिवास रेड्डी और तांदूर विधायक बुय्यानी मनोहर रेड्डी भी इस दौरे के दौरान मंत्री के साथ थे।

पुलिस रेड के दौरान जुआ खेलते पकड़े

जाने पर एआर कॉन्स्टेबल सस्पेंड

खम्मम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले में जुआ खेलते पकड़े गए एक पुलिस कॉन्स्टेबल को नौकरी से सस्पेंड कर दिया गया। जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, वेमसूर की सब-इंस्पेक्टर कविता और उनकी टीम ने 19 जुलाई को वेमसूर मंडल के अम्मापालेम गाँव के बाहरी इलाके में कंचरला वेंकटेश्वर राव (उर्फ़ जयम) और श्रीहरि द्वारा चलाए जा रहे जुए के अड्डे पर रेड की थी। इस मामले में 22 लोगों के खिलाफ़ केस दर्ज किए गए। रेड के दौरान सथुपल्ली टाउन पुलिस स्टेशन में ड्राइवर के तौर पर काम कर रहे एआर कॉन्स्टेबल मोहम्मद इमरान शरीफ़ भी पकड़े गए। पुलिस कमिश्नर सुनील दत्त ने ड्यूटी में लापरवाही और विभागीय नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में कॉन्स्टेबल को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया।

पूर्व विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी का निधन

केसीआर ने निधन पर शोक व्यक्त किया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता और नरसाम्पेट के पूर्व विधायक पेद्दी सुदर्शन रेड्डी का शुक्रवार तड़के सिकंदराबाद के यशोदा अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे 54 वर्ष के थे। 26 जुलाई को हनमकोंडा स्थित अपने आवास पर उनकी तबीयत गंभीर हो गई और रोहिणी अस्पताल में आपातकालीन उपचार के बाद उन्हें हैदराबाद ले जाया गया। फेफड़ों में रक्त का थक्का जमने (पल्मोनरी एम्बोलिज्म) के कारण उन्हें हृदय गति रुक गई। लगभग 45 मिनट तक सीपीआर देने के बाद उनकी हालत सुधरी, लेकिन तंत्रिका तंत्र की प्रतिक्रिया न होने के कारण उनकी हालत गंभीर हो गई। चिकित्सा दल ने छह दिनों तक उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। पेद्दी सुदर्शन रेड्डी का जन्म 6 अगस्त 1974 को वारंगल ग्रामीण जिले के नल्लाबेल्ली मंडल के नल्लाबेल्ली गांव में

राजी रेड्डी और अमृतम्मा के घर हुआ था। कृषि परिवार से आने वाले पेद्दी ने 1991 में वारंगल के महबूबिया पंजथन कॉलेज से इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी की। उनका विवाह स्वप्ना से हुआ और उनके एक पुत्र निदर्शन रेड्डी और एक पुत्री धर्मिष्ठा रेड्डी हैं। सुदर्शन रेड्डी ने युवा कांग्रेस के माध्यम से राजनीति में प्रवेश किया और 2001 में पार्टी की स्थापना के समय तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) में शामिल हुए। वे नल्लाबेल्ली मंडल से जिला परिषद समिति के सदस्य चुने गए और जिला परिषद के फ्लोर लीडर के रूप में कार्य किया। उन्होंने अविभाजित वारंगल जिले के पार्टी अध्यक्ष और राज्य पोलित ब्यूरो के सदस्य के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने वारंगल में आयोजित जनसभाओं और विशाल रैलियों में सक्रिय रूप से भाग लेकर तेलंगाना आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के परिवार के करीबी सहयोगी थे और पार्टी द्वारा सौंपी गई किसी भी जिम्मेदारी को अटूट समर्पण के साथ सफलतापूर्वक निभाने के लिए जाने जाते थे। हालांकि उन्होंने 2014 के विधानसभा चुनावों में टीआरएस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में नरसामपेट से चुनाव लड़ा, लेकिन असफल रहे। हालांकि, 2018 में अपने दूसरे प्रयास में उन्होंने शानदार जीत हासिल की और नरसामपेट से विधायक बने। 2018 से 2023 के बीच, उन्होंने तेलंगाना राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष और विधानसभा की लोक लेखा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया। बीआरएस पार्टी प्रमुख के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को अलग तेलंगाना आंदोलन के कार्यकर्ता, पूर्व नरसामपेट विधायक और पार्टी के वरिष्ठ नेता पेद्दी सुदर्शन रेड्डी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

पीएम मोदी पर अपमानजनक पोस्ट को लेकर साइबर क्राइम ने केस दर्ज किए

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कथित आपत्तिजनक कंटेंट को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं की शिकायत के बाद, हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने कुछ सोशल मीडिया यूज़र्स और भारत में मेटा के हेड के खिलाफ दो मामले दर्ज किए हैं। तेलंगाना बीजेपी की सोशल मीडिया कोर कमेटी के एक सदस्य द्वारा 29 जुलाई को की गई शिकायत के बाद, आईटी एक्ट की धारा 66C (पहचान की चोरी), 67 (इलेक्ट्रॉनिक रूप में अश्लील सामग्री प्रकाशित करना) और बीएनएस की धारा 353 (2) (आरोपी व्यक्ति सक्षम गवाह होगा), 336 (4) (जालसाजी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

साइबर क्राइम के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया, ये मामले उन लोगों के खिलाफ दर्ज किए गए जिन्होंने पोस्ट किया और इस बात पर भी कि कैसे उन्होंने (सोशल प्लेटफॉर्म्स ने) इसकी इजाज़त दी। एक मामले में, शिकायत में बताए गए 'इंस्टाग्राम और फेसबुक यूज़र्स' और भारत में मेटा के हेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत करने वाले ने कुछ ऐसे इंस्टाग्राम अकाउंट्स की जांच की मांग की, जिन्होंने कथित तौर पर पीएम मोदी के बारे में अपमानजनक कंटेंट प्रकाशित और प्रसारित किया था। शिकायत में कहा गया है कि कंटेंट से ऐसे नैरेटिव (विचार) को बढ़ावा मिलता है जो देश की संप्रभुता, अखंडता और सार्वजनिक व्यवस्था के लिए हानिकारक हैं।

उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया कि वे सोशल मीडिया अकाउंट्स और पोस्ट से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को सुरक्षित रखें, अकाउंट्स चलाने वाले लोगों की पहचान करें, गहन जांच करें और ज़रूरी अकाउंट डिटेल्स पाने और ज़रूरत पड़ने पर संबंधित डिजिटल सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए मेटा के साथ समन्वय करें।

केटीआर फॉर्मूला-ई मामले में पहली बार अदालत में पेश हुए

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। फॉर्मूला-ई रेस मामले में आरोपपत्र दाखिल होने के बाद, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव शुक्रवार को नामपल्ली एसीबी विशेष न्यायालय में पहली बार पेश हुए। न्यायालय ने अगली सुनवाई 25 अगस्त को निर्धारित की है। आरोपी नंबर 1 (ए1) के रूप में सूचीबद्ध रामा राव के साथ सह-आरोपी पूर्व आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार और पूर्व एचएमडीए मुख्य अभियंता बीएलएन रेड्डी भी पेश हुए। अदालत ने बीआरएस नेता को 1 लाख रुपये के निजी मुचलके और दो जमानती पेश करने का निर्देश दिया। भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) ने 23 मार्च को 77 पन्नों की आरोपपत्र दाखिल की, जिसमें रामा राव, अरविंद कुमार, बीएलएन रेड्डी और फॉर्मूला ई ऑपरेशंस (एफईओ) को नामजद किया गया है, और फॉर्मूला-ई सीजन 10 के आयोजन के दौरान कथित प्रक्रियात्मक खामियों का विवरण देने वाले 14 गवाहों के बयानों का समर्थन किया गया है। एसीबी ने कहा कि वित्त और विधि विभागों से अनिवार्य मंजूरी या कैबिनेट की स्वीकृति के बिना एफईओ को धनराशि जारी की गई थी। एजेंसी का आरोप है कि एचएमडीए को 54.88 करोड़ रुपए का सीधा नुकसान हुआ है और हस्ताक्षरित समझौतों के तहत राज्य के खजाने पर कुल वित्तीय बोझ लगभग 600 करोड़ होने का अनुमान है। आरोपपत्र में निजी कंपनी ऐस नेक्स्टजेन को अनुचित लाभ पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया है और लेन-देन की व्यवस्था का सुझाव दिया गया है - इन दावों को आरोपियों ने पूरी तरह से नकार दिया है। पूर्व मंत्री पी. सबिता इंदिरा रेड्डी और मोहम्मद महमूद अली सहित कई वरिष्ठ बीआरएस नेता, विधायक पाडी कौशिक रेड्डी और राज्यसभा नेता प्रवीण कुमार रामाराव के साथ अदालत गए।

तेलंगाना एचसी ने मलकपेट पुलिस पर कस्टडी में टॉर्चर के आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट की जस्टिस जे. माधवी देवी ने गुरुवार को हैदराबाद पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया कि वे मलकपेट पुलिस स्टेशन से जुड़े पुलिस कर्मियों के खिलाफ गैर-कानूनी हिरासत और कस्टडी में टॉर्चर के आरोपों की जांच करें। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल सबूतों की जांच की जाए। यह निर्देश एक रिट याचिका की सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि याचिकाकर्ता को 17 जुलाई को शाम करीब 7 बजे पुलिस ने बिना गिरफ्तारी का कारण बताए गैर-कानूनी तरीके से उठा लिया था।

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसे कस्टडी में हिंसा का शिकार बनाया गया, अपराध कबूल करने के लिए मजबूर किया गया और एक लंबित रिट याचिका वापस लेने का दबाव डाला गया। यह भी आरोप लगाया गया कि उसे 18 जुलाई को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जो कानूनी तौर पर तय 24 घंटे की समय-सीमा से अधिक था। याचिकाकर्ता ने स्टेशन हाउस ऑफिसर, सब-इंस्पेक्टर और संबंधित अन्य पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई और मुआवजे की मांग की। यह भी बताया गया कि 21 जुलाई को ही डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस और हैदराबाद पुलिस कमिश्नर को एक विस्तृत आवेदन भेजा जा चुका था।

गृह विभाग के असिस्टेंट गवर्नमेंट प्लीडर ने कहा कि आवेदन की जांच की जाएगी और कानून के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी।

मीरपेट में महिला ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को मीरपेट में 28 साल की एक महिला ने कथित तौर पर अपने पति की प्रताड़ना के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक महिला, जिसकी पहचान हेमा के रूप में हुई है, ने कथित तौर पर लंबे समय से चल रही वैवाहिक समस्याओं के कारण यह कदम उठाया।

उसके परिवार ने पति राज कुमार पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया और कहा कि उसका एक्स्ट्रा-मैरिटल अफ़ेयर चल रहा था। जानकारी मिलने पर मीरपेट पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

अंतरराज्यीय शातिर चोर और दो वाहन चोर गिरफ्तार, लाखों की संपत्ति बरामद

भारी मात्रा में आभूषण व पांच चोरी के दोपहिया वाहन बरामद

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय के आदिबटला पुलिस प्रभाग ने दो अलग-अलग अभियानों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक कुख्यात अंतरराज्यीय घर में चोरी करने वाले दो चोर तथा दो आदतन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण, एक मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा चोरी की पांच दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आदिबाटला पुलिस स्टेशन की अपराध शाखा और अपराध अन्वेषण टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर मन्नेगुड़ा, तुर्कयमजल क्षेत्र से राजस्थान निवासी मुकेश चौधरी (35) को गिरफ्तार किया। आरोपी वर्तमान में केपीएचबी स्थित एक छात्रावास में रहकर खाद्य वितरण कर्मी के रूप में कार्य कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले याप्राल में हार्डवेयर की दुकान चलाता था, लेकिन आर्थिक नुकसान और बुरी आदतों के कारण अपराध की दुनिया में उतर गया। वर्ष 2024 से वह विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार घरफोड़ चोरी की वारदातों में शामिल रहा है और उसके विरुद्ध पहले भी निरोधात्मक निरुद्धीकरण (पीडी) अधिनियम के तहत कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने आदिबाटला थाना क्षेत्र के अपराध संख्या 607/2026 सहित कुल सात चोरी के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इनमें आदिबाटला के दो, हयातनगर के चार और कुशाईगुड़ा का एक मामला शामिल है। आरोपी के पास से तीन तोला सोने के आभूषण, 30 तोला चांदी के आभूषण, एक मोबाइल फोन तथा एक ग्लैमर मोटरसाइकिल बरामद की गई है, जिनकी कुल कीमत लगभग 6.50 लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार आरोपी पहले से 17 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है और पांच पुलिस थानों से जेल भेजा जा चुका है। एक अन्य संयुक्त अभियान में आदिबाटला पुलिस ने केंद्रीय अपराध शाखा और अपराध अन्वेषण दल के सहयोग से दो आदतन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैयद कासिम हुसैन (18) निवासी दबीरपुरा तथा मोहम्मद करीम (19) निवासी बंडलागुड़ा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार एक अन्य आरोपी शेख सलमान अभी फरार है। पूछताछ में आरोपियों ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से दोपहिया वाहन चोरी करने की बात स्वीकार की। उनके कब्जे से पांच चोरी की दोपहिया वाहन बरामद की गई हैं। इनमें दो होंडा एक्टिवा, दो होंडा डियो और एक पल्सर एनएस मोटरसाइकिल शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी सैयद कासिम हुसैन पहले भी हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के पांच मामलों में शामिल रहा है। पुलिस आयुक्तालय ने बताया कि दोनों अभियानों का संचालन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) श्रीनिवास (आईपीएस), शमशाबाद जोन के पुलिस उपायुक्त बी. राजेश, आदिबाटला प्रभाग के सहायक पुलिस आयुक्त प्रदीप कुमार रेड्डी, आदिबाटला थाना प्रभारी एस. रमेश तथा अन्य अधिकारियों के निर्देशन में किया गया। शमशाबाद जोन के पुलिस उपायुक्त ने अभियान में शामिल पुलिस दल की सराहना की है।

चारमीनार टास्क फोर्स की बड़ी कार्रवाई, सौ मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन जब्त

तीन आरोपी गिरफ्तार, चार लाख रुपये का माल बरामद

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस की आयुक्त टास्क फोर्स की चारमीनार जोन टीम और सैफाबाद थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित मेफेन्टरमाइन सल्फेट इंजेक्शन की अवैध खरीद-बिक्री करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 100 इंजेक्शन, एक दोपहिया वाहन और तीन मोबाइल फोन सहित लगभग चार लाख रुपये मूल्य का सामान जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शेख फहीम (31), मोहम्मद नईम (35) और इब्राहिम हुसैन (22) के रूप में हुई है। तीनों तप्पाचबूतरा स्थित नटराज नगर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार 29 जुलाई को मिली विश्वसनीय सूचना के आधार पर चारमीनार जोन टास्क फोर्स और सैफाबाद थाना पुलिस ने श्री मारुति लॉजिस्टिक्स के पास एचपी पेट्रोल पंप वाली गली में यामाहा एरॉक्स स्कूटर पर सवार तीनों आरोपियों को पकड़ा। तलाशी के दौरान उनके पास से मेफेन्टरमाइन सल्फेट आईपी (मेफप्रो) 10 मिलीलीटर के 100 इंजेक्शन, तीन मोबाइल फोन और एक यामाहा एरॉक्स स्कूटर बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी शक्ति हुडा नामक व्यक्ति से परिवहन के माध्यम से इन इंजेक्शनों की खेप मंगवाकर अधिक कीमत पर ग्राहकों को बेचते थे। पुलिस ने बताया कि बिना चिकित्सकीय परामर्श या पर्चे के मेफेन्टरमाइन इंजेक्शन का उपयोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है।

गोदावरी नदी का पानी भद्राचलम में चेतावनी स्तर पार किया

कोठागुडेम, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले के भद्राचलम में गोदावरी नदी के जलस्तर में ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो रही है।

अधिकारियों ने पहली चेतावनी तब जारी की जब शुक्रवार सुबह 10.14 बजे गोदावरी का जलस्तर 43 फीट और दोपहर 12 बजे 44.80 फीट तक पहुँच गया, जिसमें पानी का बहाव 10.08 लाख क्यूसेक था। विदर्भ, छत्तीसगढ़ और उत्तरी तेलंगाना क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश के कारण गोदावरी की सहायक नदियाँ जैसे इंद्रावती और प्राणहिता उफान पर हैं।

इंद्रावती नदी से लगभग 10 लाख क्यूसेक पानी आने के कारण गोदावरी का बहाव तेज़ हो गया है। बाढ़ के पूर्वानुमान बताते हैं कि

अगले 24 से 36 घंटों में मेदिगड्डा और भद्राचलम में नदी का बहाव 12 से 17 लाख क्यूसेक के बीच पहुँचने की संभावना है।

कल रात से गोदावरी के जलस्तर में 14 फीट की बढ़ोतरी हुई है। अधिकारियों ने बताया कि भद्राचलम के साथ-साथ एसआरएसपी, येल्लमपल्ली, सुंडिला, अन्नाराम और मेदिगड्डा प्रोजेक्ट्स पर भी जलस्तर और बढ़ने की उम्मीद है।

मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त कार्यालय में सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों को दी गई विदाई

सीपी बी. सुमति ने अधिकारियों की सेवाओं की सराहना की

हैदराबाद, 31 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरी पुलिस आयुक्त कार्यालय में शुक्रवार को सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मल्काजगिरी की पुलिस आयुक्त बी. सुमति, आईपीएस ने सेवानिवृत्त हो रहे सात पुलिस अधिकारियों को सम्मानित किया और उनकी दीर्घकालीन सेवाओं की सराहना की। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों ने पुलिस विभाग को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान की हैं और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सरकार से मिलने वाले सभी लाभ शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं और किसी भी प्रकार की देरी न हो। समारोह में सेवानिवृत्त अधिकारियों के परिवार के सदस्य और सहकर्मी भी शामिल हुए, जिससे कार्यक्रम भावनात्मक और यादगार बन गया। इस अवसर पर डीसीपी प्रशासन इंदिरा, डीसीपी विशेष शाखा नरसिम्हा रेड्डी, एसीपी विशेष शाखा प्रशासन रविंद्र रेड्डी, सीएओ श्रीनिवास, श्रीनिवास, सीएच. भद्र रेड्डी तथा पुलिस अधिकारी संघ के अध्यक्ष सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को शुभकामनाएं दीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.